THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 12 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.11 2083 सोमवार, 13 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एसआईआर पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए एसआईआर की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए : मोदी

अब 15 साल का हिसाब देना होगा, सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीएमसी ने मदरसों के लिए <6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने टीएमसी के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी।

पीएम का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। पीएम मोदी ने सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि टीएमसी की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने सीएए की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है।

दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन टीएमसी सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है। असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।

नॉर्थ बंगाल में टीएमसी की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है।

दार्जिलिंग की सभी 5 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। जिले में 66% हिंदू और 24% बौद्ध आबादी है। पहाड़ों पर गोरखा पहचान की राजनीति चलती है, जबकि सिलीगुड़ी जैसे मैदानी इलाकों में शहरी मुद्दे और व्यापार मुख्य हैं।

वहीं, जलपाईगुड़ी की 7 में से 4 सीटों पर टीएमसी और 3 पर बीजेपी के विधायक हैं। राजबंशी और एसटी समुदाय यहां किंगमेकर रहे हैं। जिले में 82% हिंदू, 13% मुस्लिम और 3% ईसाई आबादी है।

नहीं रहीं सुरों की मलिका आशा भोसले

राष्ट्रपति-पीएम समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

संगीत जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आज रविवार को भारतीय संगीत जगत को गहरा आघात लगा है। सुरों की दुनिया पर दशकों तक राज करने वाली महान गायिका आशा भोसले के निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके जाने से संगीत का एक स्वर्णिम युग मानो थम सा गया है।

राष्ट्रपति ने जताया शोक

भारत की प्रतिष्ठित गायिका आशा भोसले के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले के जाने से संगीत जगत में एक ऐसा खालीपन पैदा हुआ है, जिसे भर पाना असंभव है। उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत के एक पूरे युग को परिभाषित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें आशा जी से हुई व्यक्तिगत मुलाकातें हमेशा याद रहेंगी। एक कलाकार और व्यक्ति के रूप में उन्होंने जीवन को अपने तरीके से जिया और दशकों तक अपनी मधुर आवाज़ से भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उन्होंने कहा कि उनका संगीत हमेशा अमर रहेगा और वह संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेंगी।

पीएम मोदी का शोक संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाज़ों में से एक थीं, जिनकी संगीत यात्रा ने दशकों तक भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया।

पीएम मोदी ने कहा कि उनके भावपूर्ण गीतों और जीवंत संगीत ने दुनिया भर में लाखों दिलों को छुआ। उन्होंने आशा जी के साथ हुई अपनी मुलाकातों को हमेशा यादगार बताया और कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

>14

बीजेपी ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया

16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

इससे पहल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है।

महिला आरक्षण बिल:

चुनाव के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर जयराम रमेश बोले- ये आचार संहिता का उल्लंघन

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र को शेयर किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद के विशेष सत्र पर अपनी बात रखी है। यह सत्र अगले हफ्ते, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी अभियान के बीच बुलाया जा रहा है, जो कि आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने (खरगे ने) विपक्ष के इस अनुरोध को दोहराया है कि सर्वदलीय बैठक 29 अप्रैल के बाद ही किसी भी समय बुलाई जाए।

कांग्रेस के 20 विधायक दिल्ली गए

हाईकमान से मुलाकात का है प्लान, कर्नाटक में सब ठीक है?

बेंगलुरु, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का एक ग्रुप सिद्धारमैया कैबिनेट में पद पाने की इच्छा से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। इन विधायकों ने अपनी विधानसभा सीटों पर दो से अधिक बार चुनाव जीता है। उनकी योजना एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने की है। इस ग्रुप में नई दिल्ली में कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि एमटीबी जयचंद्र, अशोक पट्टन, विधायक पुट्टा रंगा शेट्टी, शांताना गौदार और बेलुरु गोपालकृष्णन भी शामिल हैं।

हाईकमान से मुलाकात की योजना

दरअसल कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के 20 से अधिक वरिष्ठ विधायक दिल्ली में पार्टी के हाईकमान से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच चल रहे नेतृत्व संघर्ष के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण हो गया है। कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए तीन साल पूरे हो चुके हैं, और तीन से पांच बार निर्वाचित हो चुके वरिष्ठ विधायक एक अवसर की तलाश में हैं। उन्होंने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष अपनी मांगें रखने का फैसला किया है। >14

होर्मुज हमारे कंट्रोल में : ईरान

यहां से गुजरना है तो टोल दो; ट्रम्प ने कल इस रास्ते से माइंस हटाने का दावा किया था

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर बयानबाजी तेज हो गई है। ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा है कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।

इससे पहले कल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया था कि अमेरिका इस रास्ते में बिछी बारूदी माइंस हटा रहा है। उन्होंने कहा था कि यह समुद्री रास्ता जल्द ही खुल जाएगा। अमेरिकी सेना ने भी दावा किया था कि उनके जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं।

हालांकि कुछ देर बाद ही ईरान ने अमेरिका के इन दावों को गलत बताया था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई सैन्य जहाज यहां से गुजरने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

बीएसएफ जवान की हत्या के बाद तलाशी अभियान जारी

इंफाल, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए अपना संयुक्त तलाशी अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने जिले में अवैध रूप से बनाए गए 21 बंकरों को भी नष्ट कर दिया।

इंफाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कांस्टेबल मिथुन मंडल की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध उग्रवादियों का पता लगाने के लिए उखरुल और आसपास के जिलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

शुक्रवार को जब वह अन्य बीएसएफ जवानों के साथ हिंसा प्रभावित जिले में 'रोड ओपनिंग पार्टी' (आरओपी) की ड्यूटी पर थे, तभी उन पर हमला किया गया था। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद बीएसएफ कांस्टेबल का पार्थिव शरीर शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित उनके पैतृक घर भेज दिया गया।

हिंदू समाज में एकता की कमी : भागवत

वे अपने पैतृक गांव कंडाकुर्थी में बोल रहे थे

निजामाबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी।

भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

भागवत की स्पीच की चार बातें

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं।

हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था।

जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

चीन ने अरुणाचल के हिस्से को दिया था मनगढ़ंत नाम

अब भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन द्वारा स्थानों को मनगढ़ंत नाम दिए जाने के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि भारत, चीन द्वारा भारत की भूमि का हिस्सा बनने वाले स्थानों को मनगढ़ंत नाम देने के किसी भी शरारती प्रयास को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। चीन द्वारा झूठे दावे करने और निराधार कथाएं गढ़ने के ऐसे प्रयास इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकते कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये स्थान और क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। चीन की ये कार्रवाइयां भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के चल रहे प्रयासों को बाधित करती हैं।

'देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर'

ममता ने लगाया आरोप बोलीं- 2026 में गिर जाएगी मोदी सरकार

कोलकाता , 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया।

पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा, भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा, मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है।

भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है। वित्त वर्ष 26 में भारत में रिकॉर्ड 1.43 लाख पेटेंट फाइल किए गए हैं और इसमें पिछले साल की तुलना में 30.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर किया पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह वृद्धि आत्मविश्वासी और तेजी से विकसित हो रहे भारत को दर्शाती है जो वैश्विक इनोवेशन के पावरहाउस के रूप में लगातार उभर रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल पेटेंट आवेदनों में से 69 प्रतिशत से अधिक घरेलू थे।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है! वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट आवेदनों की संख्या ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

आंकड़ों के अनुसार, भारत में वित्त वर्ष 2026 में 1,43,729 पेटेंट आवेदन दर्ज किए गए, जो वित्त वर्ष 2025 के 1,10,375 आवेदनों से अधिक हैं। घरेलू आवेदनों की संख्या 98,771 रही, जो पिछले वर्ष के 68,201 आवेदनों से काफी अधिक है। राज्यों में, तमिलनाडु 22,995 पेटेंट आवेदनों के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र का स्थान था।

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास निकायों के बढ़ते योगदान का जिक्र किया। कहा कि अकेले शैक्षणिक संस्थानों का कुल पेटेंट आवेदनों में 36.5 प्रतिशत हिस्सा था, जो इनोवेशन को बढ़ावा देने में शिक्षा जगत के मजबूत प्रयासों को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि हम विश्व में छठे सबसे बड़े पेटेंट आवेदक हैं, जो ग्लोबल इनोवेशन पावरहाउस बनने के लिए तैयार भारत के आत्मविश्वास को दर्शाता है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के आंकड़ों के अनुसार, इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति में भी सुधार हुआ है और अब यह विश्व में छठे सबसे बड़े पेटेंट आवेदक के रूप में रैंक करता है।

पेटेंट आवेदनों में लगातार आठवें वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है, जो देश के बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर गति को दिखाता है। पिछले पांच वर्षों में, भारत में पेटेंट दाखिल करने के मामलों में 146 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2021 में 58,503 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 1,43,729 हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में टोरनाडो के बाद भूकंप के झटके

धरती की सतह से 10 किलोमीटर नीचे था केंद्र

जम्मू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के डोडा में रविवार (12 अप्रैल) की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता बहुत ज्यादा नहीं थी। इस वजह से किसी को भी भारी नुकसान नहीं हुआ। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप के झटके सुबह 4 बजकर 22 मिनट पर महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.6 मैग्नीट्यूड आंकी गई। 10 मिनट बाद यहां दूसरा भूकंप भी आया, जिसकी तीव्रता 3 मैग्नीट्यूड आंकी गई। भूकंप का केंद्र जम्मू कश्मीर के कटरा से 92 किलोमीटर दूर था।

इससे पहले शनिवार को शाम के समय एक टोरनाडो देखकर अखनूर के लोग हैरान रह गए थे। इसके कुछ घंटे बाद ही भूकंप के झटकों ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है।

आरएसएस और भाजपा की विचारधारा

संविधान को कमजोर करना चाहती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन की शुरुआत की। इस मैराथन का आयोजन कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब डॉ। भीमराव अंबेडकर के संविधान और उनकी सोच के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि आज हम बीआर अंबेडकर को याद कर रहे हैं। उनका संदेश ही संविधान का संदेश था और यही संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा से जुड़े कुछ लोग अंबेडकर की सोच और भारतीय संविधान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य संविधान को कमजोर करना है

क्योंकि वे नहीं चाहते कि देश के सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार मिले। यह विचारधारा समानता के खिलाफ है और संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य संविधान को बचाना, उसे और मजबूत बनाना और देश के हर कोने तक उसकी सोच और सुरक्षा पहुंचाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के हर हिस्से में संविधान की भावना को फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस मैराथन का आयोजन किया गया ताकि खासकर युवा पीढ़ी संविधान के महत्व को समझे और उसे मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाए।

इसे लेकर कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया। पोस्ट में लिखा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन को हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरूआत की। इस मैराथन का लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान और उनकी सोच के प्रति युवाओं को जागरूक करना है।

दिलीप घोष का ममता सरकार पर निशाना

कहा- जो लोग 15 साल में कुछ नहीं कर पाए, वे अब क्या कर लेंगे

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग 15 साल में कुछ नहीं कर पाए, वे अब क्या कर लेंगे। खड़गपुर में आईएएनएस से बातचीत के दौरान दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल की चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अब भी चुनाव आयोग की मदद नहीं कर रही है। खड़गपुर में कई पुलिस अधिकारी ऐसे हैं जो मतदाताओं को डराकर टीएमसी के पक्ष में वोट डालने के लिए दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही यह आशंका थी कि चुनाव में बम, बंदूक और पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा। दिलीप घोष ने दावा किया कि यही डर अब हकीकत में बदलता दिख रहा है, जिससे निष्पक्ष चुनाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भी राज्य सरकार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा था।

अमित शाह ने कहा कि बंगाल में अवैध रूप से रहने वाले लोगों को अगर कोई बाहर कर सकता है, तो वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी अवैध लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें राज्य से बाहर किया जाएगा। रैली के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता में लाने पर सिंडिकेट चलाने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ममता बनर्जी की तुलना 'हीरक की रानी' से करते हुए कहा कि इस 'रानी' को 23 तारीख को हटाना जरूरी है।

बिलासपुर में हड़कंप

झंडूता के खेतों में मिला हवाई जहाज के आकार का संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा

बिलासपुर , 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर जिला के उपमंडल झंडूता की ग्राम पंचायत बलोह के गांव बलोह में शनिवार सुबह खेतों में एक संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा देखा गया। गुब्बारे पर पाकिस्तान एयरलाइन लिखा गया था। स्थानीय निवासी राजकुमार ने बताया कि सुबह के समय खेतों में काम कर रहे लोगों की नजर इस गुब्बारे पर पड़ी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस थाना तलाई को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और गुब्बारे को कब्जे में ले लिया। स्थानीय निवासी बलोह राजेश गौतम ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि है कि इसकी जांच करवाई जाए।

अब आईटी के कॉल सेंटर के जरिए हो रहा है अवैध धर्मांतरण

हिंदूवादी नेता प्रवीण तोगड़िया का बड़ा बयान

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जालना में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने अवैध धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले अवैध धर्मांतरण तलवार के दम पर किया जाता था, लेकिन अब यह काम आईटी के कॉल सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अवैध धर्मांतरण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि आरोपी जेल से बाहर न निकल सकें।

उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि जो काम कभी औरंगजेब के दौर में होता था, अब वही काम आईटी के कॉल सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। नाशिक की एक बड़ी आईटी कंपनी में कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों पर हिंदू युवक-युवतियों को बहला-फुसलाकर, ब्रेनवॉश कर और लालच या डर दिखाकर उनका अवैध धर्मांतरण कराने की कोशिश का आरोप सामने आया है। इस मामले में नाशिक पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत के बाद गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस विषय पर तोगड़िया ने अपनी प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने कहा, 'अवैध धर्मांतरण करने वालों की ठुकाई करो, उन्हें ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि वो जेल से बाहर न आ सकें।' तोगड़िया ने स्वास्थ्य अभियान को लेकर बताया कि देश में करीब 40 करोड़ लोग ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, 'जहां हनुमान चालीसा का पाठ होगा, वहां ब्लड प्रेशर और शुगर की मुफ्त जांच की जाएगी। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को जालना के निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज भी दिया जाएगा।'

47.20 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले 3 शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो फर्जी ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को झांसा देकर लाखों रुपये ठग रहा था। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने मिलकर एक व्यक्ति से करीब 47।20 लाख की ठगी की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लोगों को शेयर मार्केट, आईपीओ और इक्विटी में निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देते थे। एक पीड़ित भी इसी झांसे में आ गया और धीरे-धीरे बड़ी रकम निवेश कर बैठा, जो बाद में ठगी निकली। जांच में पता चला कि ठगी की रकम अलग-अलग बैंक खातों के जरिए घुमाई जाती थी। ऑरेंज हर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड नाम के एक खाते में ही 3 लाख ट्रांसफर किए गए थे। यह खाता 12 अलग-अलग साइबर ठगी मामलों से जुड़ा हुआ निकला, जिससे साफ हो गया कि इसका इस्तेमाल ठगी के पैसे को आगे भेजने के लिए किया जा रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

माता वैष्णो देवी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

एक दिन में 47 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

कटड़ा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए 7.30 बजे तक 47 हजार श्रद्धालुओं के पंजीकरण के बाद यात्रा पंजीकरण काउंटर अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसे रविवार तड़के चार बजे पुनः खोल दिया गया। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए श्राइन बोर्ड प्रशासन ने यह कदम उठाया, ताकि यात्रा व्यवस्था सुचारु बनी रहे। जानकारी के अनुसार दिनभर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचे और पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हुए। अचानक बढ़ी भीड़ के चलते प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए काउंटर बंद करने का निर्णय लिया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रात के दौरान कटड़ा पहुंचने वाले श्रद्धालु यहीं रुकें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। वर्तमान में भी करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। भारी भीड़ के कारण कटड़ा में होटल, धर्मशालाओं और अन्य ठहरने के स्थानों पर भी दबाव बढ़ गया है।

चुनाव से पहले 43 टीएमसी नेताओं को एनआईए का नोटिस

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक्शन से माहौल गरमा गया है। नंदीग्राम से जुड़े मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं को नोटिस जारी किया गया है। एनआईए ने टीएमसी के 43 नेताओं को तलब किया है। इन नेताओं को 17 अप्रैल को एनआईए मुख्यालय दिल्ली में पेश होने के लिए कहा गया है। मामला करीब डेढ़ साल पुराने हिंसा और बमबारी से जुड़ा है। दिसंबर-2024 में नंदीग्राम में सहकारी समिति चुनाव के दौरान हुई बड़े स्तर पर हिंसा हुई, जिसकी जांच एनआईए कर रही है। नंदीग्राम ब्लॉक-1 के कंचन नगर दिदारुद्दीन विद्याभवन मतदान केंद्र पर भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच विवाद बम विस्फोट में बदल गया था। इस मामले में 43 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी, जिसकी जांच अब एनआईए को सौंपी गई है।

तमलुक संगठनिक जिले के प्रमुख टीएमसी नेता शेख सूफियान, अबु ताहेर और शंकु नायक सहित कई प्रभावशाली स्थानीय नेता इस सूची में शामिल हैं। इस कार्रवाई ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल पैदा कर रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही बयानबाजी भी तेज हो गई है। तमलुक के जिला टीएमसी अध्यक्ष सुजीत रॉय ने नोटिस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नोटिस का अध्ययन किया जा रहा है, इसके बाद पार्टी उचित जवाब देगी।

3 जुलाई से 28 अगस्त तक होगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा की शुरुआत इस साल तीन जुलाई से होगी। वहीं, 28 अगस्त को यात्रा का आखिरी दिन होगा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक के ब्रांच में जाकर श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होगा। इस यात्रा में शामिल होने के लिए कम से कम 13 साल उम्र जरूरी है। 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को भी इस यात्रा में शामिल नहीं किया जाएगा।

मनोज सिन्हा ने कहा कि दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 57 दिन बाद 28 अगस्त को संपन्न होगी। उपराज्यपाल ने लोक भवन में संवाददाताओं को बताया कि 13 से 70 वर्ष की आयु के श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे और पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। यात्रा की तिथियों पर निर्णय मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की बैठक में लिया गया। सिन्हा ने कहा, अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगी। इस बार यात्रा की अवधि पिछले वर्षों की तुलना में कुछ अधिक करीब 57 दिन होगी।

मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा और यह 15 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए न्यूनतम आयु 13 वर्ष और अधिकतम आयु 70 वर्ष निर्धारित की गई है। सिन्हा ने कहा, "देशभर में करीब 556 नामित बैंक शाखाओं के माध्यम से अग्रिम पंजीकरण कराया जा सकेगा, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।" जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने बताया कि यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक अपनी शाखाओं के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा प्रदान करेंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा दो मार्गों से संचालित होगी।

स्कूल में परीक्षा दे रहे थे छात्र तभी मधुमक्खियों ने कर दिया हमला 9 साल के मासूम की मौत

आगर मालवा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले से एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने हर किसी की रूह कंपा दी है। सोयत कला कस्बे में शुक्रवार को एक निजी स्कूल के परिसर में मासूम बच्चों पर मधुमक्खियों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया। इस दर्दनाक हादसे में चौथी कक्षा के 9 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से ज्यादा बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। जानकारी के मुताबिक, यह घटना सोयत कला स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल की है। सुबह छात्र कक्षा में बैठकर अपनी परीक्षा दे रहे थे। तभी अचानक मधुमक्खियों का एक बड़ा झुंड स्कूल परिसर में घुस आया और बच्चों को अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया। इस अचानक हुए हमले से स्कूल में अफरा-तफरी मच गई।

अपनी जान बचाने के लिए नन्हे-मुन्ने बच्चे क्लासरूम से बाहर निकलकर इधर-उधर भागने लगे, लेकिन आक्रामक मधुमक्खियों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। इस हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। वहीं, स्थानीय लोगों और आक्रोशित अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इंदौर में पुराने पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में आग'

इंदौर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के रीगल स्थित रानी सराय परिसर में रविवार सुबह आग लगने से हड़कंप मच गया। लोगों ने बिजली के तारों से निकली चिंगारी के कारण झाड़ियों में आग लगते देख फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। छोटी ग्वालटोली थाने के पास स्थित पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में अचानक झाड़ियों में आग भड़क उठी। बताया जा रहा है कि ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी के चलते केबल और आसपास की सूखी झाड़ियों ने आग पकड़ ली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझा दी गई।

ड्रग्स और तस्करी नेटवर्क पर शिकंजा

लाहू गुज्जर का खास सहयोगी गिरफ्तार, करीबी फारूक अली एसओजी के हत्थे चढ़ा

जम्मू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। कुख्यात नशा और मवेशी तस्कर लाहू गुज्जर के बड़े सिंडिकेट पर जम्मू पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। गुज्जर की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने उसके एक करीबी रिश्तेदार फारूक अली को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई गुज्जर से पूछताछ के बाद की गई है। जानकारी के अनुसार एसओजी की एक विशेष टीम ने पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर बिश्नाह के पंडोरियां क्षेत्र के काला पुल इलाके में दबिश दी। इस गुप्त कार्रवाई के दौरान टीम ने फारूक अली को पकड़ लिया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि फारूक सिर्फ एक रिश्तेदार ही नहीं है, बल्कि वह लाहू गुज्जर के नशे और मवेशी तस्करी के पूरे कारोबार को जमीन पर उतारने वाला मुख्य संचालक भी है। लाहू के भूमिगत होने पर नेटवर्क को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी भी उसी की होती थी। एसओजी उसे हिरासत में लेकर अब सख्ती से पूछताछ करेगी, जिससे कई राज खुलने की उम्मीद है। पुलिस लाहू गुज्जर की निशानदेही पर लगातार उसके ठिकाने पर दबिश दे रही है। बता दें कि लाहू गुज्जर पहले ही पुलिस की गिरफ्त में है और इस समय सात दिन की पुलिस रिमांड पर चल रहा है।

राजनीति में उलटफेर का दावा

रोहित पवार बोले- सहयोगियों को ही निशाना बनाएगी बड़ी सत्ताधारी पार्टी

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने रविवार को महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी विधायकों को तोड़ने की खबरों के बीच, सत्ताधारी महायुति गठबंधन की एक बड़ी पार्टी अपने ही सहयोगियों में सेंध लगा सकती है। रोहित पवार का इशारा भाजपा की तरफ था। उन्होंने दावा किया कि उनके पास पुख्ता जानकारी है कि अगले महीने के अंत तक सत्ता में बैठी एक बड़ी पार्टी अपने ही गठबंधन के भीतर दलबदल करा सकती है। रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा अभी अपने सहयोगियों के प्रति गहरी दोस्ती दिखा रही है, लेकिन जल्द ही स्थिति बदल सकती है। उन्होंने छोटे दलों को सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा कह रही है कि वह अपने दोस्तों को कभी नहीं छोड़ेगी, लेकिन कल उसके सहयोगियों को लग सकता है कि उनके साथ धोखा हुआ है। इसलिए सहयोगियों के लिए सतर्क रहना ही समझदारी होगी।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और सुनेत्रा पवार की एनसीपी शामिल हैं। पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि शिवसेना ने 'ऑपरेशन टाइगर' शुरू किया है। इसके तहत उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं को तोड़ने की कोशिश की बात कही जा रही थी। हालांकि, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इन खबरों को आधारहीन बताया था। रोहित पवार का कहना है कि असलियत इससे अलग है और निशाना विपक्ष नहीं बल्कि अपने ही साथी हैं। रोहित पवार ने हाल ही में हुए खरात मामले पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह विवाद अचानक नहीं हुआ बल्कि जानबूझकर रचा गया था ताकि राज्य की बदनामी हो। उन्होंने इसे सिर्फ एक शुरुआत बताया। नासिक के स्वयंभू ज्योतिषी अशोक खरात को हाल ही में गिरफ्तार किया गया है।

कॉन्स्टेबल ने वकील को घर में घुसकर पीटा: बच्चों का विवाद था

जबलपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। जबलपुर में मामूली विवाद पर वकील और कॉन्स्टेबल के बीच जमकर मारपीट हुई। हंगामा होता देख आसपास के लोग बाहर आए और मामला शांत कराया। सूचना मिलते ही वकील के साथी मौके पर पहुंचे। बाद में सिविल लाइन थाने पहुंचकर कॉन्स्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इधर, कॉन्स्टेबल ने भी वकील पर मारपीट का आरोप लगाया। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी थाने पहुंचे और जांच शुरू की। मामला सिविल लाइन स्थित समीक्षा टाउन का है, जहां शनिवार रात बच्चों के विवाद पर बड़े आमने-सामने आ गए। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिला कोर्ट में वकालत करने वाले पंकज कुमार शर्मा का कहना है कि शनिवार शाम कैंपस में बच्चे खेल रहे थे।

इसी दौरान उनकी किसी बात पर लड़ाई हो गई। बच्चों की आवाज सुनकर पंकज और मदनमहल थाने में पदस्थ पुलिस आरक्षक साकेत तिवारी बाहर आए। इसके बाद दोनों के बीच हाथापाई हुई। वकील का आरोप है कि पुलिस आरक्षक साकेत तिवारी ने मामूली बात पर उनके साथ मारपीट की। साकेत पड़ोस में प्रकाश सराठे के घर किराए से रहते हैं।

तमिलनाडु चुनाव के जोरदार माहौल के बीच विजय ने रद की कई रैलियां

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। करीब 8 दिन बाद प्रचार के शोर थम जाएगा। इसी बीच टीवीके ने कई ऐसे कार्यक्रम रद कर दिए हैं, जहां विजय को सीधे मतदाताओं से जुड़ना था। 15 मार्च को चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद से, विजय ने चुनाव आयोग से अनुमति मिलने के बावजूद प्रचार के कई कार्यक्रम रद कर दिए हैं। पार्टी ने इन अचानक रद किए गए कार्यक्रमों के पीछे के स्पष्ट कारणों का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है।

विजय इस चुनाव में चर्चा का एक मुख्य विषय हैं, उन्होंने 30 मार्च को अपना नामांकन दाखिल किया। जिसके बाद उन्होंने पेरम्बूर में प्रचार किया, जहां से वे चुनाव लड़ रहे हैं और फिर कोलाथुर में प्रचार किया। विल्लीवाक्कम में होने वाला एक कार्यक्रम रद कर दिया गया, जिसके लिए टीवीके ने पुलिस की ओर से सुरक्षा चूक का हवाला दिया। इसके बाद विजय ने 2 अप्रैल को तिरुचिरापल्ली पूर्व में प्रचार किया, जो एक और सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

6 अप्रैल को टी नगर और विल्लीवाक्कम में होने वाले रोड शो को भी रद कर दिया गया, जिसके लिए पार्टी ने समय की कमी का हवाला दिया। 8 अप्रैल को विजय ने तिरुनेलवेली और थूथुकुडी में एक रोड शो किया लेकिन 9 अप्रैल को कुड्डालोर में होने वाला कार्यक्रम रद कर किया। विजय ने 11 अप्रैल को कुड्डालोर और 13 अप्रैल को तिरुवल्लूर में होने वाली बैठक भी रद कर दी। विजय के कई रैलियों में शामिल ने होने के फैसले पर विरोधी पार्टियों, जिनमें सत्ताधारी डीएमके भी शामिल है,

उसने तीखे तंज कसे हैं। डीएमके ने कहा कि विजय घर बैठ ही अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे, उदयनिधि स्टालिन ने भी तंज कसते हुए कहा है कि जहां कुछ नेता जमीन पर उतरकर लोगों से जुड़ने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं,

डेंटल स्टूडेंट की मौत कैसे हुई? मरने से पहले दोस्तों को मैसेज भेजकर फैकल्टी पर लगाए थे ये आरोप

कन्नूर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर डेंटल कॉलेज के फर्स्ट ईयर के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने कॉलेज के कुछ फैकल्टी मेंबर के खिलाफ जांच शुरू की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। छात्र के माता-पिता और मित्रों ने फैकल्टीज पर भावनात्मक उत्पीड़न के आरोप लगाया था, जिसके बाद चक्करक्कल पुलिस ने जांच शुरू की है। अभी तक पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है।

छात्र की पहचान तिरुवनंतपुरम निवासी नितिन राज आर।एल। (22) के रूप में हुई है जो यहां अंजराकांडी स्थित कॉलेज में बीडीएस फर्स्ट ईयर का छात्र था। पुलिस के अनुसार, 10 अप्रैल की दोपहर राज इमारत से गिरने के बाद मेडिकल कॉलेज ब्लॉक के पास गंभीर रूप से घायल हालत में मिला था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने एक आंतरिक जांच शुरू की और शनिवार को 'डेंटल एनाटॉमी' विभाग के प्रमुख एम। के। राम और एसोसिएट प्रोफेसर के। टी। संगीता नाम्बियार को निलंबित कर दिया।

सुविचार: किसी को गलत समझने से पहले एक बार उसके हालात समझने की कोशिश जरुर कर ले!

इंटरमीडिएट परिणाम घोषित

सामान्य स्ट्रीम में 4 प्रतिशत की वृद्धि, कुल उत्तीर्णता 75.61 प्रतिशत

मेडचल 77.02 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च स्थान पर

महबूबाबाद का प्रदर्शन 48.1 प्रतिशत के साथ सबसे कम

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षाओं 2026 के परिणाम रविवार को घोषित किए गए, जिनमें इस वर्ष कुल 75.61 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में चार प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। दूसरे वर्ष की सामान्य परीक्षा में 4,11,474 नियमित परीक्षार्थियों में से 3,11,112 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिससे उत्तीर्णता दर 75.61 प्रतिशत रही। बालिकाओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बालकों की तुलना में 12.79 प्रतिशत अधिक सफलता दर्ज की। दूसरे वर्ष में 2,12,930 बालिकाओं ने 81.78 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की, जबकि 1,98,544 बालकों का उत्तीर्णता प्रतिशत 68.99 रहा। सामान्य और व्यावसायिक दोनों धाराओं को मिलाकर कुल 5,07,948

विद्यार्थियों का समग्र उत्तीर्णता प्रतिशत 70.58 रहा। परिणामों की घोषणा सरकार के सलाहकार (जनसंपर्क) के. केशव राव तथा शिक्षा विभाग की सचिव योगिता राणा ने की। परिणाम https://tgbie.cgg.gov.in तथा http://results.cgg.gov.in पर उपलब्ध हैं। इस वर्ष 2,33,299 विद्यार्थियों ने 'ए' ग्रेड (75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक) प्राप्त किए। इसके अलावा 79,957 विद्यार्थियों ने 'बी' ग्रेड (60 से 75 प्रतिशत), 23,318 विद्यार्थियों ने 'सी' ग्रेड (50 से 60 प्रतिशत) तथा 5,452 विद्यार्थियों ने 'डी' ग्रेड (35 से 50 प्रतिशत) प्राप्त किया। प्रथम वर्ष की परीक्षाओं में 4,41,863 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 66.94 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसमें भी बालिकाओं ने 74.43 प्रतिशत सफलता के साथ बालकों (59.21 प्रतिशत) से बेहतर प्रदर्शन किया। जिलावार प्रदर्शन में मेडचल जिले ने 77.02 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, जबकि महबूबाबाद जिले का प्रदर्शन 48.1 प्रतिशत के साथ सबसे कम रहा। दूसरे वर्ष में जयशंकर भूपालपल्ली जिले ने 81.95 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च तथा सिरसिला जिले ने 55.68 प्रतिशत के साथ न्यूनतम प्रदर्शन दर्ज किया। पुनर्मूल्यांकन एवं पुनः सत्यापन के लिए प्रति उत्तर पुस्तिका 100 रुपये तथा स्कैन कॉपी एवं पुनः सत्यापन के लिए 800 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

आवेदन 13 से 20 अप्रैल तक वेबसाइट के माध्यम से किए जा सकते हैं। शिक्षा विभाग की सचिव योगिता राणा ने बताया कि पूरक परीक्षाएं एक माह के भीतर आयोजित की जाएंगी तथा इनमें उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी डिग्री पाठ्यक्रम में नियमित विद्यार्थियों के समान ही माने जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बीसी कल्याण कॉलेजों के विद्यार्थियों के उत्तीर्णता प्रतिशत में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा बालिकाओं का प्रदर्शन विशेष रूप से बेहतर रहा है। इस वर्ष से सभी विद्यार्थियों के लिए मध्याह्न भोजन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। पूरक परीक्षाएं 13 मई से शुरू होंगी तथा प्रयोगात्मक परीक्षाएं 22 मई से आयोजित की जाएंगी।

महिला आरक्षण विधेयक को सभी दलों का समर्थन जरूरी: बंड़ी संजय

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंड़ी संजय ने कहा है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की बात करने वाले सभी राजनीतिक दलों को संसद में महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी दल इस विधेयक का विरोध करेंगे, उन्हें महिलाएं उचित जवाब देंगी। उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में महिलाओं को राजनीतिक आरक्षण देना दशकों पुराना सपना रहा है और महिला आरक्षण विधेयक के माध्यम से 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम है।

बंडी संजय ने सभी दलों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर इस विधेयक का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा, "महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या में वृद्धि होगी और इसके परिणामस्वरूप तेलंगाना विधानसभा में लगभग 60 महिलाओं को अवसर मिलने की संभावना है।"

बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए समिति गठित होगी: भट्टी

विद्युत कर्मचारियों की जेएसी ने ज्ञापन सौंपकर कई मांगें रखीं

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा है कि बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित की जाएगी। रविवार को हैदराबाद स्थित प्रजा भवन में विद्युत कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। बैठक के दौरान जेएसी नेताओं ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के निजीकरण को लेकर फैल रही अटकलों पर चिंता व्यक्त की। इस पर उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में डिस्कॉम का निजीकरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने नेताओं से इस आश्वासन को व्यापक रूप से प्रचारित करने और भ्रामक प्रचार का कड़ा प्रतिवाद करने की अपील की। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि सरकार ऊर्जा क्षेत्र को दीर्घकालिक

रूप से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति और अधिकारियों दोनों की जिम्मेदारी है कि वे बिजली क्षेत्र को सशक्त बनाने में योगदान दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि 1912 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए ताकि बिजली सेवाएं अधिक प्रभावी और जनहितकारी बन सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे प्रत्येक माह एक घंटे कर्मचारियों के यूनियनों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करें। विद्युत कर्मचारियों की जेएसी ने एक ज्ञापन सौंपकर कई मांगें रखीं, जिनमें तीसरे डिस्कॉम की स्थापना, कर्मचारियों का समायोजन, 2026 पीआरसी का कार्यान्वयन, 2004 तक भर्ती कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की बहाली, नियमित पदोन्नति, नई भर्तियां तथा कारीगरों से संबंधित मुद्दों का समाधान शामिल है।

इंटर सप्लीमेंट्री परीक्षा 13 मई से, शेड्यूल जारी

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने इंटरमीडिएट पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार परीक्षाएं 13 मई से शुरू होंगी। छात्र 13 से 20 अप्रैल के बीच अपने जूनियर कॉलेजों में परीक्षा शुल्क जमा कर सकते हैं। पहले दिन 13 मई को प्रथम वर्ष के छात्रों की परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि द्वितीय वर्ष के छात्रों की परीक्षा उसी दिन दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। मुख्य परीक्षाएं 19 मई तक चलेंगी और सभी परीक्षाएं 21 मई को समाप्त होंगी। बोर्ड ने प्रैक्टिकल परीक्षाओं का कार्यक्रम भी घोषित किया है, जो 22 से 25 मई तक दो सत्रों में होंगी। इसके बाद 26 मई को अंग्रेजी प्रैक्टिकल और नैतिकता व मानव मूल्य की परीक्षा होगी, जबकि 28 मई को पर्यावरण शिक्षा की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

पूर्व मंत्री ने विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल को दिया समर्थन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने रविवार को थोर्रूर में विद्युत विभाग कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे रिले अनशन में भाग लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। यह आंदोलन विद्युत यूनियन के बैनर तले थोर्रूर डिपो के सामने स्थित बिजली कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें कारीगरों, 'अनमैन्ड' कर्मचारियों और श्रमिकों की समस्याओं के समाधान की मांग की जा रही है। इस अवसर पर एर्राबेल्ली दयाकर राव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के शासनकाल में विद्युत कर्मचारियों के लिए जी.ओ. संख्या 11 लागू किया गया था, जिसके तहत उन्हें कारीगर के रूप में मान्यता देकर नियमित वेतन प्रदान किया गया और उनके परिवारों को सुरक्षा मिली। उन्होंने कहा कि ठेका प्रणाली समाप्त कर केसीआर ने विद्युत कर्मचारियों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के सहयोग से ही केसीआर सरकार ने राज्य में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे किसानों की स्थिति मजबूत हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की समस्याओं को केसीआर, के.टी. रामाराव और हरीश राव के संज्ञान में लाकर सरकार पर समाधान के लिए दबाव बनाया जाएगा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर कारीगरों का वर्गीकरण, एपीएसईबी सेवा नियमों का कार्यान्वयन, अनमैन्ड कर्मचारियों को कारीगर श्रेणी में शामिल करना तथा आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारियों को कारीगर का दर्जा देना शामिल है।

ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान में 286 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 286 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए लोगों में 251 दोपहिया चालक, 9 तिपहिया चालक और 26 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। इनमें से 10 लोगों के खून में अल्कोहल की मात्रा काफी अधिक, 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाई गई। वहीं, स्थानीय अदालत ने पिछले सप्ताह पकड़े गए 30 लोगों को जेल की सजा सुनाई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 773994F, Sub, Hony Lt, Kavali Appala Raju, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, Changed my Father's name from Nooka Raju to Kavali Nukaraju vide Affidavit No.466332 dt. 10.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 773994F, Sub Hony Lt, Kavali Appala Raju, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Satya Vathi to Kavali Satyavati vide Affidavit No.466330 dt. 10.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 77893L, Sub, Udai Raj Tripathi, R/o, Dist: Prayagraj, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Shraya Tripathi to Shreya Tripathi vide Affidavit No. 466336 dt. 10.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court , Telangana.

I, No. 14671461 F. NK. Panchal Sanjay Kumar, R/o, Dist: Sabarkantha, Gujarat, changed my Mother's name from Tulshi Ben to Panchal Tulasiben Kantilal vide Affidavit No. 466339 dt. 10.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14652060N, Hav, Nilesh Kumar, R/o, Dist: Jehanabad, Bihar, changed my Father's name from Surendra Prasad to Surendra Nath Sharma vide Affidavit No. 466340 dt. 10.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बीसी गुरुकुल शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी गुरुकुल शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इस वर्ष इन संस्थानों के विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत उत्तीर्णता दर हासिल कर राज्य के औसत लगभग 70.60 प्रतिशत से कहीं बेहतर परिणाम दर्ज किया। वरिष्ठ इंटरमीडिएट में 90 प्रतिशत तथा कनिष्ठ इंटरमीडिएट में 86 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि वरिष्ठ स्तर पर 33 और कनिष्ठ स्तर पर 9 महाविद्यालयों ने शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया। पिछले वर्ष की तुलना में वरिष्ठ इंटरमीडिएट में 7 प्रतिशत और कनिष्ठ इंटरमीडिएट में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वरिष्ठ इंटरमीडिएट में जैविक विज्ञान वर्ग में श्रेया ने 994 अंक प्राप्त कर राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बी. हिमानी और राठौड़ नंद ने 993-993 अंक प्राप्त किए। गणित वर्ग में बी. मधु और श्रीनिधि ने 994-994 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा वाणिज्य वर्ग की शीलता ने 981, एमईसी की जाह्नवी ने 983 तथा एचईसी की राजेश्वरी ने 980 अंक प्राप्त किए। शीर्ष 10 रैंकों में गणित वर्ग के 97 और जैविक विज्ञान वर्ग के 62 विद्यार्थी शामिल रहे। कनिष्ठ इंटरमीडिएट में गणित वर्ग के 16 विद्यार्थियों ने 468 अंक प्राप्त किए, जबकि जैविक विज्ञान वर्ग के 11 विद्यार्थियों ने 438 अंक अर्जित किए। समग्र रूप से वरिष्ठ इंटरमीडिएट में 12,211 विद्यार्थियों में से 11,028 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि कनिष्ठ इंटरमीडिएट में 14,974 में से 12,847 विद्यार्थी सफल रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर 'ए' श्रेणी तथा 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर 'बी' श्रेणी हासिल की। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगभग 98 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की। बीसी कल्याण विभाग के मंत्री पोनम प्रभाकर तथा संस्थान के सचिव बी. सैदुलु ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम संस्थानों में प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासित वातावरण का प्रमाण है।

मेंटेनेंस शुल्क पर 18% जीएसटी से आरडब्ल्यूए नाराज

फैसले वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अपार्टमेंट मेंटेनेंस शुल्क पर 18% जीएसटी लागू करने की घोषणा के बाद शहर के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन में नाराजगी बढ़ गई है। इस फैसले को लेकर कई आरडब्ल्यूए ने विरोध जताया है। यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए (यू-फरवास) से जुड़े 4,500 से अधिक संगठनों ने इस जीएसटी को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। आरडब्ल्यूए द्वारा फ्लैट मालिकों से सफाई, सुरक्षा, पानी, लिफ्ट और अन्य सुविधाओं के लिए हर महीने मेंटेनेंस शुल्क लिया जाता है, जो आमतौर पर 2,500 रुपये से शुरू होकर अधिक भी हो सकता है।

इंटर रिजल्ट में सीईसी स्ट्रीम का खराब प्रदर्शन, आधे से ज्यादा छात्र फेल

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) द्वारा घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणामों में सीईसी स्ट्रीम का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस स्ट्रीम में 50 प्रतिशत से अधिक छात्र फेल हो गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, द्वितीय वर्ष में 1,00,567 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से केवल 49,674 पास हुए। इस तरह पास प्रतिशत 49.39 रहा। वहीं प्रथम वर्ष में स्थिति और खराब रही, जहां 93,431 छात्रों में से करीब 55 प्रतिशत छात्र फेल हो गए। अन्य स्ट्रीम की बात करें तो एचईसी में भी प्रदर्शन कमजोर रहा। द्वितीय वर्ष में पास प्रतिशत 49.25 और प्रथम वर्ष में 34.34 प्रतिशत रहा।

वहीं एमपीसी और बीआईपीसी स्ट्रीम के छात्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा। एमपीसी में द्वितीय वर्ष का पास प्रतिशत 78.01 और प्रथम वर्ष का 75.51 रहा। बीआईपीसी में द्वितीय वर्ष का पास प्रतिशत 76.04 और प्रथम वर्ष का 72.39 प्रतिशत रहा।

एमईसी स्ट्रीम में द्वितीय वर्ष के 67.91 प्रतिशत और प्रथम वर्ष के 64.07 प्रतिशत छात्र पास हुए। जो छात्र इस बार परीक्षा में सफल नहीं हो सके, उनके लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा का मौका दिया गया है।

ये परीक्षाएं 13 मई से शुरू होंगी और छात्र 13 से 20 अप्रैल के बीच अपने कॉलेज में आवेदन कर सकते हैं।

कोयला मजदूर की बेटी ने इंटर में 995 अंक लाकर रचा इतिहास

मंचेरियल, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के श्रीरामपुर की रहने वाली रेनका वैष्णवी ने इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1000 में से 995 अंक हासिल किए और पूरे तेलंगाना में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वैष्णवी एक कोयला खनिक चंद्रमौली की बेटी हैं, जो आरके-5 भूमिगत खदान में काम करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद वैष्णवी ने अपनी मेहनत से

यह बड़ी उपलब्धि हासिल की और जिले का नाम रोशन किया। जानकारी के अनुसार, राज्य में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र को 996 अंक मिले, जबकि वैष्णवी सिर्फ एक अंक से पीछे रहीं। वह पूर्व आदिलाबाद जिले में भी टॉपर बनी हैं। वैष्णवी का सपना डॉक्टर बनना है। उन्होंने बताया कि वह नीट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कार्मेल कॉन्वेंट हाई स्कूल से की, जहां कक्षा 10 में भी उन्होंने शानदार अंक हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने अल्फोरेस जूनियर कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उनकी इस सफलता पर परिवार, दोस्तों और स्थानीय लोगों ने खुशी जताई और उन्हें बधाई दी।

लोक गायिका मंगली ने व्यक्ति पर लगाया वसूली और बदसलूकी का आरोप

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लोक गायिका मंगली (सत्यवती मुदावथ) ने पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में सिंगापोगु सुब्बू नाम के व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस व्यक्ति ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया और 10 लाख रुपये की मांग की। शिकायत के अनुसार, 22 मार्च को मंगली एक वकील के कार्यालय गई थीं, जहां सिंगापोगु सुब्बू तीन अन्य लोगों के साथ मौजूद था। मंगली का आरोप है कि उसने खुद को झूठा वकील बताया और उनसे बदसलूकी की। मंगली ने यह भी कहा कि आरोपी ने उनसे 10 लाख रुपये की मांग की और कहा कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से उनके कुछ वीडियो हटवा देगा। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी और उसके साथियों ने गाली-गलौज की और बदनाम करने की धमकी दी। गायिका ने पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, दो दिन पहले सिंगापोगु सुब्बू की शिकायत पर इसी थाने में मंगली के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर 10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है।

गूगल मैप पर 'जेम्स बॉन्ड स्ट्रीट'

जमीन पर कोई निशान नहीं

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बेगमपेट और सोमजीगुडा के पास एक अजीब मामला सामने आया है, जहां एक गली गूगल मैप्स पर 'जेम्स बॉन्ड स्ट्रीट' के नाम से दिखती है, लेकिन असल में वहां इस नाम का कोई निशान नहीं है। बताया जा रहा है कि यह गली बीएस मख्था इलाके में स्थित है और नक्शे में इसका नाम मशहूर काल्पनिक जासूस जेम्स बांड के नाम पर दर्ज है। हालांकि, इलाके में रहने वाले लोगों को इस नाम की कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कभी 'जेम्स बॉन्ड स्ट्रीट' का नाम नहीं सुना। यहां तक कि कई पीढ़ियों से रहने वाले लोगों के लिए भी यह नाम पूरी तरह नया है।

हैरानी की बात यह है कि इस सड़क का नाम किसी भी आधिकारिक रिकॉर्ड या ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन की सूची में दर्ज नहीं है। मौके पर भी न कोई साइनबोर्ड है और न ही कहीं नाम लिखा हुआ है। कुछ लोग इसे गूगल मैप पर की गई मजाकिया या गलत एंट्री मान रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि यह कोई पुराना अनौपचारिक नाम हो सकता है जो डिजिटल रूप में दर्ज हो गया। यह गली अब एक रहस्य बन गई है–ऑनलाइन मौजूद, लेकिन जमीन पर गुमनाम।

NOTICE

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए समन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

अज अदालत सहायक कलेक्टर, पाली (राज.), मुदई-गमनाराम, मदायलाह-चैनाराम वगैरा।

दावा अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम बंटवाड़ा एवं स्थाई निषेधाज्ञा

राजस्व मूल वाद सं. 58/2025

जतित जैन पुत्र रमेश कुमार जैन, जाति जैन, निवासी पता फ्लैट नं.303, श्री साई रेजीडेन्सी, गयादीन बाग कॉलोनी, नालागुटा, सिकंदराबाद, हैदराबाद आन्ध्रप्रदेश.

वादी ने आपके विरुद्ध एक वाद बाबत बंटवाड़ा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायलय में तारीख 21.4.26 दिन से 10 बजे दावा का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायलय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश हो गये और जो इस वाद में सम्बधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है पेश करे, जिन पर आपका प्रतिरक्षा मय मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह अपने कब्जे या शक्ति मे है पचा न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते तो आप ऐसे दस्तावेजो की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायलय मे उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा।

आज तारीख 10.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से - रीडर

(मुद्रा) उप जिला कलेक्टर पाली (राज.)

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Notice is hereby given to the general public that **Sri Teegala Pradeep Kumar** President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **MAHAJANA SENA PARTY** with location of its head office H.No:35-3-348, Gopalpur, Hanamkonda, Telangana - 506015 under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1).Sri Teegala Pradeep Kumar 2). Sri Teegala Sathish Kumar 3).Smt Teegala Kiranmai** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad – 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **MAHAJANA SENA PARTY** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Sd-
President
MAHAJANA SENA PARTY

Dated: 12.04.2026

पूर्व प्रधान हत्या का आरोपी राजेंद्र सोनकर गिरफ्तार

मीरजापुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व प्रधान की हत्या करने के बाद फरार हुए आरोपित राजेंद्र सोनकर पर एसपी अपर्णा रजत कौशिक की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी ने बताया कि आरोपित पर हत्या, जानलेवा हमला करने सहित कुल आधा दर्जन मुकदमें कटरा व विंध्याचल थाने में पंजीकृत हैं। मुठभेड़ में गिरफ्तार पूर्व प्रधान अधिवक्ता राजीव कुमार की हत्या का आरोपित राजेंद्र सोनकर ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि ग्राम प्रधानी के चुनाव में राजीव कुमार बाधक बन रहे थे।

इनके चलते मैं चुनाव नहीं जीत पाता। इसलिए रास्ते से हटाने के लिए उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पूर्व प्रधान की हुई हत्या के मामले में पूर्व में दर्ज मामले में कार्रवाई न होने को लेकर पुलिस अधीक्षक ने अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह को जांच का आदेश दिया था। नितेश कुमार ने जांच कर एक दारोगा व दो पुलिस कर्मियों को दोषी मानते हुए जांच रिपोर्ट देररात पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया।

लालू प्रसाद यादव ने

खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

पटना, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ याचिका पर 13 अप्रैल को सुनवाई करेगी। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस रविंदर डुडेजा ने लालू प्रसाद यादव की उस मांग को खारिज कर दिया था, जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में दर्ज एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने की मांग की गई थी। साथ ही कोर्ट ने इस मामले में दाखिल तीन चार्जशीट और निचली अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को भी बरकरार रखा था।

लैंड फॉर जॉब का मामला उस समय का बताया जाता है, जब लालू प्रसाद यादव रेल

मंत्री थे। साल 2004 से 2009 तक वह रेल मंत्री रहे थे।

आरोप है कि इस दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में की गई 'ग्रुप डी' नियुक्तियों में भ्रष्टाचार हुआ और ये नियुक्तियां कथित तौर पर उपहार स्वरूप दी गई या हस्तांतरित की गई भूमि के बदले की गईं।

हालांकि इस मामले में लालू यादव ने दलील दी थी कि इस मामले में जांच, एफआईआर, जांच की प्रक्रिया और बाद में दाखिल आरोपपत्र कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं हैं, क्योंकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 17ए के तहत पूर्व मंजूरी नहीं ली थी। यानी लालू यादव और उनके लोगों पर आरोप हैं कि जब लालू रेल मंत्री थे तो पद का गलत इस्तेमाल किया गया और रेलवे के 'ग्रुप-डी' के पदों पर नियुक्तियां की गईं।

इन नियुक्तियों के बदले उन्होंने लोगों से रियायती दरों पर गिफ्ट के तौर पर जमीनें हासिल की। अब इस मामले में लालू सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं तो देखना ये होगा कि देश की सर्वोच्च अदालत से लालू को राहत मिलती है या आरोप बरकरार रहते हैं।

छात्रा का गैंगरेप-मर्डर करने वालों का एनकउंटर

झांसी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झांसी में गैंगरेप के बाद नाबालिग छात्रा की हत्या करने वाले दो दरिंदों का पुलिस ने हाफ एनकाउंटर कर दिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। उनको इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। 2 अप्रैल को छात्रा घर से बिना बताए एक युवक को पैसे भेजने गई थी। वापस लौटते समय दोनों आरोपियों ने उसे अकेला देखकर अपने घर के अंदर खींच लिया। दोनों ने उसका रेप किया। तब छात्रा कहने लगी कि घर जाकर मां को सबकुछ बता दूंगी।

इससे डरकर दोनों ने उसका दुपट्टे से गला घोंट दिया और शव कुएं में फेंक दिया था। 7 अप्रैल को कुएं से लाश बरामद हुई थी। आरोपियों के पास से छात्रा का मोबाइल समेत 3 फोन, 2 तमंचा, कारतूस आदि बरामद हुए हैं। पूरा मामला उल्दन थाना क्षेत्र का है। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी जवाब में फायर किया। इनमें से दोनों बदमाशों के पैर में गोली जा लगी।

गणेश मंदिर में चोरी हेलमेट लगाकर 7 चांदी के मुकुट ले गए शातिर चोर

कानपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर के एक प्रसिद्ध गणेश मंदिर में चोरों ने भगवान के घर को भी नहीं बख्शा। शातिर चोरों ने मंदिर पर से चांदी के मुकुट चोरी कर लिए। जानकारी के मुताबिक, शातिर चोरों ने मंदिर में रखे 10 चांदी के मुकुट में से 7 मुकुट चुरा लिए। इसके बाद मंदिर परिसर और पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई। चोरी की पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें चोर चेहरे पर हेलमेट लगाए नजर आ रहे हैं। उनके साथ एक महिला भी दिखाई दे रही है।

घटना की सूचना मिलते ही एसीपी और हरवंश मोहाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। चोरी की खबर मिलते ही सपा विधायक अमिताभ बाजपेई भी मंदिर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मामले का जल्द से जल्द खुलासा करने और चोरों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

यमुना से मिले पंजाब के दो और श्रद्धालुओं के शव

मथुरा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। शुक्रवार को नौका विहार के दौरान वृंदावन में यमुना में पैंटून पुल का पीपा टकरा जाने से पंजाब के श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पलटने के मामले में लगातार पानी में डूबे लोगों की तलाश की जा रही है। शनिवार शाम तक 11 शवों को निकाला जा चुका था। रविवार सुबह दो अन्य श्रद्धालुओं के शव भी मिल गए। इनमें लुधियाना के जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा और लुधियाना के ही अर्बन एस्टेट डूगरी निवासी डिंकी बंसल शामिल हैं। अब मृतक संख्या बढ़कर 13 हो गई है। हादसे में डिंकी बंसल की मां मीनू बंसल की भी मृत्यु हो चुकी है। उनका शव शुक्रवार को ही निकाल लिया गया था।

पुलिस ने मोटरबोट चालक और पैंटून पुल ठेकेदार दोनों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। डीएम ने हादसे की जांच एडीएम वित्त डॉक्टर पंकज वर्मा को सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। डीएम सीपी सिंह का कहना है कि एडीएम पंकज वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के सभी दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। कोई बचेगा नहीं।

चंद्रशेखर आजाद की बढ़ेंगी मुश्किलें

एक्स गर्लफ्रेंड 'रोहिणी' ने थामा अखिलेश का हाथ 200 सभाओं का प्लान

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले यूपी में बड़ी हलचल होने वाली है। डॉ. रोहिणी घावरी, जो भीम आर्मी के अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की एक्स गर्लफ्रेंड बताई जाती हैं, अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रूप से उतरने वाली हैं। वे स्विट्जरलैंड में नौकरी करती हैं, लेकिन जल्द ही भारत लौटकर समाजवादी पार्टी के साथ काम करेंगी। उन्होंने हाल ही में एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में यह जानकारी दी। रोहिणी घावरी ने बताया कि 7 अप्रैल को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी फोन पर बात हुई थी।

सबसे पहले उन्होंने अखिलेश जी से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर आजाद के साथ गठबंधन करेंगे। अखिलेश यादव ने साफ जवाब दिया कि कभी नहीं। इसी वजह से रोहिणी सपा का साथ देने का फैसला कर चुकी हैं। उन्होंने 8 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, चलो बुलावा आया है, उत्तर प्रदेश से बड़े भैया ने बुलाया है। अगले महीने से शुरू होंगी 200 बैठकें। आप सब तैयार हो जाइए, नई ऊर्जा के साथ आपकी बहन आपके साथ होगी। रोहिणी घावरी जून महीने में स्विट्जरलैंड से भारत वापस आएंगी। उसके बाद वे पूरे उत्तर प्रदेश में करीब 200 छोटी-बड़ी सभाएं करेंगी।

इन सभाओं का मुख्य फोकस नॉन जाटव दलित समाज पर होगा, खासकर वाल्मीकि और पासी समुदाय को एकजुट करना। इसके बाद आगरा या लखनऊ में एक बड़ी रैली का आयोजन होगा, जिसमें अखिलेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोहिणी कहती हैं कि वे लखनऊ को केंद्र बनाकर पूरे यूपी में दलित समाज के लोगों तक पहुंचेंगी। रोहिणी घावरी लगातार चंद्रशेखर आजाद पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि चंद्रशेखर को वोट देना मतलब बीजेपी को वोट देना है। यह बात उत्तर प्रदेश के दलितों को समझाने आ रही हूं।

यह आदमी बीजेपी को जीताने के लिए दिन-रात काम कर रहा है, गुमराह ना हो। वे चंद्रशेखर की 'कथित दलित मूवमेंट' की सच्चाई जनता के सामने लाना चाहती हैं। रोहिणी का कहना है कि यूपी में दलितों की कुल आबादी करीब 20-21 प्रतिशत है। इसमें से लगभग 12 प्रतिशत जाटव और 10 प्रतिशत नॉन जाटव दलित हैं। नॉन जाटव दलितों में पासी समाज की आबादी सबसे ज्यादा (करीब 65 लाख) है, जबकि वाल्मीकि समाज में करीब 13.19 लाख लोग हैं। ये दोनों समुदाय सफाई कर्मचारी, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से काफी पिछड़े हुए हैं। दलित राजनीति के नाम पर सिर्फ जाटव समाज को फायदा मिला, जबकि बाकी उपजातियां हाशिए पर रहीं। रोहिणी घावरी अभी तीन दिन के लिए इटली जा रही हैं।

वहां अपने लोगों के साथ बैठक करके अपनी टीम बनाएंगी और आगे की प्लानिंग करेंगी। इटली के बाद वे पेरिस भी जाएंगी और कुछ लोगों से मुलाकात करेंगी। वे एक साल तक यूपी में सक्रिय रहेंगी। रोहिणी ने कहा कि वाल्मीकि और पासी समुदाय के कई नेताओं से उनकी बात हो चुकी है। वे सब उनके साथ जुड़ने को तैयार हैं।

तेंदुए ने 3 साल के मासूम पर किया हमला, माता-पिता ने जान पर खेलकर बचाई जान

मुरादाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मुरादाबाद में तेंदुए का खौफ लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला कांठ थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव का है। यहां करीब साढ़े पांच से 6 बजे के बीच गन्ने के खेत पर अपने माता-पिता के साथ गए 3 साल के मासूम हर्ष पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हालांकि, बच्चे के पिता ने अपनी जान की परवाह किए गए बगैर तेंदुए से भिड़कर अपने बच्चे की जान बचाई। बताया जा रहा है कि हर्ष अपने माता-पिता सुनील कुमार और विमलेश के साथ खेत पर काम करने गया था। खेत के पास पहले से घात लगाए बैठे तेंदुए ने मौका मिलते ही बच्चे पर हमला कर दिया।

बच्चे की चीख सुनते ही माता-पिता के होश उड़ गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। हाथ में मौजूद औजार से तेंदुए के मुंह पर वार किया और किसी तरह अपने बच्चे को उसके जबड़े से छुड़ा लिया। हालांकि तब तक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो चुका था। परिजन बच्चे को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया।

तलाक का जश्न: प्रणिता ने तोड़ी चुप्पी, पूर्व पति मेजर गौरव के आरोपों को बताया झूठा

मेरठ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। तलाक के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ घर वापसी कर चर्चा में आईं प्रणिता वशिष्ठ और उनके पिता रिटायर्ड जिला जज डॉ ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष रखा। प्रणिता ने पूर्व पति मेजर गौरव अग्निहोत्री द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार और अपमानजनक करार दिया। रिटायर्ड जज डॉ शर्मा ने स्पष्ट किया कि बेटी का गाजे-बाजे के साथ स्वागत केवल उसे मानसिक अवसाद (ट्रॉमा) से बाहर निकालने के लिए था। उन्होंने कहा कि हमने दूसरे पक्ष के बारे में कुछ भी नकारात्मक नहीं कहा लेकिन गौरव अग्निहोत्री ने इस खुशी से व्यथित होकर सोशल मीडिया पर प्रणिता के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जो महिला गरिमा पर हमला है। प्रणिता के परिवार ने साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए करोड़ों के लेन-देन के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार गौरव ने खुद शादी में सिर्फ 5 लाख खर्च होना स्वीकार किया था। प्रणिता ने समझौते के तहत कोई गुजारा भत्ता (एलमनी) नहीं लिया है। जिस जमीन का जिक्र है वह शाहजहांपुर के डूब क्षेत्र में है और उसकी कीमत मात्र 75 हजार रुपये है। प्रणिता ने आरोप लगाया कि ससुराल में उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की गई

सेना के जवान को सपा कार्यकर्ताओं ने सरेआम पीटा

पूजा पाल ने अखिलेश यादव पर बोला हमला

कौशांबी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा की पूर्व नेता और कौशांबी की चायल सीट से विधायक पूजा पाल ने समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव पर जुबानी हमला बोला है। इतना ही नहीं, पूजा पाल ने सपा कार्यकर्ताओं की कथित गुंडागर्दी को ल्यारी राज से भी जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि कौशांबी में समाजवादी पार्टी के गुंडों का शिकार मेरे पाल समाज की बेटी बनी है। सपा पोषित गुंडों ने पाल समाज की बेटी की घृणित घटना को अंजाम दिया।

यह निंदनीय है। यह बिल्कुल साफ है कि आरोपियों को समाजवादी पार्टी का शह मिली हुई है। पाल समाज की मासूम बिटिया का दोष बस इतना है कि वह अखिलेश यादव की जाति की नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे 2027 का चुनाव नजदीक आता जाएगा, वैसे-वैसे यह गिरोह ओबीसी समाज की जातियों पर हमला करेगा। आपराधिक कृत्य करेगा।

पूरे प्रदेश में सपा समर्थक अपराधियों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है। अभी हाल में ही विधानसभा 12 गांव लालापुर में मेरे पाल समाज की माताओं-बहनों के साथ घर में चढ़ करके मारपीट और उन्हें मारने का काम किया गया। यह भी जितना मैं निंदा कर सकूं, कम है। पूजा पाल बोलीं कि अभी बाराबंकी जिले में सेना के एक जवान को सपा कार्यकर्ताओं ने सरेआम पीट दिया। यही है सपा का ल्यारी राज।

चुनाव से पहले सपा के गुंडे पूरे प्रदेश में घूमकर लोगों को धमका रहे हैं, अपराध कर रहे हैं, ओबीसी समाज को प्रताड़ित कर रहे हैं, समाज के हर वर्ग को प्रताड़ित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने इस पूरे गैंग को छूट दे रखी है और उनका मौन समर्थन जारी है।

एसआई की पत्नी ने सर्विस पिस्टल से मारी गोली, मौत

मुंगेर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंगेर और जमालपुर के बीच स्थित सफियासराय थाना में तैनात एसआई चंदन कुमार की पत्नी मधु कुमारी (29) ने पति की सरकारी रिवॉल्वर से सीने में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मधु समस्तीपुर के विधान गांव के रंजीत कुमार की बेटी और हसनपुर से जदयू विधायक राजकुमार राय की भतीजी थी। वह अपने पति के साथ तीन महीने से जमालपुर में किराए के मकान में रहती थी।

एसआई चंदन बेतिया के रहने वाले हैं। चंदन और मधु की शादी पिछले 7 फरवरी 2025 को हुई थी। मधु बीपीएससी की प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करती थी। एसआई का कहना है कि घटना के समय वह बाथरूम में था। इसी बीच पत्नी ने सुसाइड कर लिया। वहीं मधु के घर वालों का कहना है कि, उनकी बेटी की हत्या की गई है।

शराबबंदी पर बड़ा दावा: 3 से 4 महीने में हटेगा कानून

पीके ने बताया कारण; बोले, 'वो' जिसे चाहेंगे वही बनेगा सीएम

पटना, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद शराबबंदी कानून एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई नेता इसपर सवाल खड़े कर चुके हैं। आरोप-प्रत्यारोप के बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत कशिोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में बन रहे आर्थिक हालात के चलते सरकार आने वाले 3-4 महीनों में शराबबंदी कानून हटाने को मजबूर हो सकती है। पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में गंभीर आर्थिक दबाव बन रहा है। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा, ठेकेदारों का भुगतान अटका है।

पंचायत योजनाओं के लिए फंड की कमी है उनका आरोप है कि बहुमत जुटाने में भारी खर्च के कारण राज्य का खजाना दबाव में है, जिसका असर अब दिख रहा है। आने वाला समय बेहतर नहीं होने वाला। पीके ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, वह अमित शाह के प्रभाव में काम करेगा। नीतियां बिहार नहीं, बल्कि गुजरात को ध्यान में रखकर बनाई जाएंगी उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की चाबी अमित शाह के हाथ में होगी। वे जिसे चाहेंगे वही सीएम बनेगा। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सरकार मुफ्त बिजली का दावा कर रही है, लेकिन दरें बढ़ाकर जनता पर बोझ डाल रही है। उनके मुताबिक, जनता को अपनी जेब से इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

पीके ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वे मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुके हैं। उन्हें केवल "चेहरा" बनाकर पेश किया जा रहा है। वास्तविक निर्णय लेने की शक्ति कहीं और केंद्रित है। प्रशांत किशोर ने कहा कि यह सरकार "खरीदे गए बहुमत" पर टिकी है।

पति बना दरिंदा, गर्भवती पत्नी के पेट पर मारी लात

2 गर्भस्थ शिशुओं की मौत

भदोही, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक पति ने 10 लाख रुपये दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर गर्भवती पत्नी के पेट पर लात मार दी। पति ने दो बार अपनी पत्नी के पेट पर लात मारकर दो गर्भस्थ शिशुओं की हत्या कर दी। इस आरोप में महिला के पति और उसकी सास समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया की इस मामले में आराधना शुक्ला (29) की तरफ से जनसुनवाई कार्यक्रम में दी गई शिकायत के आधार पर उसके पति अभिनेष शुक्ला, सास गीता देवी और जेठ प्रदीप शुक्ला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की सुसंगत धाराओं में जिले के गोपीगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। त्यागी ने बताया कि आरोप है

आराधना जब आठ माह की गर्भवती थी तभी उसके पति ने 10 लाख रुपये नहीं मिलने पर उसके पेट में कई बार लात मारी थी और उसकी हालत खराब देख उसे मायके भेज दिया था। उन्होंने बताया कि आराधना को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन उसके गर्भ में पल रहे आठ महीने के शिशु की पेट में मौत हो गई थी।

बिहार में सीएम के नाम पर सस्पेंस खत्म

जेडीयू समर्थकों ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत के लगाए पोस्टर

पटना, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार के राज्यसभा में शपथ लेने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए मुख्यमंत्री को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी से हो सकता है। इस बीच जनता दल युनाईटेड (जेडीयू) के समर्थक चाहते हैं कि सूबे की कमान निशांत कुमार संभालें। ऐसे में जेडीयू कार्यकर्ताओं द्वारा पटना में अगले मुख्यमंत्री के रूप में निशांत कुमार के नाम के पोस्टर, होडिंग लगा दिए गए हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए होडिंग में निशांत कुमार के फोटो पर 'नेक्सट सीएम ऑफ बिहार' लिखा हुआ नजर आ रहा है। साथ ही इसमें मांग की गई है कि निशांत कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री हों।

बिहार में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठ गई है। पार्टी कार्यकर्ता की तरफ से लगाए होडिंग में लिखा गया है कि बिहार में ना तो बुलडोजर बवाल, और ना ही 'दंगा-फसाद' चाहिए। हे लोकनाथ अब आपकी

परछाईं स्वरूप, युवा जनसेवक निशांते कुमार चाहिए। वहीं पोस्टर में यह भी लिखा है कि नीतीश कुमार का मिशन अधूरा । निशांत कुमार ही करेंगे पूरा। मिशन विकसित बिहार-2040। बता दें कि इस तरह के कई होडिंग पटना की सड़कों पर लगाए गए हैं। होडिंग के लगाए जाने के बाद सूबे की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। कार्यकर्ताओं द्वारा निशांत कुमार को सीएम बनाने के लिए समर्थक और कार्यकर्ता अपना पूर्ण समर्थन दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और संभवतः भाजपा के नेतृत्व वाली मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर चर्चा जारी है। इस बीच निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की यह मांग पोस्टर, नारों और सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से बार-बार उठाई जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर उनके समर्थन में नारे लगाए। जेडीयी नेता संजय झा ने नीतीश कुमार को लेकर बातचीत की है।

उन्होंने कहा कि जहां तक बिहार की बात है मैं स्पष्ट कर देता हूं कि जो 2025 से 30 के लिए हम लोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने के लिए गए थे। इसमें सबका सहयोग रहा। पांचों दलों समेत प्रधानमंत्री मोदी का लगातार दौरा हुआ। उन्होंने कहा कि अगली जो सरकार बनेगी वह नीतीश कुमार की जो नीति है, जो उनके विचार हैं, उनको जो काम है उसी को यह सरकार आगे बढ़ाएगी। उन्होंने आगे कहा कि नई सरकार को नीतीश कुमार का मार्गदर्शन और सहयोग हमेशा मिलता रहेगा। जहां भी सरकार को जरूरत होगी। इसलिए यह नहीं है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं हैं तो उनका काम वह बिहार में रहकर देखेंगे। जब संसद सत्र होगा तो वह उसके लिए दिल्ली जाएंगे। उनका लगाव बिहार से है।

एमबीबीएस छात्रा सहित तीन महिलाओं से ठगी

नोएडा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केप टाउन सोसायटी से साइबर ठगी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर दो बुजुर्ग महिलाओं और एक एमबीबीएस छात्रा को पूरे 6 दिनों तक अपने जाल में फंसा कर रखा और उनके लाखों रुपए की ठगी की। इस दौरान तीनों इतनी डरी-सहमी रहीं कि उन्होंने किसी से संपर्क तक नहीं किया। जानकारी के मुताबिक ठगों ने फोन कॉल के जरिए खुद को सरकारी एजेंसी और पुलिस अधिकारी बताकर महिलाओं को डराया। उन्हें कहा गया कि उनके खिलाफ गंभीर मामला दर्ज है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा गया है। इसके बाद लगातार फोन और वीडियो कॉल के जरिए उन पर नजर रखी गई, जिससे वह पूरी तरह मानसिक दबाव में आ गईं।

ठगों ने पहले पीड़ितों से एक लाख रुपये ठग लिए। इसके बाद उनसे दो लाख रुपये की मांग और की। इस दौरान ठग लगातार फोन पर संपर्क बनाए हुए थे और महिलाओं को किसी से बात न करने की धमकी दे रहे थे। मामले का खुलासा तब हुआ जब सोसायटी में रहने वाले पड़ोसियों ने देखा कि महिलाएं कई दिनों से फ्लैट से बाहर नहीं निकली हैं। इस पर उन्हें शक हुआ और उन्होंने तुरंत सोसायटी की एओए को सूचना दी।

पाकिस्तान में बेनतीजा रही ईरान-यूएस वार्ता पर खालिद रशीद फिरंगी का बयान

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर को लेकर 20 घंटे से भी ज्यादा समय तक बातचीत हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि इस्लामाबाद में 20 घंटे से ज्यादा चली बातचीत के बाद भी ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो पाया। इस वार्ता के विफल होने पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी ने मामले पर कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत किसी सकारात्मक नतीजे पर नहीं पहुंची और पूरी तरह विफल रही।

अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र और ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन) हस्तक्षेप करें और पूर्ण संवाद के माध्यम से इस मुद्दे को हल करें, क्योंकि वैश्विक शांति के लिए इस मुद्दे का समाधान अत्यंत आवश्यक है। अमेरिका द्वारा चीन को चेतावनी दी गई है कि अगर उसने ईरान को हथियार दिए तो वह बड़े अंजाम भुगतने के लिए तैयार हो जाएं। इस पर खालिद रशीद ने कहा कि अमेरिका चीन को भी धमकी दे रहा है? तो अब यह मामला और भी ज्यादा गंभीर होता जा रहा है।

बारिश के बाद अब आसमान से बरसेगी आग

इस गर्मी दिल्ली-यूपी,बिहार ही नहीं ये राज्य भी झुलसेंगे, कहां-कितना रहेगा तापमान?

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्च के पहले हफ्ते से लेकर अप्रैल के पहले हफ्ते तक, बारिश ने दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों की मौज कराने के साथ दर्द भी दिए हैं। बारिश जहां सुकून लेकर आई,गर्मी को दूर भगाया तो वहीं ओलों ने किसानों की सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। अब बारिश रुक गई है, तो गर्मी एक्टिव हो गई है। दिन का तापमान बढ़ने लगा है। चिलचिलाती धूप के साथ पसीने छुड़ाती गर्मी बता रही है कि मौसम ने क्या गजब पलटी मारी है। 13 अप्रैल से मौसम विभाग ने गर्मी के तेवर और बढ़ने वाले हैं। फिर वह चाहे दिल्ली हो, यूपी हो या राजस्थान, हर जगह पारा 40 को पार करने वाला है और वो भी तब जब अभी आधा अप्रैल बाकी है। बारिश से लगा था कि शायद अप्रैल में पंखे से ही काम चल जाएगा पर अब मौसम के इस रुख को देखते हुए शायद आपको भी ऐसी की रिपयेरिंग जल्द से जल्द करवानी पड़ेगी।

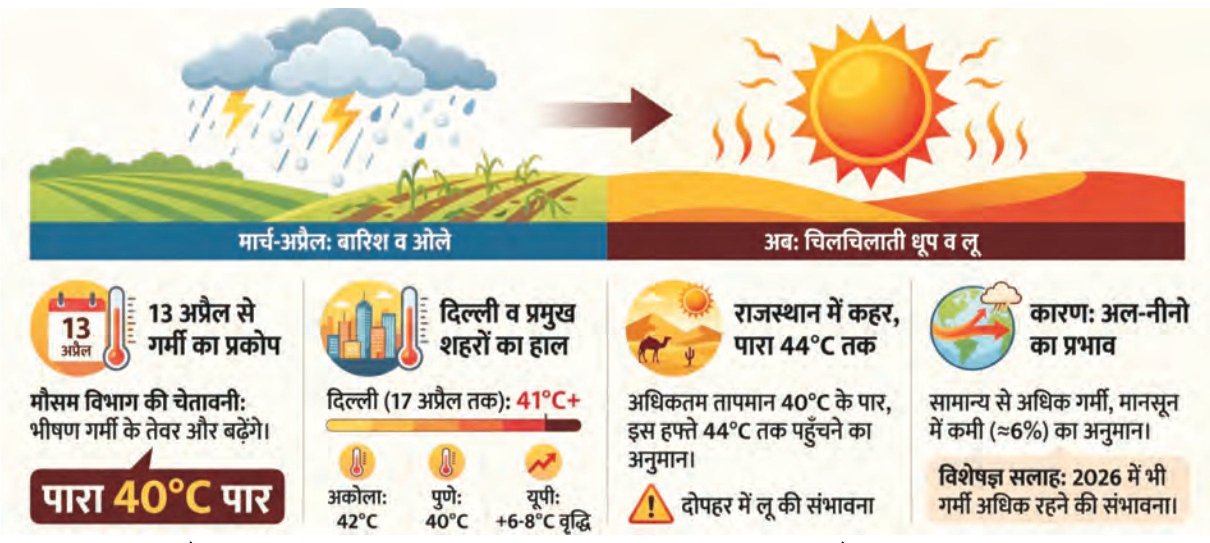

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। राजधानी दिल्ली की बात करें तो 13 अप्रैल से पारा चढ़ने वाला है। अभी तो अधिकतम तापमान 35 पर है पर 17 अप्रैल तक अधिकतम पारा 41 डिग्री के पार जाने वाला है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री पर है। आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है। सीधा मतलब है अब दोपहर में चुभती धूप लोगों को परेशान करने वाली है।

राजस्थान में भी गर्मी का पारा बढ़ने वाला है। बीते हफ्ते तक राजस्थान के खेत कश्मीर बन गए थे,ऊपर से बरसी आसमानी आफत यानी बारिश और ओलों ने पूरा खेत किसी सफेद चादर की तरह कर दिया था। अब आलम यह है कि अधिकतम पारा 40 के पार जाने लगा है। इस हफ्ते 44 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। कोटा और बाड़मेर में 39.6 डिग्री तापमान पहुंच गया है तो अगले 3 दिनों में 4 डिग्री तक पारा बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने किसानों के लिए सलाह भी जारी की है कि वे कटी हुई फसलों को सुरक्षित रखें। बारिश की कोई बड़ी संभावना नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतना उचित रहेगा। दोपहर में लू चलने की भी संभावना है जिससे लोगों को दिन में निकलने में भी समस्या होगी।

यूपी-महाराष्ट्र में भी आग बरसाएगी गर्मी

बेमौसम बारिश और ओलों ने यूपी के किसानों का बुरा हाल किया है। अब यहां भी मौसम ने यू टर्न लिया है और अब यहां भी पारा बढ़ने वाला है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि दर्ज की गई है, हालांकि अभी भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, बरेली, फिरोजाबाद, मैनपुरी, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और देवरिया सहित कई इलाकों में गर्मी बढ़ने वाली है। पूर्वानुमान के अनुसार, लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में दिन के समय आसमान साफ रहेगा और तेज हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान के 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

राज्य के अन्य प्रमुख शहरों जैसे प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर और आगरा में भी मौसम शुष्क रहा और कहीं वर्षा दर्ज नहीं की गई। मुख्य स्थानों में प्रयागराज और झांसी में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस, वाराणसी में 37.4 डिग्री सेल्सियस और बांदा में 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, बरेली (33.5), मुरादाबाद (33.2) और मुजफ्फरनगर (32.0 डिग्री सेल्सियस) में तापमान अपेक्षाकृत कम रहा। महाराष्ट्र का मौसम भी बदलने वाला है। अकोला में तापमान 42सेल्सियस पहुंच गया है, मुंबई सहित ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भी यही हाल है।

मुंबई में फिलहाल अधिकतम तापमान 36 डिग्री पर है,पुणे में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी महाराष्ट्र और उत्तर महाराष्ट्र के जिलों में भी शुष्क मौसम के साथ तापमान में 2 से 3 डिग्री की और बढ़ोतरी संभव है। बिहार और मध्य प्रदेश में भी गर्मी का टॉर्चर झेलना होगा, आने वाले दिनों में 4-6 डिग्री पारा बढ़ने वाला है।

बैसाखी मेले के लिए बठिंडा प्रशासन अलर्ट

डीसी और एसएसपी ने तलवंडी साबो में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तलवंडी साबो, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बैसाखी मेले के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। डिप्टी कमिश्नर बठिंडा राजेश धीमान और एसएसपी डा। ज्योति यादव बैंस ने तख्त श्री दमदमा साहिब गुरुद्वारा के प्रबंधकों के साथ बैठक कर मेले के दौरान व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सहायता के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) की 30 सदस्यीय टीम भी तैनात की गई है। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीने के पानी की 24 घंटे उपलब्धता और साफ-सफाई व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। मेले में आने वाले वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए शहर में छह स्थानों पर अस्थायी बस स्टैंड बनाए गए हैं।

चित्रकूट का गजब चोर, मुस्लिम साथी से करवाता मंदिरों में चोरी, इन दो दिनों में करता खास परहेज

चित्रकूट , 12 अप्रैल (एजेंसियां)। चित्रकूट से अपराध और अंधविश्वास का एक ऐसा अजब-गजब सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस भी दंग रह गई। यहां पकड़े गए एक शातिर चोर की आस्था और अपराध का तरीका किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसका सरगना खुद तो चोरी करता नहीं था। मगर चोरी के लिए उसने मुस्लिम युवक हायर किया था। दरअसल, इस सरगना का मानना था कि अगर वो मंदिर में चोरी करेगा तो उसे पाप लगेगा। गिरफ्तार किए गए गिरोह का सरगना विजय शुक्ला मूल रूप से चित्रकूट के राजापुर का रहने वाला है और एक पुराना हिस्ट्रीशीटर है।

पुलिस की पूछताछ में विजय ने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। विजय ने बताया कि उसे मंदिरों में चोरी करने से पाप लगने का डर सताता था। अपनी इस अजीबोगरीब धारणा के कारण उसने एक अनोखा रास्ता निकाला। वह खुद कभी मंदिर के भीतर चोरी करने नहीं जाता था, बल्कि इसके लिए उसने बाबरशाह नाम के एक मुस्लिम युवक को अपने साथ रखा था।

विजय शुक्ला का 'धार्मिक' ढोंग यहीं खत्म नहीं होता। वह मंगलवार और शनिवार को कोई भी वारदात नहीं करता था। इन दो दिनों में वह पूरी श्रद्धा के साथ अलग-अलग मंदिरों के दर्शन करता था। हालांकि, दर्शन के दौरान उसकी नजर भगवान की भक्ति पर नहीं, बल्कि उनके बहुमूल्य मुकुट, सोने-चांदी के छत्र, गदा और घंटों पर होती थी। वह इन दिनों में रैकी करता और चोरी का पूरा मास्टर प्लान तैयार करता था। एसपी अरुण कुमार सिंह के मुताबिक, विजय शुक्ला कोई मामूली चोर नहीं है। करीब 20 साल पहले उसने एक हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

जब उसकी हिस्ट्रीशीट खुली और पुलिस का दबाव बढ़ा, तो वह अपनी पहचान बदलकर आगरा में रहने लगा। लंबे समय बाद वह दोबारा चित्रकूट लौटा और मंदिरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बाद चित्रकूट पुलिस और सर्विलांस टीम सक्रिय हुई।

आरएमएल अस्पताल की बड़ी उपलब्धि, ब्रेन-डेड महिला के अंगदान से कई मरीजों को मिला नया जीवन

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवीआइएमएस) एवं डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ने अंगदान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 45 वर्षीय मस्तिष्क मृत (ब्रेन-डेड) महिला के लिवर, किडनी और दिल का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया। महिला की मस्तिष्क मृत्यु सेरेब्रल हैमरेज के कारण हुई थी, जिसके बाद परिजनों ने सहमति देकर अंगदान का निर्णय लिया।

महिला की किडनी आरएमएल अस्पताल के नेफ्रोलाजी विभाग के एंड-स्टेज किडनी रोगी को प्रत्यारोपित की गई। वहीं दिल को एयर एंबुलेंस के माध्यम से लखनऊ स्थित संजय गांधी पीजीआई भेजा गया, जहां कार्डियक फेल्योर से जूझ रहे मरीज को जीवनदान मिला। लिवर को दिल्ली कैंट स्थित आरआर अस्पताल (आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) तक पहुंचाने के लिए दिल्ली पुलिस ने ग्रीन कारिडोर तैयार किया।

जो पैसे नहीं देता, उसे मिलती बद्दुआ जबलपुर में चलती ट्रेनों में यात्रियों से वसूली करते थे किन्नर, आरपीएफ ने लिया एक्शन

जबलपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्रेनों में सफर के दौरान अगर कोई आपसे जबरन पैसे मांगे या डराए-धमकाए, तो सावधान हो जाइए। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर स्टेशन पर आरपीएफ ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो आशीर्वाद की आड़ में यात्रियों की जेबें ढीली कर रहा था। वलसाड-पुरी एक्सप्रेस में हंगामे की खबर मिलते ही आरपीएफ ने घेराबंदी कर तीन किन्नरों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को रेल यात्रियों के लिए सफर उस वक्त मुसीबत बन गया जब गाड़ी संख्या 22909 वलसाड पुरी एक्सप्रेस के जनरल कोच में कुछ लोग जबरन वसूली करने लगे। चश्मदीदों के मुताबिक, ये लोग यात्रियों से पैसे मांग रहे थे और मना करने पर उन्हें गंदी गालियां और बद्दुआएं दे रहे थे। यात्रियों ने इसकी शिकायत तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को दी। सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित की गई। उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, आरक्षक हरिकेश दुबे और टीम ने स्टेशन के आउटर पर जाल बिछाया। खाकी वर्दी को देखते ही कोच में हंगामा कर रहे संदिग्धों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ने सबको चौंका दिया है।

इस गिरोह के तार दक्षिण भारत से जुड़े हैं। 43 वर्षीय बी। नीलीमा जो मूल निवासी गुंटूर (आंध्र प्रदेश), काली और बबली इटारसी के नूरानी मस्जिद इलाके से अपना नेटवर्क संचालित कर रहे थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि इनकी बॉस रेशमा खान है, जिसके इशारे पर यह पूरा सिंडिकेट कटनी, जबलपुर और इटारसी के बीच ट्रेनों में आतंक मचाता था। यह गिरोह मुख्य रूप से जनरल और स्लीपर कोच को निशाना बनाता था। इनका तरीका बेहद शातिराना था। पहले प्यार से पैसे मांगना और मना करने पर यात्रियों के साथ बदसलूकी करना।

मुरैना से पकड़ाए प्रदीप शुक्ला के हैरी बॉक्सर से संपर्क थे

एमपी में शूटर्स हायर कर देता था 2 से 3 लाख रुपए; टारगेट तलाशने की भी जिम्मेदारी

भोपाल, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सक्रिय लॉरेंस विश्नोई गैंग के खास गुर्गे प्रदीप शुक्ला ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसे स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) भोपाल ने मुरैना से गिरफ्तार किया था। वह 17 अप्रैल तक एसटीएफ की रिमांड पर है। पूछताछ में उसने एमपी में सक्रिय हैरी बॉक्सर (लॉरेंस गैंग) को लेकर बताया कि हैरी बॉक्सर से सीधा संपर्क में था। उसके कहने पर प्रदेश में लॉरेंस गैंग के नेटवर्क का विस्तार कर रहा था। शूटरों को हायर करने की जिम्मेदारी उसे मिली थी। शूटरों को दो-तीन लाख रुपए तक हर काम के बदले दिए जाते थे। वारदात में इस्तेमाल हथियार भी वो ही मुहैया कराते थे।

शूटर्स से संपर्क रखने के लिए फर्जी सिम और अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जाता था। शूटरों को रकम भी ऑनलाइन ही दी जाती थी। आरोपी लंबे समय से पुलिस की नजर में था और अलग-अलग राज्यों में छिपकर गैंग के नेटवर्क को मजबूत कर रहा था। प्रदीप शुक्ला की गिरफ्तारी से मध्य प्रदेश में सक्रिय गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

'महायुति के मंत्री नहीं चाहते थे कि कोई महिला बने विभाग की प्रमुख'

आईएएस मनीषा पाटणकर म्हैसकर का आरोप

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनीषा पाटणकर म्हैसकर द्वारा लगाए गए आरोपों ने महाराष्ट्र के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में काफी हलचल मचा दी है। वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) के पद पर तैनात म्हैसकर ने दावा किया है कि वर्ष 2023 में, जब महायुति सरकार में विभागों और नियुक्तियों का बंटवारा हो रहा था, तब एक कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अपने विभाग के प्रमुख के रूप में किसी महिला अधिकारी को नहीं चाहते। म्हैसकर ने यह खुलासा दिल्ली में हो रहे महिला सिविल सेवकों के एक साहित्यिक सम्मेलन के लिए प्रकाशित स्मारिका में दिए गए इंटरव्यू में किया। उस समय एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार (शिवसेना, भाजपा और एनसीपी) सत्ता में थी। म्हैसकर ने कहा कि मेरे 33 वर्षों के करियर में ऐसा केवल एक बार हुआ। 2023 में सरकार बनने के बाद जब अधिकारियों की पोस्टिंग हो रही थी, तब एक नेता ने कहा कि वे नहीं चाहते कि कोई महिला अधिकारी उनके विभाग को चलाए और मुझे नजरअंदाज कर दिया गया। यह टिप्पणी इसलिए ज्यादा चर्चा में आई क्योंकि महायुति सरकार महिलाओं को बढ़ावा देने का दावा करती है।

सरकार ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना शुरू की है और महाराष्ट्र में पहली महिला मुख्य सचिव, बीएमसी कमिश्नर तथा पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति भी की है। महाराष्ट्र उनके साथ कुल मिलाकर बहुत निष्पक्ष रहा है और यह केवल एक अपवाद था। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में सामाजिक सुधारों की लंबी विरासत है। यह एक प्रगतिशील राज्य है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनता के लिए अधिकारी का लिंग कोई मायने नहीं रखता।" म्हैसकर ने आगे बताया कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और केवल उस एक घटना को ही ज्यादा उभारा गया। उन्होंने याद दिलाया कि महाराष्ट्र में महिला ब्यूरोक्रेट्स पहले भी गृह, वित्त, ऊर्जा और आवास जैसे महत्वपूर्ण विभागों की प्रमुख रह चुकी हैं।

खुद म्हैसकर लोक निर्माण विभाग, शहरी विकास, प्रोटोकॉल जैसे विभागों की प्रमुख रह चुकी हैं और बीएमसी में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर भी कार्य कर चुकी हैं। म्हैसकर ने कहा कि जब उन्होंने सेवा में प्रवेश किया था, उस समय की तुलना में आज आईएएस में महिलाओं की संख्या कहीं ज्यादा है। समानता के माहौल के कारण उन्हें शायद ही कभी लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि महिलाओं को अभी भी खुद को साबित करने की अधिक आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि उनकी परख पुरुष अधिकारियों की तुलना में कहीं सख्ती से की जाती है। अगर कोई पुरुष अधिकारी अक्षम होता है, तो उसकी आलोचना व्यक्तिगत स्तर पर की जाती है।

अमेरिका के सिएटल में स्वामी विवेकानंद की भव्य प्रतिमा स्थापित, शहर में भारतीय नायक की होगी पहली मूर्ति

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के सिएटल शहर के बीचों-बीच स्थित वेस्टलेक स्क्वायर में स्वामी विवेकानंद की लाइफ साइज (वास्तविक आकार) की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया है। यह पहली बार है जब अमेरिका में किसी शहर की सरकार ने स्वामी विवेकानंद की ऐसी प्रतिमा को आधिकारिक तौर पर स्थापित किया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर सिएटल की मेयर केटी विल्सन और भारत के महावाणिज्य दूत ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया। यह प्रतिमा अमेरिका में अपनी तरह की पहली स्थापना है, जिसे किसी सिटी गवर्नमेंट ने लगाया है।

इससे पहले स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाएं अलग-अलग संस्थाओं या समुदायों द्वारा लगाई जाती रही हैं, लेकिन इस बार यह काम सीधे शहर प्रशासन ने किया है। यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर में लगाई गई है, जो सिएटल शहर का एक बेहद प्रसिद्ध और व्यस्त इलाका है। यहां रोजाना करीब 4 लाख लोग आते हैं और हर महीने लाखों पर्यटक इस जगह पर पहुंचते हैं। यह स्थान अमेजन स्फीयर्स, सिएटल कन्वेंशन सेंटर और सिएटल सेंटर मोनोरेल के पास स्थित है,

ऑटो चालक की ईमानदारी: 2 लाख के जेवरों से भरा बैग लौटाया

ग्वालियर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र में ईमानदारी का एक सराहनीय मामला सामने आया है। एक ऑटो चालक ने सवारी का ऑटो में छूटा बैग वापस कर दिया, जिसमें सोने-चांदी के जेवर रखे थे। बैग मिलने पर मालिक ने राहत की सांस ली। वहीं थाना प्रभारी शक्ति सिंह ने ऑटो चालक की सराहना करते हुए उसे 500 रुपए का नगद इनाम भी दिया। खुरई बड़ा गांव निवासी देवेंद्र पवैया अपने परिवार के साथ नरवर जाने के लिए चंद्रबदनी नाका बस स्टैंड पहुंचे थे। बस पकड़ने की जल्दबाजी में वह अपना बैग ऑटो में ही भूल गए। कुछ देर बाद जब उन्हें बैग के गायब होने का एहसास हुआ तो वे परेशान हो गए और यात्रा छोड़कर ऑटो चालक की तलाश में जुट गए। देवेंद्र पवैया झांसी रोड थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें संबंधित ऑटो नजर आया। इसके आधार पर ऑटो का नंबर और चालक का मोबाइल नंबर मिल गया। पुलिस के फोन पर ऑटो चालक ने अपना नाम राजू बताया और कहा कि बैग उसकी ऑटो में ही छूट गया था। उसने बताया कि वह यात्रियों को ढूंढने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के बुलाने पर वह तुरंत बैग लेकर थाने पहुंच गया। थाने में बैग खोलकर देखा गया तो उसमें रखे सभी सामान सुरक्षित मिले।

हमले के पांच दिन बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर, दहशत में पीड़ित परिवार

अखनूर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अखनूर के गांव जड़ में एक युवक पर हुए हमले के पांच दिन बाद भी आरोपित पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है और पीड़ित की मां अपने बेटे के लिए इंसाफ की गुहार लगा रही है। स्वजन का आरोप है कि आरोपित लगातार धमकियां दे रहे हैं। ऐसे में परिवार पर खतरा बना हुआ है। हालांकि पुलिस ने हमले में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पांच दिन पहले युवक अपने भाई के साथ दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और पहले उससे गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर आरोपितों ने युवक पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। हमले के दौरान युवक ने खुद को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन एक आरोपित ने उसके गले पर वार कर दिया। जान बचाने के प्रयास में युवक अमरीक सिंह ने अपना हाथ आगे कर दिया, जिससे उसकी अंगुलिया कट गई। घायल अमरीक सिंह ने बताया कि हमलावर अधिक संख्या में अधिक थे। उन्होंने गोविंद राम, अर्जुन शर्मा, जोगविंदर सिंह, अश्वनी शर्मा, इंदरजीत सिंह, राजू शर्मा , राजवीर सिंह पप्पू और गोल्डी सिंह को पहचानने की बात कही है।

केरल में हादसे के बाद एंबुलेंस में घायल महिला से गंदी हरकत पीड़िता बोली- पुलिस ने न जांच की,न पूरा बयान लिखा

अलप्पुझा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के अलप्पुझा में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक एक्सीडेंट से घायल महिला के साथ एंबुलेंस में शारीरिक छेड़छाड़ हो गया। इस संबंध में कयामकुलम में एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़िता के अनुसार, वह अपने परिवार के साथ तड़के केपैक जंक्शन पर एक हादसे में घायल हो गई थी।हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने महिला के साथ अश्लील हरकत कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी कयामकुलम का रहने वाला एक व्यापारी है और मामले की जांच जारी है। निजी अस्पताल पहुंचने के बाद महिला ने इस घटना की जानकारी डॉक्टरों को दी, जिसके बाद डॉक्टरों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया।पीड़िता ने अब जांच में लापरवाही के आरोप भी लगाए हैं। उसका कहना है कि पुलिस ने अब तक उसका पूरा बयान दर्ज नहीं किया है और न ही कोई चिकित्सकीय जांच कराई गई है।

'टूटी नाव की हुई तूफान से टक्कर', पाकिस्तान में ईरान-अमेरिका की वार्ता पर बोले संजय राउत

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम के ऐलान के बाद पाकिस्तान में शांति वार्ता हुई लेकिन दोनों देशों में कोई बात नहीं बनी है। हालांकि दोनों देशों के प्रतिनिधि मिलकर शांति स्थापित करने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। इस बीच समझौते की अगुवाई पाकिस्तान द्वारा करने पर भारत में सियासत गरमा गई है। महाराष्ट्र शिवसेना नेता संजय राउत ने पार्टी के अखबार 'सामना' में निशाना साधा है। उन्होंने शायराना अंदाज में इस पर प्रतिक्रिया दी है। वसीम बरेलवी की एक शायरी संजय राउत ने लिखी, कोई टूटी सी कश्ती ही, बगावत पर उतर आए, तो कुछ दिन ये तूफां, सर उठाना भूल जाते हैं।

उन्होंने अपने लेख में लिखा कि वसीम बरेलवी का यह शेर ईरान-अमेरिका युद्धविराम के बाद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया पर साझा किया था, जो वर्तमान स्थिति में काफी सटीक है। संजय राउत ने लिखा कि खुद को वैश्विक महाशक्ति समझने वाले अमेरिका को ईरान जैसे एक सामान्य देश ने कैसे सबक सिखाया, यह पूरी दुनिया खुशी से देख रही है। ईरान का संघर्ष वहां की राष्ट्राभिमानी जनता का विद्रोह

था। जब ट्रंप ने एक ही रात में ईरान की सभ्यता और संस्कृति को नष्ट करने की धमकी दी, तब ईरान की लाखों जनता अपनी सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाकर सड़कों पर उतर आई। उन्होंने आगे कहा कि ईरान की डेढ़ करोड़ जनता बलिदान के लिए तैयार है, ऐसा उनके विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा और ट्रंप को 'शांति' वार्ता के लिए मेज पर घसीट लाए, लेकिन यह 'मेज' पाकिस्तान के इस्लामाबाद में है, जो दुनिया में आतंकवादियों का प्रमुख केंद्र है। संजय राउत ने पाकिस्तान में चल रही शांति वार्ता को लेकर कहा कि अमेरिका पर इतिहास का सबसे भयानक आतंकवादी हमला करने वाला 'लादेन' पाकिस्तान के आश्रय में था और अमेरिकी कमांडो ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था। भारत में आतंकवादी हमले करने वाले सभी मोहरे पाकिस्तान की शरण में हैं। वही पाकिस्तान अब ईरान-इजरायल और अमेरिका युद्ध में 'शांतिदूत' की भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने उसे शांतिदूत के रूप में मान्यता दे दी है। ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा है, लेकिन युद्धखोर ट्रंप को ऐसा 'शांति' पुरस्कार देना ये 'शांति' की अवधारणा का अपमान है।

क्या पता? शायद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके सेना प्रमुख जनरल मुनीर को एक साथ नोबेल शांति पुरस्कार दे दिया जाए! ऐसी हलचलें शुरू हो गई हैं। संजय राउत ने अपने लेख में कहा कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति एक भिखारी राष्ट्र जैसी है। पाकिस्तान चीन जैसे देशों से कर्ज लेकर जीने वाला देश है। अमेरिका के पास मदद के लिए कटोरा लेकर हमेशा खड़ा रहने वाला देश पाकिस्तान है। फिर यही पैसा सेना और आतंकवाद को पालने में खर्च किया जाता है।

भोपाल में लुटेरों का आतंक: स्कूटी सवार महिलाओं का खींचा पर्स, फिसलने से टूटे हाथ-पांव; मोबाइल व नकदी भी लूटी

भोपाल, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल में लुटेरों का इस कदर आतंक मचा हुआ है कि दिन और रात हर वक्त बेखौफ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। भोपाल के श्यामला हिल्स जैसे वीवीआईपी क्षेत्र में सीनियर डॉक्टर को दिन दहाड़े सड़क किनारे गिराकर लूट को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों का पुलिस पता भी नहीं लगा पाई कि रायसेन रोड पर शनिवार रात बेखौफ बदमाशों ने चलती स्कूटी से दो महिलाओं को गिराकर लूट लिया। बदमाशों ने स्कूटी से चल रही महिलाओं का झपट्टा मारकर पर्स खींच लिया, जिस कारण महिलाएं सड़क पर घिसट गईं। इस हादसे में महिलाओं के हाथ-पैर टूट गए और शरीर के अन्य अंगों में भी चोट आई। बदमाशों ने महिलाओं को सड़क पर गिराकर चोटिल किया और मोबाइल, नगदी व अन्य सामान लेट ले गए। लूट की सनसनीखेज वारदात रायसेन रोड पर बिजली कॉलोनी के पास की है। गोविंदपुरा पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चिट्टा तस्करी के मामले में बिजनौर का मुख्य सप्लायर सलमान हैदर गिरफ्तार

शिमला, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चिट्टा तस्करी के एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है। इस कार्रवाई के दौरान न केवल स्थानीय स्तर पर संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर 53.13 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया, बल्कि जांच के माध्यम से बैकवर्ड लिंकेज स्थापित करते हुए गिरोह के मुख्य सप्लायर तक पहुंच बनाकर उसे भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस थाना रोहड़ू को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि गुदड़ु मोहल्ला रोहड़ू स्थित पिन्कू राम पुत्र कर्म चंद की दुकान में कुछ युवक अवैध चिट्टा की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस दल उक्त स्थान पर पहुंचा और नियमानुसार स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में दुकान की तलाशी ली गई। उम्र 36 वर्ष और सुनील पुहारता निवासी गांव व डाकघर शरौंथा, तहसील टिक्कर, थाना रोहड़ू, जिला शिमला, उम्र 24 वर्ष के कब्जे से 53.13 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया।

पश्चिम एशिया में फिर छिड़ेगी जंग?

यूएस-ईरान शांति वार्ता बेनतीजा, अधर में युद्धविराम का भविष्य; कहां फंसा पेच

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान के बीच इस्लामाबाद में 21 घंटों तक चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। इस कूटनीतिक प्रयास के विफल होने के साथ ही पश्चिम एशिया में संकट गहराने की संभावना बढ़ गई है। शांति वार्ता असफल होने के बाद से अमेरिका-इस्राइल के एक बार फिर से आक्रामक रुख अपनाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। बैठक खत्म होने के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, "बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। मुझे लगता है कि यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं।

हमने इसे जितना हो सके उतना स्पष्ट कर दिया है, लेकिन ईरान ने हमारी शर्तों को स्वीकार नहीं किया है।" फार्स समाचार एजेंसी ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल के करीबी एक सूत्र के हवाले से बताया कि अमेरिका ने संघर्ष के दौरान जो

कुछ भी हासिल नहीं कर सका, वह सब कुछ मांगा। एजेंसी ने बताया कि ईरान ने कई मोर्चों पर अमेरिका की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। तेहरान ने कहा, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम पर रोक और कई अन्य मुद्दों पर अमेरिका की शर्तों को स्वीकार नहीं किया। अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी नतीजे पर खत्म होने की बड़ी वजह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का मुद्दा रहा। ईरान बैठक के दौरान होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की मांग पर डटा रहा, जबकि अमेरिका की ओर से इसे पूरी तरह से खोलने की मांग की गई। दूसरी वजह परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की ओर से रोक की मांग रही। ईरान ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। ईरान का स्पष्ट कहना रहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, लेकिन यूरेनियम संवर्धन को नहीं रोकेगा। वहीं, अमेरिका ने मांग की कि ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट किया जाए और यूरेनियम भंडार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को सौंपा जाए।

21 घंटों तक चली बातचीत के विफल होने के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने दोनों देशों का बातचीत की मेज पर आने के लिए धन्यवाद किया। इसी के साथ उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच युद्धविराम समझौता जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं, युद्धविराम की समयसीमा बढ़े और दोनों पक्ष युद्धविराम का पालन करें।

अब आगे क्या होगा?

शांति वार्ता असफल होने के बाद ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ अगले दौर की वार्ता की फिलहाल कोई योजना नहीं है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने एक जानकार सूत्र के हवाले से कहा है कि गेंद अमेरिका के पाले में है और ईरान को बातचीत करने की कोई जल्दी नहीं है। वहीं, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी है। इन स्थितियों के हिसाब से पश्चिम एशिया में एक बार फिर से संघर्ष छिड़ने के आसार नजर आने लगे हैं। इनका असर होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर खाड़ी देशों पर हमलों के रूप में सामने आ सकता है। वहीं, अगर दो हफ्तों के युद्धविराम के दौरान अमेरिका-ईरान थोड़ी नरमी अपनाते हैं, तो एक बार फिर से बातचीत की मेज पर आ सकते हैं।

हमीरपुर में चाय के बहाने दुकानदार से ठगी, थमाए 3,200 रुपये के नकली नोट

हमीरपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सदर थाना क्षेत्र के तहत लोहरड़ा बाईपास पर शातिरों ने एक बुजुर्ग दुकानदार को चाय के बहाने ठग लिया। 74 वर्षीय दुकानदार से दो युवकों ने नकली नोटों के जरिये करीब 3,200 रुपये की धोखाधड़ी कर दी। घटना ने क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार लोहरड़ा निवासी चुन्नी लाल की बाईपास पर दुकान है। शनिवार दोपहर दो अज्ञात युवक कार में सवार होकर उनकी दुकान पर पहुंचे।

उन्होंने पहले नमकीन के साथ चाय पी और सामान्य ग्राहक बनकर बातचीत शुरू की। इसी दौरान उन्होंने दुकानदार को बातों में उलझाते हुए कहा कि उनके पास 200-200 रुपये के नोट हैं और उन्हें 500 रुपये के नोट चाहिए। बुजुर्ग दुकानदार उनकी बातों में आ गया और बिना ज्यादा जांच-पड़ताल किए उन्हें 500 रुपये के 12 नोट, यानी कुल 6,000 रुपये दे दिए। इसके बदले में युवकों ने 200 रुपये के 30 नोट थमा दिए।

इजरायली हमलों में लेबनान के 18 लोगों की मौत

लेबनान, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी लेबनान में इजरायल के हमलों में कम से कम 18 लोग मारे गए हैं। लेबनान के अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने इजरायल और हिज़्बुल्लाह के बीच शुरू हुए युद्ध में मरने वालों की कुल संख्या 2,000 से अधिक हो गई है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दक्षिणी लेबनान के सिडोन के पास एक गांव पर इजरायली हमलों में कम से कम 8 लोग मारे गए और 9 अन्य घायल हो गए। इससे पहले बताया था कि नबातीह जिले में इजरायली हमलों में 3 आपातकालीन कर्मचारियों सहित कम से कम 10 लोग मारे गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 2 मार्च को लेबनान के ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध में शामिल होने के बाद से कम से कम 2,020 लोग मारे गए हैं और 6,436 अन्य घायल हुए हैं। हिज़्बुल्लाह ने ईरान के समर्थन में इजरायल पर रॉकेट दागे, जिससे इजरायल ने बड़े पैमाने पर हमले किए और जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई की। इस बीच इजरायली मीडिया ने बताया कि शनिवार को दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ झड़पों के दौरान दो इजरायली सैनिक घायल हो गए। इजरायल के चैनल 13 ने सेना के हवाले से बताया कि पैराट्रूपर्स ब्रिगेड के 2 सैनिक झड़प के दौरान छर्रों से मामूली रूप से घायल हो गए। यह हिंसा ऐसे समय में हुई है जब ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह ने युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से इजरायल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत को फिर से खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति जोसेफ औन के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि लेबनान, इजरायल और अमेरिका के अधिकारी अगले सप्ताह वॉशिंगटन में मिलेंगे। इस दौरान युद्धविराम की घोषणा और अमेरिकी देखरेख में लेबनान और इजरायल के बीच बातचीत शुरू करने की तारीख पर चर्चा की जाएगी। मिड बेरूत में सरकारी मुख्यालय के पास सैंकड़ों लोग हिज़्बुल्लाह के समर्थन में और इजरायल के साथ वार्ता के विरोध में जमा हुए। कुछ लोगों ने हिज़्बुल्लाह के पीले झंडे या ईरानी ध्वज लहराए। प्रदर्शनकारी रुकैया मशेइक ने कहा कि यह विरोध इस बात का संदेश है कि लेबनान इजरायल का नहीं होगा।

ग्रेनेड मामला: बब्बर खालसा का तीसरा आतंकी गिरफ्तार

जालंधर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पांच ग्रेनेड व एक किलो आरडीएक्स से भरी आईईडी के मामले में पंजाब पुलिस की खुफिया शाखा ने तीसरे आरोपी को जालंधर से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा जालंधर के मानकराय गांव में दबिश देकर मनवीर सिंह नाम के व्यक्ति को काबू कर लिया है। आरोपी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा है।

आरोपी गुरदासपुर की बख्शीवाला पुलिस पोस्ट और बटाला के किला लाल सिंह पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड हमलों में शामिल रहा है। इससे पहले पुलिस गुरदासपुर जिले के घुमान थाने के अधीन पड़ते गांव दोला नंगल निवासी आकाश मसीह और उसके साथी जबलोन को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों के कब्जे से पांच हैंड ग्रेनेड और एक किलो आरडीएक्स से भरी आईईडी बरामद की गई थी। पता चला है कि मनवीर सिंह भी उक्त दोनों आरोपियों की तरह पुर्तगाल में बैठे गुरदासपुर के मन्नु अगवान के इशारे पर पंजाब में आतंकी हमले करने की तैयारी में था।

खत्म हुआ लंबा राजनीतिक गतिरोध निजार अमेदी बने इराक के राष्ट्रपति

बगदाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इराकी संसद ने राजधानी बगदाद में एक अहम मतदान के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया है। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हल्बूसी ने रनऑफ मतदान में अमेदी को 227 वोट मिलने के बाद आधिकारिक विजेता घोषित किया। घोषणा के तुरंत बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण सत्र में 329 सदस्यों वाली संसद के करीब 250 सांसद मौजूद थे।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए कम से कम 220 सांसदों की मौजूदगी जरूरी थी, इसलिए यह संख्या तय कोरम से अधिक थी। टीवी पर दिखाए गए सत्र के अनुसार, पैट्रियॉटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के उम्मीदवार अमेदी को पहले दौर में 208 वोट मिले। उनके मुकाबले में खड़े कुर्दिस्तान इस्लामिक यूनियन के मुथन्ना अमीन को 17 और मौजूदा विदेश मंत्री फुआद हुसैन को 16 वोट मिले। पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया। अमेदी बगदाद में पीयूके के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हैं। वे 2022 से 2024 तक इराक के पर्यावरण मंत्री रहे हैं और पूर्व इराकी राष्ट्रपतियों के सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं।

इराकी संविधान के तहत नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के पास 15 दिनों के भीतर संसद के सबसे बड़े दल के नेता को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित करने का अधिकार होता है। इसके बाद नामित उम्मीदवार के पास 30 दिनों के भीतर नई कैबिनेट गठित करने और विश्वास मत प्राप्त करने का समय होता है। इराक में पिछले साल नवंबर में संसदीय चुनाव हुए थे। इस मतदान से लंबे समय से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के खत्म होने का संकेत मिला है।

'ईरान के खिलाफ नहीं खत्म हुआ अभियान, उसके पास अब भी 400 किलोग्राम यूरेनियम', नेतन्याहू की नई धमकी

यरूशलेम, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करने का दावा करते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें नेतन्याहू ने कहा, 'अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। इजराइल ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को नाकाम कर दिया है। नेतन्याहू ने हिब्रू भाषा में जारी वीडियो में कहा, 'ईरान के खिलाफ अभियान खत्म नहीं हुआ है, हमें अभी और काम करना है। लेकिन अब भी यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने यह अभियान इसलिए शुरू किया, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब था और प्रतिदिन सैकड़ों मिसाइलें बनाने की क्षमता रखता था। ये दो बड़े खतरे थे, जिन्हें हमें अपने सिर से हटाना था।' इसके साथ ही नेतन्याहू ने दावा किया, 'खामेनेई मिसाइल उत्पादन और परमाणु कार्यक्रम को जमीन के बहुत अंदर इस तरह छिपाना चाहता था ताकि बी-2 विमान भी वहां तक न पहुंच पाएं। हम चुपचाप खड़े नहीं रह सकते थे।'

हैती में भगदड़ से 30 लोगों की मौत, अचानक बारिश से बिगड़े हालात

हैती, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हैती के सिटाडेल लाफेरियेर किले में एक वार्षिक समारोह के दौरान भगदड़ मचने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना किले के एंट्री गेट के पास हुई। अधिकारियों के मुताबिक, ज्यादा भीड़ और अचानक हुई बारिश के कारण हालात बिगड़ गए। लोग एक साथ बाहर निकलने की कोशिश करने लगे, जिससे भगदड़ मच गई। यह किला 19वीं सदी की शुरुआत में बनाया गया था और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। हर साल यहां बड़ी संख्या में छात्र और पर्यटक आते हैं। हैती के कार्यवाहक प्रधानमंत्री एलिक्स डिडियर फिल्स-एमे ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि मौके पर कई युवा मौजूद थे। राहत और बचाव टीम मौके पर तैनात है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

शांति वार्ता फेल होने पर ट्रंप का बड़ा बयान

बोले-चीन ईरान को भेज रहा हथियार; बीजिंग को दी धमकी

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका शांति वार्ता फेल होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने चीन द्वारा ईरान को हथियार भेजे जाने की तैयारी पर जवाब देते हुए कहा कि अगर चीन ऐसा करता है तो यह उनके लिए बहुत बुरा होगा। ट्रंप ने अपने इस बयान से चीन को कड़ी चेतावनी दी है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, अगर चीन ऐसा करता है, तो उनको बड़ी मुश्किलें होंगी। बता दें कि ट्रंप का यह बयान उन खुफिया रिपोर्टों के जवाब में आया है, जिनमें दावा किया गया है कि चीन ईरान को हवाई रक्षा प्रणालियां भेजने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया सूत्रों ने बताया कि बीजिंग अगले कुछ हफ्तों में तेहरान को नए एयर डिफेंस सिस्टम सप्लाई करने वाला है। ट्रंप के इस बयान से साफ है कि अब चीन ने ईरान को भी यूक्रेन बनाने की तैयारी कर ली है।

यानी अमेरिका को लंबे युद्ध में फंसाने की तैयारी, ठीक उसी तरह, जैसे कि अमेरिका ने रूस के खिलाफ यूक्रेन में किया। अमेरिका रूस से जंग लड़ने के लिए यूक्रेन को हथियारों की खेप भेजता रहा, जिससे यह युद्ध 4 साल से भी अधिक समय से जारी है। अब चीन ने वही चाल ईरान में चल दी है। इससे आशंका है कि ईरान और अमेरिका युद्ध भी लंबे समय तक यानी कई वर्षों तक जारी रह सकता है। अगर ऐसा हुआ तो यह सिर्फ ईरान और अमेरिका लिए ही नहीं, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट समेत दुनिया के अन्य देशों के लिए भी बहुत बुरा सपना साबित होगा।

इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता 21 घंटे तक चली, लेकिन वह बेनतीजा रही। इसकी प्रमुख वजह यह थी कि अमेरिका और ईरान में से कोई भी अपनी शर्तों पर झुकने को तैयार नहीं हुआ। ईरान की मांग थी कि अमेरिका उसकी जब्त संपत्तियों को रिलीज करे और लेबनान को भी युद्ध विराम समझौते में शामिल किया जाए। जबकि अमेरिका की शर्त थी कि ईरान अपना परमाणु हथियार बनाने का कार्यक्रम बंद करे। मगर ईरान ने कहा कि वह परमाणु हथियार बनाना नहीं छोड़ेगा और यूरेनियम का संवर्धन जारी रखेगा।

इसके बाद दोनों पक्षों में शांति वार्ता फेल गई। इससे भड़के हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिका रवाना हो गए।

अजूबा या भ्रष्टाचार?

हंगरी में खेत के बीच बना 1.5 मिलियन डॉलर का गोलचक्कर, लोग बोले- ये कहीं से कहीं नहीं जाता

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी हंगरी के जालेगेर्सजेग में यूरोपीय संघ के 500 मिलियन फोरिंट (लगभग 1.5 मिलियन डॉलर) की लागत से एक ऐसा गोलचक्कर बनाया गया है, जो कहीं से कहीं नहीं जाता है। बल्कि वह वीरान खेतों के बीच अधूरा पड़ा है। दरअसल, जालेगेर्सजेग में इस गोलचक्कर का निर्माण एक बड़े रेलवे कंटेनर टर्मिनल की सुविधा के लिए बनाया गया है। लेकिन जिस रेलवे लाइन से इसे जुड़ना था, उसका अभी अस्तित्व ही नहीं है। यह गोलचक्कर तब तक उपयोगी नहीं हो सकता है, जब हंगरी सरकार द्वारा रेलवे लाइन का निर्माण नहीं कराया जाता है।

हंगरी में इस गोलचक्कर का मामला ऐसे समय में गरमाया है, जब संसदीय चुनाव हो रहा है और प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन पर आलोचक आरोप लगा रहे हैं कि ओर्बन सरकार यूरोपीय संघ के धन का उपयोग विकास के बजाय चुनावी लाभ और दिखावटी निर्माणों के लिए कर रही है। रविवार को होने वाले महत्वपूर्ण संसदीय चुनाव से पहले, विरोधी यह सवाल उठा रहे हैं कि हंगरी ने इस सारे निवेश का क्या परिणाम दिखाया है, और वे कई ऐसी परियोजनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं जिन्हें वे दिखावटी और अधूरी या अनावश्यक निर्माण परियोजनाएं बता रहे हैं। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि यह दुनिया का एक ऐसा गोलचक्कर है जो कहीं से कहीं नहीं जाता है।

प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन के आलोचकों का कहना है कि यूरोपीय संघ द्वारा वित्तपोषित इस तरह की निर्माण परियोजनाएं उनकी सरकार द्वारा 16 वर्षों के कार्यकाल में निर्मित आर्थिक व्यवस्था का प्रतीक हैं। उनका कहना है कि ओर्बन की चुनावी सफलता का कारण यूरोपीय संघ को लगातार बदनाम करना - उसे हंगरी में एक पतित, उदारवादी और भ्रष्ट शक्ति के रूप में चित्रित करना और साथ ही उससे भारी मात्रा में धन स्वीकार करना है।

ताइवान सीमा के पास चीनी जहाज और लड़ाकू विमान की हलचल

एमएनडी अलर्ट क्षेत्र में बढ़ा तनाव

ताइपे, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने समुद्री और हवाई क्षेत्र के पास चीन की बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि आज सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन के 8 पीएलएएन जहाजे, 2 पीएलए एयरक्राफ्ट और 4 सरकारी जहाज मौजूद थे। इन 2 विमानों में से एक विमान ने ताइवान के दक्षिण-पूर्वी हवाई सुरक्षा क्षेत्र (एडीजेड) में प्रवेश किया। ताइवान की सेना (एमएनडी) ने इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखी और उचित जवाब दिया। इससे पहले शनिवार को भी चीन ने ताइवान की सीमाओं के पास भारी सैन्य दबाव बनाया था। शनिवार सुबह छह बजे तक चीन के 17 सैन्य विमान, 7 नेवी जहाज और 1 सरकारी जहाज ताइवान के पास देखे गए थे।

खास बात यह है कि इन 17 विमानों में से 15 विमानों ने ताइवान की मध्य रेखा को पार किया और उत्तरी व दक्षिण-पश्चिमी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान पर चीन का दावा एक बहुत ही जटिल और पुराना मुद्दा है। बीजिंग का मानना है कि ताइवान चीन का एक अटूट हिस्सा है और यह उसकी राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। इसके उलट, ताइवान एक स्वतंत्र पहचान रखता है। वहां की अपनी सरकार, अपनी सेना और अपनी अलग अर्थव्यवस्था है। ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस का विषय है। इतिहास की बात करें तो ताइवान पर चीन का दावा 1683 के किंग राजवंश के समय से शुरू होता है। साल 1895 में पहले चीन-जापान युद्ध के बाद किंग राजवंश ने ताइवान को जापान को दे दिया था।

इसके बाद 50 वर्षों तक ताइवान जापान के कब्जे में रहा। दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के बाद ताइवान वापस चीन के नियंत्रण में आया, लेकिन संप्रभुता का कानूनी हस्तांतरण कभी औपचारिक रूप से पूरा नहीं हुआ। साल 1949 में चीन के गृहयुद्ध के कारण मुख्य भूमि पर 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' (आरओसी) की स्थापना हुई। वहीं, हारने वाली 'रिपब्लिक ऑफ चाइना' (आरओसी) की सरकार ताइवान भाग गई। तब से दोनों ही पक्ष पूरे चीन पर शासन करने का दावा करते हैं। वर्तमान में ताइवान एक स्वतंत्र देश की तरह काम करता है, लेकिन उसने कभी भी औपचारिक रूप से अपनी आजादी की घोषणा नहीं की है।

ईरान युद्ध से यूएस को झटका: वैश्विक ताकत की रेस में अमेरिका कमजोर, कई मोर्चों पर असर; चीन-रूस को होगा फायदा?

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में जारी युद्ध और उससे उपजे भू-राजनीतिक तनाव ने अमेरिका की वैश्विक स्थिति पर गहरा असर डाला है। विश्लेषकों के मुताबिक इस संघर्ष ने न केवल अमेरिका की रणनीतिक पकड़ कमजोर की है, बल्कि रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों को नए अवसर भी प्रदान किए हैं। हाल ही में 14 दिन के संघर्षविराम के बाद भले ही अमेरिका और ईरान दोनों ने जीत का दावा किया हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस घटनाक्रम को अमेरिका के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। इस रिपोर्ट में उन चार प्रमुख पहलुओं को समझाया गया है, जिनके जरिए ईरान में जारी संघर्ष ने 21वीं सदी की वैश्विक महाशक्ति प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की स्थिति को कमजोर किया है। अमेरिका लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है,

लेकिन बदलते वैश्विक समीकरणों ने उसकी चुनौतियां बढ़ा दी हैं। शीत युद्ध के दौर में अमेरिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को सीमित करना था, जबकि साथ ही इस्राइल और पाकिस्तान जैसे सहयोगियों के परमाणु विकास पर नजर रखना भी शामिल था। 2020 के दशक में यह फोकस बदलकर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर केंद्रित हो गया।

वहीं, चीन और रूस ने विभिन्न गठबंधनों और कूटनीतिक कदमों के जरिए पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ मजबूत की है। चीन ने 2023 में सऊदी-ईरान समझौते में मध्यस्थता की, जबकि रूस ने ईरान और सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाया। बदलते हालात में खाड़ी देश अब सुरक्षा और सहयोग के लिए नए विकल्प तलाश रहे हैं। अमेरिका का रणनीतिक फोकस हाल के वर्षों में लगातार पश्चिम एशिया से हटकर इंडो-पैसिफिक और पश्चिमी गोलार्ध की ओर बढ़ रहा था, लेकिन ईरान में छिड़े युद्ध ने इस दिशा को उलट दिया। इराक और अफगानिस्तान के लंबे युद्धों के बाद रूस और चीन ने इसी खालीपन का फायदा उठाते हुए क्षेत्र में अपने सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत किए। नवंबर 2025 की अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पश्चिम एशिया को कम प्राथमिकता देने की बात कही गई थी, लेकिन ईरान युद्ध ने इस नीति से विपरीत स्थिति पैदा कर दी। ट्रंप द्वारा बिना सहयोगी देशों से सलाह किए लिए गए फैसलों ने नाटो और अन्य साझेदारों में असंतोष बढ़ाया। इसका लाभ चीन और रूस को मिला, जो पहले से ही अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच बढ़ती दरारों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन और जटिल हो गया है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना, जहां से दुनिया का लगभग 20% तेल गुजरता है, अमेरिकी हितों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

शिवराज सिंह करेंगे बिहार सीएम फेस का ऐलान

बीजेपी ने एनडीए विधायक दल का नेता चुनने पर्यवेक्षक बनाया; मुख्यमंत्री की रेस में 5 नाम

भोपाल/दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। बीजेपी ने विधायक दल के नेता के चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बीजेपी ने उन्हें विधायक दल के नेता का चयन करने के लिए नियुक्त किया है। बिहार के सीएम नितीश कुमार राज्यसभा सांसद बनने के बाद शपथ भी ले चुके हैं। ऐसे में अब एनडीए को नए सीएम का ऐलान करना है। संभावना जताई जा रही है कि बिहार में सीएम बीजेपी से हो सकते हैं। 4 बार एमपी के मुख्यमंत्री रहे शिवराज को पता है कि विधायकों की नब्ज कैसे टटोली जाती है। बिहार में एनडीए के भीतर कई घटक दल हैं। शिवराज को जिम्मेदारी दी गई है कि वे ऐसे नाम पर मुहर लगवाएं जो सर्वसम्मति से स्वीकार्य हो। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बीजेपी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो 'ब्रांड मोदी' के साथ-साथ स्थानीय समीकरणों (जातीय और क्षेत्रीय) को साध सके। शुक्रवार को नीतीश कुमार ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण की थी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर बिहार एनडीए के कई नेता मौजूद रहे थे। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने इस शपथ के साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

पृथ्वी का चौथा ज्योतिर्लिंग, जहां माता पार्वती संग महादेव खेलते हैं चौसर

हिंदू मान्यता के अनुसार पृथ्वी पर जिन-जिन स्थानों पर महादेव ने प्रकट होकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाई आज वे सभी पावन ज्योतिर्लिंग के नाम से जाने जाते हैं। औढरदानी कहलाने वाले भगवान शिव चौथा ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश इंदौर शहर से 80 किमी दूर नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। यहां शिव शक्ति संग ॐ (ओम) के आकार वाली पहाड़ी पर विराजमान हैं, इसीलिए इन्हें ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जता है। आइए महादेव के इस पावन धाम की कथा और धार्मिक महत्व आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के प्राकट्य को लेकर दो कथाएं कही जाती हैं। जिनमें से एक कथा राजा मंधाता से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि एक बार राजा मंधाता ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठिन तप किया। जिससे प्रसन्न होकर भगवान भोलेनाथ ने उन्हें दर्शन देकर दो वर मांगने कहा। तब शिव भक्त राजा मंधाता ने उनसे सबसे पहले वरदान मांगा कि आप वहीं विराजमान हो जाएं और दूसरा भगवान शिव के नाम के साथ उनका नाम जुड़ जाए। तब महादेव ने उन्हें ये दोनों वर देते हुए वहीं विराजमान हो गये। मान्यता है कि तभी से जिस जगह पर ज्योतिर्लिंग स्थापित है, उसे मंधाता पर्वत के नाम से जाना जाता है।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के प्राकट्य को लेकर दो कथाएं कही जाती हैं। जिनमें से एक कथा राजा मंधाता से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि एक बार राजा मंधाता ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठिन तप किया। जिससे प्रसन्न होकर भगवान भोलेनाथ ने उन्हें दर्शन देकर दो वर मांगने कहा। तब शिव भक्त राजा मंधाता ने उनसे सबसे पहले वरदान मांगा कि आप वहीं विराजमान हो जाएं और दूसरा भगवान शिव के नाम के साथ उनका नाम जुड़ जाए। तब महादेव ने उन्हें ये दोनों वर देते हुए वहीं विराजमान हो गये। मान्यता है कि तभी से जिस जगह पर ज्योतिर्लिंग स्थापित है, उसे मंधाता पर्वत के नाम से जाना जाता है।

तब महादेव ने ज्योतिर्लिंग को दो भागों में बांट दिया

ओंकारेश्वर से जुड़ी दूसरी कथा के अनुसार एक बार विंध्याचल पर्वत ने खुद को सबसे ऊँचा और महान होने के लिए भगवान शिव का तप प्रारंभ किया, क्योंकि उस समय सुमेरु पर्वत सबसे ऊँचा और बड़ा माना जाता था। मान्यता है कि विंध्याचल के कठिन तप से प्रसन्न होकर महादेव ने उसे वरदान दिया कि वह अपनी मर्जी से बढ़ सके, लेकिन साथ ही उसे अपनी शक्ति का दुरुपयोग न करने की शर्त भी रखी।

मान्यता है कि उसी समय वहां मौजूद ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर महादेव ने ओंकारेश्वर नामक लिंग को दो भाग में बांट दिया। जिसमें से एक ओंकारेश्वर और दूसरा ममलेश्वर कहलाया। दो अलग-अलग लिंग होने के बावजूद दोनों की सत्ता और स्वरूप एक ही माना गया है। इसमें से एक लिंग 'ओंकारेश्वर' यानि (विंध्याचल पर्वत पर) और दूसरा 'ममलेश्वर' या फिर कहें 'अमलेश्वर' (नर्मदा के दूसरे तट पर) स्थित है।

यम के अवतार थे महात्मा विदुर

महाभारत के महत्वपूर्ण पात्रों में नीति के जानकार महात्मा विदुर का नाम बहुत आदर के साथ लिया जाता है। अत्यंत ही न्यायप्रिय, बुद्धिमान और नीतिवान विदुर के द्वारा दिये गये उपदेश आज भी लोगों को सही-गलत में भेद बताते हुए सफलता की सही राह दिखाने का काम करते हैं। महाभारत की कथा में आदर्श जीवन और उत्तम चरित्र के धनी विदुर कोई साधारण पुरुष नहीं बल्कि स्वयं यम देवता के अवतार थे। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यम को पृथ्वी पर मनुष्य के रूप में जन्म लेने की क्या जरूरत पड़ी? आइए विदुर के जीवन से जुड़े इस बड़े रहस्य को इस पावन कथा के माध्यम से जानते हैं।

महात्मा विदुर के पूर्व जन्म की कहानी

महाभारत काल में हस्तिनापुर के प्रधानमंत्री विदुर पूर्व जन्म में यमराज थे। जिन्होंने माण्डव्य नाम के मुनि को अनजाने में किए गये एक पाप के लिए शूली पर चढ़वा दिया। जिसके बाद यम देवता से नाराज होकर माण्डव्य मुनि ने उन्हें मनुष्य योनि में पैदा होने का श्राप दे दिया था।

पौराणिक मान्यता के अनुसार एक समय आर्यावर्त में सुकर्ण नाम का एक राजा राज्य करता था। एक बार एक चोर ने राजा के महल में घुस कर शाही खजाने से धन चुरा लिया। जब चोर धन लेकर भाग रहा था तो राजा के सिपाहियों ने उसे देख लिया और उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे भागने लगे। चोर भागते-भागते जब थक गया और उसे लगा कि अब वह सैनिकों की पकड़ में आ सकता है तो उसने रास्ते में पड़ी माण्डव्य मुनि की कुटिया में राजा के धन को रखकर भाग गया।

तब राजा ने मुनि को दिया मृत्यु दंड

इसके बाद जब सैनिकों ने शाही खजाने से जुड़े धन को मुनि की कुटिया में पाया तो उन्होंने मुनि को चोर समझकर बंदी बना लिया। इसके बाद जब सैनिकों ने उन्हें राजा सुकर्ण के सामने पेश किया तो माण्डव्य मुनि ने अपना पक्ष रखते सभी को समझाने की खूब कोशिश की, लेकिन किसी ने भी उनकी बात पर जरा भी विश्वास नहीं किया। फिर राजा ने माण्डव्य मुनि को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने भी राजा की आज्ञा पाते ही उन्हें तुरंत फांसी पर चढ़ा दिया।

यहां पर भगवान राम को ब्रह्महत्या के पाप से मिली थी मुक्ति

देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी के कण-कण में उनका वास माना जाता है। छोटे-बड़े हर एक मंदिर की अपनी एक दिव्यता और अद्भुत भक्ति में लिपटी मान्यता है। महादेव को समर्पित ऐसा ही एक मंदिर है, जो उनके अराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र से भी जुड़ा है। काशी के दक्षिणी भाग में स्थित श्री कर्दमेश्वर महादेव मंदिर एक अद्भुत और प्राचीन शिवालय है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने लंका विजय के बाद रावण वध से लगे ब्रह्महत्या दोष से मुक्ति पाने के लिए यहां महादेव के दर्शन किए थे। यह मंदिर मुगलों के 17वीं सदी के विनाशकारी हमलों में भी बच गया और आज भी अपनी मूल गरिमा को बनाए हुए है।

भगवान राम को यहीं मिली थी पापों से मुक्ति

कर्दमेश्वर महादेव मंदिर काशी का सबसे प्राचीन बचा हुआ शिव मंदिर माना जाता है। कर्दम ऋषि ने यहां

शिवलिंग की स्थापना की थी, इसलिए इसका नाम कर्दमेश्वर पड़ा। काशी पंचकोशी परिक्रमा (25 किलोमीटर लंबी पवित्र यात्रा) का यह पहला प्रमुख पड़ाव माना जाता है। तीर्थयात्री यहीं से अपनी यात्रा शुरू करते हैं। मान्यता है कि मंदिर शिखर के दर्शन मात्र से व्यक्ति देव ऋण से मुक्त हो जाता है। किंवदंतियों के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम को ब्रह्महत्या का दोष लगा। गुरु वशिष्ठ की सलाह पर राम-सीता यहां आए और महादेव के दर्शन व परिक्रमा करने के बाद उन्हें पाप से मुक्ति मिली।

कर्दम ऋषि के आंसुओं से बना है कुंड

यह मंदिर नागर शैली में बना है और पंचरथ डिजाइन का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें एक चबूतरा है, जिस पर गर्भगृह, प्रदक्षिणा पथ, अंतराल, महामंडप और अर्द्धमंडप स्थित हैं। मंदिर पूर्व मुखी है। दीवारों पर दिव्य नर्तकियों, संगीतकारों, सांपों और पौराणिक जानवरों की सुंदर नक्काशी है, जो 6वीं-7वीं शताब्दी की बताई जाती है। मंदिर के पास कर्दम कुंड है। मान्यता है कि यह कुंड कर्दम ऋषि के आंसुओं से बना है, बाद में 18वीं शताब्दी में बंगाल की रानी भवानी ने इसे ठीक कराया।

मंदिर पर मुगलों ने किया था हमला

मंदिर का ऐतिहासिक महत्व भी है। 11वीं शताब्दी में गहड़वाला वंश के चंद्रदेव ने आक्रमण के बाद काशी को फिर से स्थापित किया। यह मंदिर 12वीं शताब्दी का बताया जाता है और मुगलों के विनाश से बचकर 17वीं सदी तक अपनी मूल संरचना बनाए रखने वाला काशी का एकमात्र मंदिर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे प्राचीन व ऐतिहासिक स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1956 के तहत संरक्षित किया हुआ है।

कैसे पहुंचे श्री कर्दमेश्वर महादेव मंदिर?

मंदिर प्रतिदिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुला रहता है। सुबह-शाम और रात में आरती होती है। प्रवेश निःशुल्क है। दर्शन के लिए सुबह या शाम का समय सबसे अच्छा माना जाता है। मंदिर वैष्णो नगर कॉलोनी, कंचनपुर, कंदवा क्षेत्र में स्थित है। वाराणसी शहर से ऑटो, टैक्सी या प्राइवेट वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है। वहीं, वाराणसी जंक्शन या लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट से टैक्सी लेकर लगभग 30-45 मिनट में मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

मंदिर पर मुगलों ने किया था हमला

मंदिर का ऐतिहासिक महत्व भी है। 11वीं शताब्दी में गहड़वाला वंश के चंद्रदेव ने आक्रमण के बाद काशी को फिर से स्थापित किया। यह मंदिर 12वीं शताब्दी का बताया जाता है और मुगलों के विनाश से बचकर 17वीं सदी तक अपनी मूल संरचना बनाए रखने वाला काशी का एकमात्र मंदिर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे प्राचीन व ऐतिहासिक स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1956 के तहत संरक्षित किया हुआ है।

कैसे पहुंचे श्री कर्दमेश्वर महादेव मंदिर?

मंदिर प्रतिदिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुला रहता है। सुबह-शाम और रात में आरती होती है। प्रवेश निःशुल्क है। दर्शन के लिए सुबह या शाम का समय सबसे अच्छा माना जाता है। मंदिर वैष्णो नगर कॉलोनी, कंचनपुर, कंदवा क्षेत्र में स्थित है। वाराणसी शहर से ऑटो, टैक्सी या प्राइवेट वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है। वहीं, वाराणसी जंक्शन या लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट से टैक्सी लेकर लगभग 30-45 मिनट में मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

बगदाई माता को भोग में नारियल या फूल नहीं गिनती के 5 पत्थर करते हैं अर्पित

देशभर के देवी मंदिरों में माता रानी को फूल और फल अर्पित किए जाते हैं। ज्यादातर मंदिरों में नारियल और कुछ मंदिरों में बलि प्रथा आज भी चलती है, लेकिन क्या आप ऐसे देवी मंदिर के बारे में जानते हैं कि जहां मां को प्रसाद के रूप में पत्थर चढ़ाए जाते हैं, वो भी गिनती के पांच पत्थर? आपको सुनकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन यह सच है। मंदिर में मां की प्रतिमा के पास आपको ढेर सारे पत्थर देखने को मिल जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता रानी के दर्शन करने मात्र से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं माता के इस मंदिर के बारे में।

माता को भोग में अर्पित की जाती हैं ये चीजें – छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मां बगदाई मंदिर एक प्रसिद्ध और चमत्कारी मंदिर है। मंदिर छोटा है, लेकिन भक्तों के मन में मंदिर को लेकर आस्था बड़ी है। अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए भक्त दूर-दूर से दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में मां को नारियल नहीं, बल्कि पांच पत्थर और एक फूल चढ़ाने की परंपरा है, और इस परंपरा का पालन सदियों से होता आया है। माना जाता है कि मां बगदाई मंदिर वन की जागृत देवी है, जो सालों से वन और आस-पास रहने वाले लोगों की रक्षा कर रही है

इसलिए चढ़ाते जाते हैं माता को पत्थर – स्थानीय लोक कथाओं के मुताबिक, मंदिर पहले जंगल में हुआ करता था और 100 साल से भी अधिक पहले एक चरवाहे को मां की जागृत प्रतिमा मिली थी। मां ने चरवाहे के सपने में दर्शन देकर प्रतिमा को स्थापित करने के लिए कहा था। चरवाहे ने मां को जंगल में एक जगह पर स्थापित किया और छोटा सा मंदिर बनवा दिया, लेकिन चरवाहे के पास मां को अर्पित करने के लिए कुछ नहीं था। उसने मां से रोते हुए अपनी दुविधा बताई और कहा, मां, मेरे पास आपको भोग लगाने के लिए कुछ नहीं है। तब मां ने अवतरित होकर चरवाहे को 5 पत्थर चढ़ाने के लिए कहा था।

मनोकामना पूर्ति के लिए करें यह काम – मां ने चरवाहे से कहा कि वह किसी भोग की भूखी नहीं है, बल्कि भक्त के प्यार की भूखी है। यही कारण है कि तब से लेकर आज तक मंदिर में मां को पत्थरों का भोज लगता है। स्थानीय मान्यता है कि अगर कोई भी भक्त सच्चे मन से मां को पांच पत्थर और एक फूल अर्पित करता है और उसकी मनोकामना पूरी होती है, तो भक्त को दोबारा मंदिर में आकर 5 पत्थर और फूल अर्पित करने होते हैं।

नवरात्रि में भव्य मेला – मंदिर आज भी घने जंगलों के बीच है, जहां अध्यात्म और प्रकृति का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां के मंदिर में हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे हैं और नौ दिनों तक मां का भव्य शृंगार भी किया जाता है। नवरात्रि में यहां भव्य मेला भी लगता है।

अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति को सफलता, सुख और सम्मान पाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती

आत्म संयमी और अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति के जीवन में सफलता और श्रेष्ठ गुण स्वतः आने लगते हैं। जब व्यक्ति अपने अंदर नैतिकता, शांति और सच्चाई जैसे गुण विकसित करता है, तो उसे सुख और सम्मान पाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। उसके अच्छे विचार और व्यवहार के कारण लोग उसकी ओर आकर्षित होते हैं। ऐसे व्यक्ति के पास मान-सम्मान, खुशियां और शांति अपने आप आने लगती हैं। उसके भीतर की सकारात्मक ऊर्जा ही उसे महान बनाती है और जीवन में ऊंचा स्थान दिलाती है।

नेम प्लेट की सही दिशा बदल देगी आपकी तकदीर !

दिशा का चुनाव: कहां लगाएं नेम प्लेट?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नेम प्लेट हमेशा मुख्य दरवाजे के दायीं ओर लगानी चाहिए। इसे प्रवेश द्वार की चौखट के ऊपरी हिस्से के बीच में लगाना भी शुभ माना जाता है।

उत्तर मुखी घर: उत्तर या पूर्व दिशा की दीवार पर नेम प्लेट लगाएं।
दक्षिण मुखी घर: दक्षिण या पूर्व की दिशा का चुनाव करें।

ऊंचाई और बनावट का रखें ध्यान

नेम प्लेट कभी भी फर्श के करीब या बहुत नीचे नहीं होनी चाहिए। इसे घर के मुख्य द्वार की आधी ऊंचाई (आई लेवल) पर लगाना चाहिए ताकि आने-जाने वालों की नजर उस पर सीधे पड़े। नेम प्लेट हमेशा स्थिर होनी चाहिए, वह लटकती हुई या हिलती हुई नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह जीवन में अस्थिरता लाती है।

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। जिस तरह एक सुंदर मुखमंडल व्यक्ति की पहचान होता है, उसी तरह घर के बाहर लगी नेम प्लेट उस घर की पहचान और वहां रहने वालों के भाग्य का आईना होती है।

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। जिस तरह एक सुंदर मुखमंडल व्यक्ति की पहचान होता है, उसी तरह घर के बाहर लगी नेम प्लेट उस घर की पहचान और वहां रहने वालों के भाग्य का आईना होती है। अक्सर लोग इसे केवल सजावट की वस्तु समझते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार, गलत दिशा या गलत तरीके से लगी नेम प्लेट जीवन में बाधाएं और आर्थिक तंगी ला सकती है। तो आइए जानते हैं नेम प्लेट से जुड़े वो गुप्त वास्तु नियम, जो आपके घर के भाग्य का ताला खोल सकते हैं।

दिशा का चुनाव: कहां लगाएं नेम प्लेट?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नेम प्लेट हमेशा मुख्य दरवाजे के दायीं ओर लगानी चाहिए। इसे प्रवेश द्वार की चौखट के ऊपरी हिस्से के बीच में लगाना भी शुभ माना जाता है।

उत्तर मुखी घर: उत्तर या पूर्व दिशा की दीवार पर नेम प्लेट लगाएं।
दक्षिण मुखी घर: दक्षिण या पूर्व की दिशा का चुनाव करें।

ऊंचाई और बनावट का रखें ध्यान

नेम प्लेट कभी भी फर्श के करीब या बहुत नीचे नहीं होनी चाहिए। इसे घर के मुख्य द्वार की आधी ऊंचाई (आई लेवल) पर लगाना चाहिए ताकि आने-जाने वालों की नजर उस पर सीधे पड़े। नेम प्लेट हमेशा स्थिर होनी चाहिए, वह लटकती हुई या हिलती हुई नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह जीवन में अस्थिरता लाती है।

धातु और रंगों का जादुई असर

नेम प्लेट का रंग और सामग्री आपके घर की दिशा के अनुसार होनी चाहिए।

लकड़ी : यदि आपका घर पूर्व या उत्तर मुखी है, तो लकड़ी की नेम प्लेट सबसे उत्तम है।

धातु : पश्चिम मुखी घर के लिए धातु (स्टील या तांबा) की नेम प्लेट समृद्धि लाती है।

रंग: गहरे और डरावने रंगों के बजाय सफेद, हल्का पीला, केसरिया या क्रीम जैसे सौम्य रंगों का चुनाव करें।

स्पष्टता और सफाई का महत्व

वास्तु के अनुसार, नेम प्लेट पर लिखे अक्षर साफ और पढ़ने योग्य होने चाहिए। नाम के अक्षर टूटे हुए या अस्पष्ट नहीं होने चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 13 अप्रैल - 2026

बाबा साहब आंबेडकर और राष्ट्र

मुनीष त्रिपाठी

बाबा साहब आम्बेडकर केवल दलित सुधारक अथवा भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता ही नहीं थे, अपितु एक कुशल राजनेता, वकील, पत्रकार, अर्थशास्त्री, धर्मवेत्ता थे। उन्होंने विश्व के तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों कोलम्बिया, लन्दन और जर्मनी के बान विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने इकोनॉमिक्स विषय के गरीबों के कल्याणकारी अर्थशास्त्र और रुपयों की समस्या और समाधान विषय पर डाक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने अपनी मेधा, योग्यता का प्रयोग सदैव समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए किया। मौजूदा काल में सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के बनाये रखने के लिए उनके जीवन और कृति के बारे में जानना बेहद जरुरी है। आम्बेडकर का कांग्रेस और गांधी से गहरा मतभेद था। गांधी हिंदू समाज की वर्णव्यवस्था के प्रबल समर्थक थे, जबकि आम्बेडकर वर्णव्यवस्था को जातिवाद की उत्पत्ति का मूल कारण मानते थे। वह कांग्रेस पर आरोप लगाते थे कि कांग्रेस और गांधी ने अस्पृश्यता निवारण के लिए ईमानदारी से कोई प्रयास नहीं किया इसके लिए वह कहते है स्वामी श्रद्धांनंद को जब कांग्रेस द्वारा 1922 में अस्पृश्यता निवारण समिति का संयोजक बनाया गया था तब उन्हें न तो कोई फंड मिला और न ही कोई सहयोग, जिसके कारण स्वामी श्रद्धांनंद को खिन्न होकर त्यागपत्र देना पड़ा । आम्बेडकर मुस्लिम कट्टरपंथ के कटु आलोचक थे। उन्होंने खिलाफत के मुद्दे को असहयोग आंदोलन में शामिल करने के फैसले का तीखा विरोध किया। 1916 के लखनऊ कांग्रेस और मुस्लिम लीग समझौते और साइमन कमीशन के बाद गठित नेहरू रिपोर्ट द्वारा मुस्लिम समुदाय को आरक्षित सीटें देने का विरोध कर दलित विरोधी और राष्ट्र विरोधी बताया।

19 जनवरी 1929 को आम्बेडकर ने अपने समाचार पत्र बहिष्कृत भारत में लेख में कहा कि जिस योजना से हिन्दुओं का अहित होता हो वह योजना किस काम की। हम इस रपट का इसलिए विरोध नहीं करते है कि वह अस्पृश्यों के अधिकारों का हनन करती है वरन इसलिए कि उससे हिंदुओं को खतरा है और सारा हिंदुस्तान इससे भविष्य में मुसीबत में पड़ सकता है।₹ उन्होंने तत्कालीन भारतीय सेना में मुस्लिमों की बढ़ती तादात पर चिंता व्यक्त कर इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंताजनक बताया।भारत की सांप्रदायिक समस्या के स्थाई समाधान के हिंदू और मुस्लिम जनसंख्या के अदला बदली करने का मशविरा दिया, भारत की 1946 की अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के शामिल होने पर भारत सरकार को दो राष्ट्रों की सरकार बताया। कम्युनिस्ट लम्बे समय से बाबा साहब के विचारों की गलत मीमांसा कर तमाम राष्ट्रविरोधी विमर्श गढ़कर देश में भ्रम फैलाते है। कम्युनिस्टों के लिए जो बाबा साहब ने कहा और लिखा उनकों समाज और देश का जानना जरूरी है। बाबा साहब पर लिखी गई अब तक सबसे प्रमाणित पुस्तक धनंजय कीर की बाबा साहब आम्बेडकर लाइफ एंड मिशन जिसे बाबा साहव ने खुद अपनी आत्मकथा माना है, में लिखा है कि कम्युनिस्टों से दलित समाज कों दूर रहना चाहिए, उनकी हड़तालों में शामिल नहीं होना चाहिए, कम्युनिस्टों का भक्षक नहीं बनना चाहिए क्योंकि इससे दलितों का नुकसान होगा। बाबा साहब का 20 नवम्बर 1956 कों नेपाल की राजधानी काठमांडू में दिया गया भाषण 'बुद्ध या कार्ल मार्क्स ' में कहा कि कम्युनिस्ट धर्म कों नहीं मानते जबकि धर्म के बिना जीना मानव के लिए असम्भव है। हिंसा द्वारा वे कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना चाहते है तथा राज्य पर बल और ख़ूनी हिंसा द्वारा शासन करने को उचित मानते है जबकि बौद्ध धर्म की शिक्षाओं, अहिंसा, समता, आत्मानुशासन से ही कम्युनिस्टों की परिकल्पना से अधिक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की जा सकती है । थोड़े समय के लिए ही सही राज्य कों बल से मुक्ति करके मानव हत्याओं कों कैसे उचित ठहराया जा सकता है ? धनंजय कीर अपनी किताब में रहस्योद्घाटन करते है बाबा साहब जब 21 मई 1932 कों पूना प्रवास पर गए तो उनकी गाड़ी में भगवा ध्वज लहरा रहा था जिसमें ॐ अंकित था। ऐसा ही एक प्रकरण 3 जुलाई 1942 को मुंबई में घटित हुआ जब एयरपोर्ट पर वह पहुंचे तो कुछ हिंदू महासभा के लोग उनसे मिलने पहुंचे और उनसे झंडा समिति के सदस्य होने के नाते भारत के भगवा ध्वज कों राष्ट्रीय ध्वज घोषित करवाने की मांग की। उन्होंने प्रस्ताव आने पर हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। लेकिन अन्य सदस्यों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने पर यह प्रस्ताव सफल नहीं हो सका। बाबा साहव संस्कृत भाषा के महत्व को भलीभांति जानते थे वह इसे राजभाषा बनाने के लिए प्रस्ताव

भी बंगाल के सदस्य लक्ष्मीकांत मैत्रे और नजरुद्दीन अहमद से 13 नवम्बर 1949 कों संविधान सभा में करवाया था तथा खुद भी प्रस्तावक थे। उन्होंने स्वयं संस्कृत भाषा बोलचाल की दक्षता हासिल कर ली थी, संविधान सभा भवन में उन्हें लक्ष्मीकांत मैत्रे से संस्कृत भाषा में बातचीत करते हुए देखा गया था जिसे तत्कालीन समाचार पत्रों लीडर, दैनिक आज, हिंदुस्तान, हेराल्ड सहित कई अखबारों में इसे प्रकाशित भी किया था। प्रस्ताव पर बराबर- बराबर वोटिंग हुई अध्यक्ष ने अपने मत का प्रयोग नहीं किया लिहाजा संस्कृत भाषा राष्ट्भाषा बनने से वंचित रह गई। आर्यों के आगमन और आक्रमण के मिथक सिद्धांत के विमर्श को कम्युनिस्टों ने खूब समाज में भ्रम फैलाकर आत्महीनता और द्वेष देश में फैलाया जिसमें कुछ हद तक सफल भी हुए। बाबा साहब ने शूद्र कौन थे वेदों में वर्णित विषय और एंथ्रोपोमेट्री (नृजातीय विज्ञानं) से सिद्ध किया कि आर्य भारत के निवासी थे तथा शूद्र भी आर्य थे।

बाबा साहब कितने बड़े युगदृष्टा थे उन्होंने धारा 370 धारा कों लिखने से मना कर दिया था तब नेहरू ने अब्दुल्ला शेख से फिर से आम्बेडकर से लिखने के लिए मनाने के लिए कहा परन्तु शेख के बात करने पर आम्बेडकर ने कड़ा जबाब देते हुए कहा भारत सरकार कश्मीर में सड़कें बनवायेगी, स्कूल बनवायेगी, अन्य विकास कार्य करवाएगी फिर भारत के अन्य राज्यों से अलग कश्मीर कों विशेष दर्जा देना राष्ट्र हित में नहीं होगा । बाद में नेहरू के दबाव में अनमने मन से गोपाल आयंगर ने धारा 370 को लिखा ।

अनेकों मामले जैसे कृषि, सिंचाई का मामला हो, राज्यों के बंटवारे का मामला हो, विदेश नीति का मामला हो बाबा साहब ने सदैव सटीक राय देशहित में रखी इसलिए उनको केवल दलित सुधारक और संविधान निर्माता मानना ही उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को कमतर मानना होगा।

तस्करों के निशाने पर मासूम

इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि जिन बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं, वही आज बाल तस्करी जैसे संगठित अपराध के जाल में फंसते जा रहे हैं। यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की संवेदनशीलता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भी परीक्षा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट को बार-बार राज्यों को इस गंभीर संकट पर चेताने की जरूरत पड़ रही है। बाल तस्करी केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक ऐसा अंधकार है जिसमें बच्चों का बचपन, उनका सम्मान और उनका भविष्य एक साथ छीन लिया जाता है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यदि केंद्र और राज्य सरकारें समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठातीं हैं, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। इसके बावजूद कई राज्यों द्वारा अब तक न तो ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है और न ही आवश्यक समितियां गठित की गई हैं। यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता का स्पष्ट प्रमाण है। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने संगठित बाल तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। अदालत ने यह भी कहा था कि संदिग्ध क्षेत्रों की पहचान कर निगरानी बढ़ाई जाए और लापता बच्चों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए। लेकिन राज्यों की धीमी प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि बच्चों की सुरक्षा अभी भी प्राथमिकता नहीं बन पाई है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बाल तस्करी का शिकार बनने वाले अधिकांश बच्चे समाज के गरीब और कमजोर वर्गों से आते हैं। गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता इस अपराध को बढ़ावा देती हैं। कोविड महामारी के बाद तो बच्चों के लापता होने के मामलों में और तेजी आई है, जिसने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की भी कमी को उजागर करता है। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में बच्चों के खिलाफ अपराधों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यह सच है कि पुलिस कई मामलों में लापता बच्चों को खोज निकालती है, लेकिन जिन बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिलता, उनकी स्थिति सबसे अधिक भयावह होती है। वे अक्सर बाल मजदूरी, यौन शोषण और अपराध की दुनिया में धकेल दिए जाते हैं। यह एक ऐसा सच है जिसे नजरअंदाज करना पूरे समाज के लिए खतरनाक संकेत है। किसी भी परिवार के लिए अपने बच्चे का अचानक लापता हो जाना जीवन का सबसे बड़ा दुख होता है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक टूटता हुआ सपना और बिखरता हुआ भविष्य है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकारें केवल औपचारिक बैठकों और घोषणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करें। समाज और सरकार दोनों को यह समझना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। यदि आज भी बाल तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखाई गई, तो यह भविष्य के भारत के साथ सबसे बड़ी नाइंसाफी होगी। आखिरकार, जो समाज अपने बच्चों की रक्षा नहीं कर सकता, वह अपने भविष्य को सुरक्षित रखने का दावा भी नहीं कर सकता।

पाकिस्तान पर भरोसा मुश्किल था

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

इस्लामाबाद में हालिया कूटनीतिक गतिविधियों और वार्ता की कोशिशों ने भारत में स्वाभाविक रूप से एक पुराना सवाल फिर खड़ा कर दिया है। क्या पाकिस्तान वास्तव में निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता था? इतिहास और वर्तमान दोनों संकेत देते हैं कि पाकिस्तान की विदेश नीति स्वतंत्र कम और पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव में अधिक रही है।

ऐसे में उसकी सक्रियता को लेकर सावधानी स्वाभाविक था। जैसा कि जाहिर हो रहा था कि यह वार्ता सफल नहीं हो सकती, अंततः वही हुआ।. दरअसल, पाकिस्तान कोई आकस्मिक ऐतिहासिक घटना नहीं था। 1933 में चौधरी रहमत अली द्वारा प्रस्तुत विचार को बाद में अल्लामा इकबाल की वैचारिक और मोहम्मद अली जिन्ना की राजनीतिक दिशा मिली। ब्रिटिश सामरिक हितों के लिए भी एक ऐसे 'बफर स्टेट' की आवश्यकता थी, जो सोवियत प्रभाव को हिंद महासागर की ओर बढ़ने से रोक सके। यही कारण था कि 1947 में विभाजन के बाद पाकिस्तान पश्चिमी रणनीतिक ढांचे का स्वाभाविक सहयोगी बन गया।

यह प्रवृत्ति बाद के दशकों में और स्पष्ट दिखी। 1965 के युद्ध के दौरान अमेरिका और चीन पाकिस्तान के साथ खड़े दिखाई दिए, जबकि सोवियत संघ ने ताशकंद समझौते के जरिए संतुलन बनाने की कोशिश की। 1971 के युद्ध में तो अमेरिका ने अपना सातवां बेड़ा बंगाल की खाड़ी की ओर भेज दिया था। उस समय सोवियत संघ के समर्थन ने भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत किया। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि पाकिस्तान की कूटनीतिक दिशा अक्सर बाहरी शक्तियों से प्रभावित रही है। इसके विपरीत भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाते हुए बदलते वैश्विक समीकरणों में संतुलन बनाए रखा। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखा और यही नीति आज भी उसके विदेश संबंधों की आधारशिला है। इस्लामाबाद में हुई हालिया बैठक को भी इसी ऐतिहासिक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। अमेरिका और चीन के मौजूदा संबंधों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि ऐसी कोई भी पहल ऐसे मंच पर ही संभव थी, जो दोनों शक्तियों के प्रभाव क्षेत्र में आता हो।

पाकिस्तान शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा इस्लामी देश है, जो समान रूप से वाशिंगटन और बीजिंग दोनों के साथ सामरिक निकटता बनाए रखता है। यही कारण है कि कई कूटनीतिक विशेषज्ञ उसे निष्पक्ष मध्यस्थ नहीं, बल्कि एक माध्यम के रूप में देखते हैं।

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के उस एक्स पोस्ट ने भी कई सवाल खड़े किए, जिसमें युद्ध-विराम की घोषणा संबंधी प्रारंभिक ड्राफ्ट साझा किया गया था। बाद में उसमें संशोधन करना पड़ा। इससे यह संकेत मिला कि इस प्रक्रिया की पटकथा कहीं और लिखी जा रही थी और पाकिस्तान केवल उसका मंच भर था।

एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस पूरी पहल में इजरायल की उपस्थिति नहीं थी। जबकि क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में उसके बिना किसी गंभीर शांति प्रक्रिया की कल्पना स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा करती है। इससे यह आशंका भी मजबूत होती है कि पहल का वास्तविक उद्देश्य कुछ और ही था।

भारत के लिए चिंता का एक बड़ा कारण यह भी है कि पाकिस्तान अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों का उपयोग कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए करता रहा है।

इस्लामाबाद की हालिया सक्रियता को भी इसी दृष्टि से देखा जा रहा है। हालांकि यह भी सच है कि स्वतंत्रता के बाद से भारत पाकिस्तान की ऐसी हर राजनीतिक और कूटनीतिक चाल का सफलतापूर्वक सामना करता आया है और आगे भी करता रहेगा। दरअसल, शांति पहल तभी सार्थक होती है, जब वह पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित हो। पाकिस्तान की भूमिका को लेकर उठते सवाल इसी विश्वास की कमी की ओर संकेत करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि भारत हर पहल को खुले मन से देखे, लेकिन अपनी रणनीतिक सतर्कता बनाए रखे। बदलते वैश्विक समीकरणों के इस दौर में यही संतुलित दृष्टिकोण भारत के राष्ट्रीय हितों की सबसे बड़ी सुरक्षा है।

दांपत्य जीवन में खून के प्यासे हो रहे हैं पति-पत्नी

मनोज कुमार अग्रवाल

अब भारतीय समाज में दांपत्य जीवन असुरक्षित हो चला है। पति पत्नी के बीच विश्वास प्रेम और सात जन्मों तक साथ निभाने के वादे कमजोर पड़ रहे हैं। आए दिन पति पत्नी एक दूसरे के खून से हाथ रंग रहे हैं। आपको इसी सप्ताह की दो वारदातों के मार्फत पति-पत्नी के बीच हिंसक वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं

पहली वारदात जयपुर में सामने आइ है बैंक मैनेजर पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर टैक्सी से जयपुर जाया करती थी, लेकिन यही सफर उसकी जिंदगी बदल गया। टैक्सी ड्राइवर से बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। एक दिन पति उसी ड्राइवर की गाड़ी में था, जब उसने दोनों की बातचीत सुन ली। जिसमें उसे रास्ते से हटाने की बात हो रही थी। यहीं से खुला पूरा मामला और पुलिस तक पहुंची कहानी। अलवर की यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। एक सामान्य टैक्सी का सफर, ड्राइवर से कुछ बातचीत, फिर बढ़ती नजदीकियां। इस बाद पूरा मामला दोनों की गिरफ्तारी तक पहुंच जाता है। कहानी की शुरुआत होती है अर्चना अरोड़ा से, जो एक बैंक मैनेजर कर्णव खत्री की पत्नी है। पति जयपुर में नौकरी करता था, इसलिए अर्चना का वहां आना-जाना लगा रहता था। सफर के लिए टैक्सी लेना रोजमर्रा की बात थी लेकिन एक दिन यही सफर उसकी जिंदगी का मोड़ बन गया। सफर के दौरान उसकी मुलाकात हुई टैक्सी ड्राइवर ऋषभ शर्मा से। शुरुआत में कितनी दूरी है, कितना समय लगेगा जैसी बात होती थी, लेकिन धीरे-धीरे बातचीत का दायरा बढ़ता गया। फोन नंबर शेयर हुए, फिर कॉल्स शुरू हुईं और देखते ही देखते यह रिश्ता एक अलग दिशा में बढ़ गया। अब हालात ये थे कि दोनों के बीच बातचीत सिर्फ कभी-कभार नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी थी। घंटों फोन पर बात होती और धीरे-धीरे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि दोनों ने एक-दूसरे के बिना सोचना भी मुश्किल कर दिया।

एक दिन कर्णव खत्री (अर्चना के पति) जयपुर से अलवर लौट रहे थे। संयोग से टैक्सी वही थी और ड्राइवर भी वही ऋषभ था। कर्णव पीछे की सीट पर बैठे और कुछ देर बाद सो गए। ऋषभ को लगा कि वह गहरी नींद में हैं। उसने तुरंत फोन मिलाया अर्चना को। फोन पर बातचीत शुरू हुई और जो बातें हुईं, उन्होंने इस कहानी को पूरी तरह बदल दिया। ऋषभ ने कहा कि तुम्हारा पति मेरे साथ ही गाड़ी में है... अगर कहो तो आज ही इसे रास्ते से हटा दूं। पीछे की सीट पर लेटे कर्णव की आंखें खुल चुकी थीं।उन्होंने बिना कुछ बोले पूरी बातचीत अपने फोन में रिकॉर्ड कर ली।

एक रिकॉर्डिंग ने कर्णव के शक को यकीन में बदल दिया। उन्होंने चुपचाप और सबूत जुटाने शुरू किए। कॉल डिटेल, बातचीत, फोन रिकॉर्डिंग सब कुछ धीरे-धीरे सामने आने लगा। अब साफ हो चुका था कि यह सिर्फ जान-पहचान नहीं, बल्कि गहरा रिश्ता है। जब कर्णव ने अर्चना से इस बारे में बात की, तो मामला संभलने के बजाय और बिगड़ गया। बातचीत बहस में बदली और बहस विवाद में। रिश्ता अब उस मोड़ पर पहुंच चुका था, जहां से लौटना आसान नहीं था। कुछ समय बाद मामला तलाक तक पहुंच गया। इसी बीच अर्चना की तरफ से 50 लाख रुपये की मांग की बात सामने आई। कर्णव ने इनकार किया, तो दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया। एक दिन अचानक अर्चना घर छोड़कर चली गई। पुलिस के मुताबिक, वह अपने साथ नकदी और जेवरात भी ले गई और बाद में अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। घर, परिवार, बच्चे सब पीछे छूट गया। मार्च 2026 में कर्णव ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया। शिकायत दर्ज हुई, जांच शुरू हुई, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। करीब एक महीने बाद अचानक अर्चना और ऋषभ खुद ही अलवर के एसपी ऑफिस पहुंच गए। जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली, दोनों को वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में पेशी हुई महिला को जेल भेजा गया और आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कई पहलुओं की जांच की जा रही है। रिकॉर्डिंग और अन्य सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

दूसरी वारदात मध्य प्रदेश के धार जिले से सामने आया है। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही चौंकाने वाला भी। यहां एक पत्नी ने पहले तो अपने पति की हत्या की साजिश रची, फिर उसी हत्या को छुपाने के लिए ऐसा नाटक किया कि शुरुआती दौर में हर किसी को उस पर भरोसा हो गया। रो-रोकर उसने ऐसी कहानी सुनाई कि लगा जैसे वह खुद किसी भयावह हादसे की शिकार है। लेकिन जैसे-जैसे पुलिस ने परतें खोलीं, सच्चाई बिल्कुल उलट निकली और वही पत्नी इस पूरे हत्याकांड की मास्टरमाइंड निकली।शुरुआती जानकारी के मुताबिक, रात के समय कुछ अज्ञात बदमाश घर में घुसे, देवकृष्ण पर धारदार हथियार से हमला किया, और उनकी पत्नी प्रियंका को बंधक बनाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद प्रियंका का रो-रोकर दिया गया बयान पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया था। वह बार-बार यही कह रही थी कि बदमाश अचानक घर में घुस आए, उन्होंने पति पर हमला किया और उसे एक कमरे में बांध दिया। उसके आंसू, उसकी घबराहट और उसकी टूटी हुई आवाज सब कुछ इतना वास्तविक लग रहा था कि किसी को उस पर शक नहीं हुआ। लेकिन पुलिस की नजरों से यह कहानी ज्यादा देर तक बच नहीं सकी।जांच में सामने आया कि प्रियंका का अपने ही गांव के कमलेश नाम के युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह संबंध कोई नया नहीं था, बल्कि पिछले कई वर्षों से दोनों एक-दूसरे के संपर्क में थे। इसी रिश्ते के चलते पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। परिवार वालों के मुताबिक, प्रियंका कई बार अपने मायके चली जाती थी और लंबे समय तक वहीं रहती थी। इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया वो है बाल विवाह। पुलिस के अनुसार, प्रियंका और देवकृष्ण की शादी तब हुई थी जब दोनों नाबालिग थे। शादी के बाद वे अलग-अलग अपने परिवारों के साथ रहते रहे। जब प्रियंका बालिग हुई और उसे पति के साथ रहने के लिए कहा गया, तो वह इसके लिए तैयार नहीं थी। यही असहमति धीरे-धीरे एक खतरनाक साजिश में बदल गई प्रियंका ने अपने प्रेमी के साथ लूट का नाटक कर पति को रास्ते से हटाने की योजना बना ली। पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर इस पूरे मामले का खुलासा कर दिया। मयंक अवस्थी (एसपी) के नेतृत्व में टीम ने न सिर्फ प्रियंका और कमलेश को गिरफ्तार किया, बल्कि लूट का सामान भी बरामद कर लिया और हैरानी की बात यह रही कि वह सामान खुद प्रियंका के घर से ही मिला। फिलहाल इस मामले में तीसरे आरोपी सुरेंद्र की तलाश जारी है, जिसे इस हत्या को अंजाम देने के लिए सुपारी दी गई थी। इस खुलासे के बाद मृतक के परिवार में गुस्सा और दुख दोनों साफ दिखाई दे रहा है।

इजरायल चार दशकों से लेबनान में हिजबुल्लाह को हरा नहीं सका है

स्नेहा सिंह

इजरायल के पास दुनिया की सबसे आधुनिक सेनाओं में से एक है और अत्याधुनिक शस्त्रों का भंडार है। अमेरिका के साथ जुड़कर वह दुनिया के किसी भी देश के खिलाफ जंग कर सकता है और वर्तमान में भी ईरान के खिलाफ जंग पर चढ़ा हुआ है। उनके हवाई हमले को कोई रोक सके वैसा नहीं है। इतनी मजबूत और आधुनिक सेना और टेक्नोलॉजी होने के बावजूद इजरायल कई वर्षों से लेबनान और उसके आसपास के प्रदेशों में स्थित हिजबुल्लाह संगठन को हरा नहीं सका है। इस संगठन के लड़ाके बारबार इजरायल को परेशान करते हैं और युद्ध करके नष्ट होने की कगार पर हैं और फिर वापस राख में से खड़े हो जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इजरायल उन्हें आतंकी मानता है, लेकिन लेबनान में तो वे एक संगठित, हथियारबंद, राजनीतिक और सामाजिक ताकत रखने वाला संगठन हैं, जिसे नष्ट करना अत्यंत मुश्किल और शायद असंभव कहा जा सके वैसा काम है।

उल्लेखनीय है कि इजरायल ने 1982 में लेबनान पर हमला किया था। उस वक्त कुछ शिया नेताओं ने इजरायल का विरोध करने और जवाब देने के लिए एक संगठन बनाया था। उस समय यह संगठन ज्यादा टिक नहीं सका था। उसके बाद ईरान ने आगे आकर लेबनान की मदद की। ईरान के 1500 जितने 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स' को लेबनान भेजा गया। वहां उन्होंने इन शिया लड़ाकों को तैयार करके हिजबुल्लाह संगठन को मजबूती से खड़ा किया। शुरुआत के समय में वे बिखरे हुए और विस्थापित थे, लेकिन वर्तमान समय में वे अत्यंत शक्तिशाली संगठन माने जाते हैं और विशेष रूप से अपनी छिपकर हमला करने की 'गुरिल्ला पद्धति' के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं।

वर्ष 2000 में हिजबुल्लाह ने अपनी पहली जीत हासिल की थी। 22 वर्षों से लेबनान में कब्जा जमाकर बैठे इजरायली सेना के जवानों को उन्होंने भगाया था। उसके बाद 2006 में भी लेबनान और इजरायल के बीच जंग हुई थी। उसमें भी 34 दिनों तक संघर्ष चला, फिर भी इजरायल तब भी हिजबुल्लाह को हरा नहीं सका था।

उल्लेखनीय है कि 27 नवंबर, 2024 को इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम घोषित हुआ था। हाल ही में 1-2 मार्च, 2026 की देर रात हिजबुल्लाह संगठन ने उत्तरी इजरायल पर राकेटबारी की थी। उसके बाद फिर से युद्ध की शुरुआत हुई थी। 2 मार्च से 21 मार्च तक में हिजबुल्लाह ने 779 अटैक किए थे। उसने प्रतिदिन औसतन 40 राकेट, मिसाइल और ड्रोन द्वारा हमले किए थे। उससे झुंझलाई लेबनान सरकार ने हिजबुल्लाह की सशस्त्र विंग पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन इस संगठन को कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोलकर लड़ रहे हैं। हिजबुल्लाह के बारे में समझने वाली बात यह है कि यह कोई सेना नहीं है। यह एक हथियारबंद गुट है। वे शिया समुदाय का हिजबुल्लाह नाम का एक सामाजिक संगठन हैं। वे अस्पताल चलाते हैं, स्कूल चलाते हैं और शहर की नगर पालिकाओं में भी दखल देकर लोगों के काम करवाते हैं। लेबनान की संसद में भी हिजबुल्लाह के सांसद हैं। लेबनान में जब भी कोई शिया परिवार मुश्किल में होता है तो सरकार से पहले यह गुट मदद करने पहुंच जाता है। उसके कारण ही समाज में उनकी गहरी छाप है और जुड़ाव है। 1982 की लड़ाई और अन्याय से शुरू हुआ यह संघर्ष ईरान की मदद, सीरिया जंग की सीख और लेबनान के लोगों की जरूरत ने उसे बल प्रदान किया है।

इजरायल अब तक कई बार उसे कमजोर करने में सफल हुआ है, लेकिन कभी उसका अंत करके युद्ध जीत नहीं सका है।

हाल की बात करें तो इजरायल का अपना ही दावा है कि हिजबुल्लाह के पास लगभग 50,000 जितने सक्रिय लड़ाके हैं। इसके अलावा वे 30,000 से 50,000 जितने रिजर्व सैनिक भी रखते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें भी मैदान में उतारा जा सके। उसमें भी सैनिकों के विभिन्न भाग किए जाते हैं। हिजबुल्लाह संगठन में सबसे भयानक और खतरनाक 'रिजवान फोर्स' कही जाती है। हिजबुल्लाह उसे 'एलीट स्पेशल फोर्स' मानता है। उसमें लगभग 5,000 जितने स्पेशल लड़ाके हैं। उसमें से 3,000 लड़ाके और बाकी के 2,000 उनके सपोर्ट स्टाफ जैसे हैं। उनके पास एंटीटैंक मिसाइलें हैं। इसके अलावा वे टारगेट ध्वस्त करके किसी भी देश में और विशेष रूप से इजरायल में घुसकर हमले करने में भी एक्सपर्ट हैं। उन्हें उसके लिए ही विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाता है।

जानकारों के अनुसार हाल ही में शुरू हुए युद्ध से पहले हिजबुल्लाह के पास लगभग दो लाख जितने राकेट और मिसाइलें थीं। युद्ध के दौरान उनकी संख्या में कमी आई है, फिर भी वर्तमान में भी हिजबुल्लाह के पास 50,000 के आसपास ये हथियार बचे होंगे। आज भी यह संगठन हर दिन दर्जनों राकेट और मिसाइल छोड़कर इजरायल को छका रहा है। इसके अलावा उनके पास शॉर्ट रेंज के 'कत्युशा' और 'ग्राड' राकेट हैं। उनकी संख्या भी हजारों में है। ये राकेट लेबनान में ही बनाए जाते हैं। दूसरी ओर 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलें हैं। इसके अलावा 'कोर्नेट' जैसी एंटीटैंक रूसी मिसाइलें हैं। वे इजरायल के 'मर्कावा' टैंकों को नष्ट कर देती हैं। इसके अलावा 1000 जितने 'वन वे अटैक ड्रोन' हैं। ये ड्रोन एक बार लॉन्च होने के बाद टारगेट पर जाकर ही रुकते हैं।

इलेक्शन सिकनेस बनाम चुनावी बीमारी

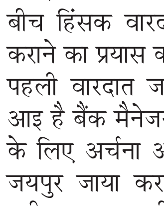

डॉ टी महादेव राव

मेरा मित्र मकरंद अचानक अजीब सा बर्ताव करने लगा है। पता नहीं उसे क्या हो गया? सुबह घर से निकलता है सामने जो भी मिलता है उसे दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करता है। चाय वाले चिरकुट को, सब्जी वाली सक्कू बाई को, ऑटो रिक्शा वाले अहमद को, किराने की दुकान वाले किशन को, पान दुकान वाले प्रहलाद को, कपड़े इस्त्री करने वाले कमल को, बेकरी वाले ब्रेगेंजा को, साइकिल दुकान वाले सैयद को गिनाता चलूं तो लंबी लिस्ट हो जाए।

किसी से भी मिलता है प्रणाम करता है, जी आप जनाब में बातें करता है। लगता है सारा आदर उंडेल उंडेल कर दर्शा रहा है, दिखा रहा है। हफ्ते भर से देख रहा हूं मुझसे भी बड़े आदर से पेश आ रहा है जबकि मैं उसका लंगोटिया यार हूं। मैंने मकरंद की पत्नी से पूछा कि मामला क्या है? वह भी कुछ न बता सकी। बात यह है पांच साल पहले रिटायर होकर घर में रहता है। दो तीन अखबार मंगवाता है और दिन भर पढ़ता रहता है। टीवी पर समाचार चैनलों के अलावा कुछ नहीं देखता। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर एप्स देखता रहता है।

भाभी ने बताया कल रात चार चोर घर में घुस आए। रात के दो बज रहे थे। मैं गहरी नींद में थी। मकरंद जी टी वी देख रहे थे। खड़का हुआ। वे चौंके। जब देखा चार हट्ट कट्टे चोर हाथ में हथौड़े और छुरियां लेकर आए, उन्होंने मुझे आवाज दी। सुनती हो तुम्हारे रिश्तेदार आए हैं। मैं ने आकर देखा चिल्लाने वाली थी, इन्होंने मना किया। चोरों को बिठाकर बोले नमस्कार जी। आइए। घर में कुछ नहीं है भई। चाहो तो तलाशी ले लो। महंगाई इतनी कि सारे गहने गिरवी पड़े हैं। पेंशन तो दस दिन में खत्म हो जाती है। बस ये टी वी है, चाहो तो ले जाओ। पहले तो चोर सकपकाए इनकी शांत चित्त मुद्रा देख।

इन्होंने कहा अट्ठाइस तारीख को चोरी करने निकलोगे तो इस कॉलोनी में क्या मिलेगा? सारे के सारे पेंशनभोगी महंगाई के मारे बीमार हैं। दस तारीख के पहले कोशिश कर लो तो शायद कुछ हासिल हो जाए। चोरों का लीडर अपनी आंखें पोंछने लगा। फिर अपनी जेब में से कुछ रुपए निकालकर इनकी हाथों में रखा और कहा माफ कीजिए अंकल जी। ये पांच हजार रुपए, शायद आपके काम आए। आप जैसा साहसी और दुखी मुझे नहीं दिखा। अब मैं और मेरे साथी कभी इस कॉलोनी की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखेंगे। चोर चले गए। मुझे लगा मकरंद को डॉक्टर को दिखाया जाए। डॉक्टर ने हमें बाहर रोक लिया और एक घंटे बाद हमें अंदर बुलाया। देखा जांच मेज पर मकरंद सोया हुआ है। डॉक्टर ने कहा देखिए इन्हें जो बीमारी है, उसे पोलिटिको इलेक्ट्रोलर फोबिया कहते हैं।

कहा जाए तो इलेक्शन सिकनेस। कौन गंगू तेली कब राजा भोज बन जाए वाली धारणा घर कर गई है। जैसे कई लोग इसी तरह प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री बन रहे हैं न। ये अलग बात है कि अपराधी और भ्रष्टाचारी चोर भी इनमें हैं। इसलिए सभी को प्रणाम करना, आदर देना कर रहे हैं। एक बात ध्यान रखें अगर इन्हें इस बीमारी से निजात देना है तो चार महीने तक इनको टीवी, अखबारों, मोबाइल से दूर रखें। नहीं तो यह फोबिया गंभीर रूप धारण कर इन्हें पूरी तरह पागल बना सकता है। भाभी जी ने कहा चोर टीवी ले जाते तो अच्छा था।

गणित को नए अंदाज में सीखिए, जीवन की घटनाओं से जोड़िए; हर समस्या को बनाइए सरल

गणित को केवल सूत्रों और जटिल हल याद करने तक सीमित रखने से कई छात्रों में डर पैदा हो जाता है और वे इसके - वास्तविक उपयोग को समझ नहीं पाते। इसलिए 'मैथ-ईश थिंकिंग' (Math-ish Thinking) पद्धति को अपनाना जरूरी है, जिसमें सवालों को व्यावहारिक तरीके से समझने पर जोर दिया जाता है, न कि सही उत्तर पाने पर। इससे गणित आसान, रोचक और रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोगी लगने लगता है।

मैथ-ईश की अवधारणा

पारंपरिक पढ़ाई में गणित के प्रश्नों के बिल्कुल सटीक उत्तर पर जोर दिया जाता है, जबकि 'मैथ-ईश' सोच अनुमान पर आधारित होती है। इसमें हर बार परफेक्ट उत्तर देना जरूरी नहीं होता, बल्कि स्थिति के अनुसार अंदाजा लगाना होता है।

क्या हैं मायने

यह तरीका आपको यह समझने में मदद करता है कि जिन नियमों और सूत्रों का आप उपयोग कर रहे हैं, वे वास्तव में आपको समझ में आ रहे हैं या नहीं। यह पद्धति केवल सही उत्तर पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आपकी सोच और समझ को व्यापक बनाने पर जोर देती है। उदाहरण के तौर पर, किसी जगह तक पहुंचने का समय हम अक्सर सटीक नहीं, बल्कि अनुमान के आधार पर तय करते हैं-जैसे लगभग पांच घंटे तीस मिनट। इस तरह की सोच गणित को सिर्फ परीक्षा तक नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी उपयोगी बनाती है।

प्रयास के बजाय अनुमान

हर बार बिल्कुल सटीक उत्तर निकालने पर ध्यान देने के बजाय, पहले अनुमान लगाकर सोचने की आदत ज्यादा उपयोगी होती है। इससे आप यह समझ पाते हैं कि सही उत्तर किस दायरे में होगा और उसी आधार पर जल्दी व सही निर्णय ले सकते हैं। खासकर प्रतियोगी परीक्षाओं या समय-सीमित परिस्थितियों में यह तरीका बेहद मददगार साबित होता है, क्योंकि आप कई गलत विकल्पों को तुरंत हटा सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब आपसे दो भिन्नों को जोड़ने के लिए कहा जाता है, तो सीधे लंबी गणना करने के बजाय आप पहले ही उनका अनुमान लगा सकते हैं कि उत्तर लगभग कितना होगा।

गणित में केवल नियम याद करना नहीं, बल्कि उनके पीछे का कारण समझना जरूरी है।

मैथ-ईश थिंकिंग गणित को रटने के बजाय समझने पर जोर देती है।

इससे भिन्नों और अन्य अवधारणाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ना आसान हो जाता है।

यह सोच गणित को सरल, उपयोगी और रोजमर्रा की जिंदगी में लागू करने योग्य बनाती है।

'क्यों' की तलाश

गणित में केवल नियम याद करना ही काफी नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि हम उन्हें क्यों अपनाते हैं। 'मैथ-इंश थिंकिंग' इसी समझ पर जोर देती है, जिससे आप भिन्नों और अन्य अवधारणाओं को वास्तविक जीवन से जोड़कर आसानी से समझ पाते हैं। इससे गणित रटने वाला विषय नहीं रहता, बल्कि समझने और इस्तेमाल करने का कौशल बन जाता है। साथ ही, आप इस पद्धति को रोजमर्रा की जिंदगी में सहजता से लागू कर पाते हैं, जिससे यह विषय अधिक सरल और रोचक लगता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के फ्री ऑनलाइन कोर्सेज
घर बैठे सीखें एआई, डेटा साइंस और प्रोग्रामिंग स्किल्स

आज के डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तेजी से दुनिया को बदल रही है और इसका प्रभाव रोजगार बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कई पारंपरिक नौकरियां बदल रही हैं, जबकि नई स्किल्स की मांग बढ़ती जा रही है। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने एआई, डाटा साइंस और प्रोग्रामिंग में रुचि रखने वालों के लिए कई निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स शुरू किए हैं।

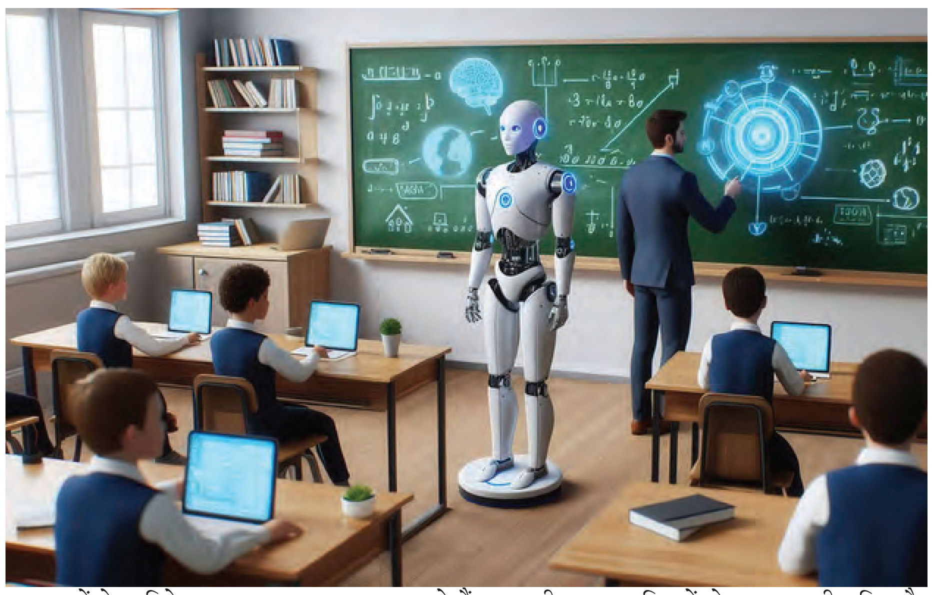

कौन कर सकता है आवेदन?

ये फ्री ऑनलाइन कोर्स न केवल शुरुआती लोगों के लिए हैं, बल्कि उन पेशेवरों के लिए भी उपयोगी हैं, जो मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीकों में अपने कौशल को और बेहतर बनाना चाहते हैं। इन कोर्सेज के माध्यम से सीखना आसान और व्यवस्थित तरीके से संभव होता है। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप इन्हें कभी भी और कहीं से भी कर सकते हैं, जिससे कामकाजी लोग भी अपने समय के अनुसार सीखते हुए आसानी से अपने स्किल्स को बढ़ा सकते हैं।

क्या सिखाया जाएगा?

इन कोर्सेज के माध्यम से आपको समझाया जाता है कि एआई और मशीन लर्निंग का आज के बिजनेस में कैसे उपयोग हो रहा है। प्रैक्टिकल उदाहरणों के जरिये बताया जाता है कि कंपनियां अपने काम को बेहतर बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कैसे करती हैं। साथ ही, आप सीखते हैं कि एआई की मदद से लंबी अवधि की बिजनेस रणनीति कैसे बनाई जाती है। साथ ही, आप डाटा विश्लेषण, पैटर्न पहचान व भविष्यवाणी जैसे महत्वपूर्ण कौशल भी विकसित करते हैं।

कोर्स करने के क्या लाभ हैं

आपके सीवी को मजबूत बनाता है और आपको अन्य उम्मीदवारों से आगे बढ़ने में मदद करता है। बेहतर स्किल्स और अपडेटेड नॉलेज के कारण आपके लिए नौकरी के नए अवसर खुलते हैं। साथ ही, आप इन कौशल के जरिये फ्रीलांसिंग या अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। ये छोटे-छोटे ऑनलाइन कोर्स न केवल नई तकनीक सिखाते हैं, बल्कि लगातार सीखने की प्रेरणा भी देते हैं, जिससे आप समय के साथ अपडेट रहते हैं और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं।

कैसे करें आवेदन?

आप सीधे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की वेबसाइट (pll.harvard.edu/catalog/free) पर जाकर उपलब्ध फ्री ऑनलाइन कोर्सों की सूची देख सकते हैं। वहां आपको विभिन्न विषयों से जुड़े कई कोर्स मिलेंगे, जिनमें से आप अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार किसी भी कोर्स का चयन कर सकते हैं। जिस कोर्स में आपकी दिलचस्पी हो, उसके लिंक पर क्लिक करते ही उससे संबंधित पूरी जानकारी आपकी स्क्रीन पर दिखाई देने लगेगी। इसमें कोर्स की अवधि, विषय-वस्तु और सीखने के लक्ष्य स्पष्ट रूप से बताए गए हैं। इसके बाद, आपको 'एनरोल नाउ' का विकल्प दिखाई देगा। इस विकल्प पर क्लिक करके आप आसानी से नामांकन (एनरोलमेंट) की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं और तुरंत अपने सीखने की शुरुआत कर सकते हैं।

आरसीएफएल में ऑपरेटर केमिकल ट्रेनी के 188 पदों पर भर्ती, आवेदन शुरू

राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक लिमिटेड ने ऑपरेटर (केमिकल) प्रशिक्षु के 188 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। यह अवसर उन उम्मीदवारों के लिए खास है, जिन्होंने रसायन विज्ञान में बीएससी (एनसीवीटी के साथ) या केमिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 अप्रैल 2026 से 27 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

जिन उम्मीदवारों ने भौतिकी विषय के साथ बीएससी (रसायन विज्ञान) की डिग्री पूरी की है और इसके बाद अटेंडेंट ऑपरेटर (केमिकल प्लांट) ट्रेड में एनसीवीटी पास किया है, वे इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इसके अलावा, केमिकल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में फुल-टाइम डिप्लोमा करने वाले और डिप्लोमा के बाद 1 साल का BOAT प्रशिक्षण पूरा कर चुके उम्मीदवार भी पात्र हैं।

साथ ही, जिन उम्मीदवारों ने इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के साथ थ्योरी + प्रैक्टिकल डिप्लोमा कोर्स किया है और निर्धारित प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वे भी इस भर्ती के लिए आवेदन करने के योग्य हैं।

जानें आवेदन शुल्क और आयु सीमा की शर्तें

आरसीएफएल भर्ती 2026 के लिए उम्मीदवारों की अधिकतम आयु सामान्य वर्ग के लिए 30 वर्ष, ओबीसी (एनसीएल) के लिए 33 वर्ष और एससी/एसटी के लिए 35 वर्ष तय की गई है, जबकि पूर्व सैनिकों, उनके बच्चों और 1984 दंगा पीड़ित परिवारों के सदस्यों को 5 साल की अतिरिक्त छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

ऑपरेटर (केमिकल) ट्रेनी पद के लिए उम्मीदवारों का चयन मुख्य रूप से तीन चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें सबसे पहले ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होगी।

इसके बाद सफल अभ्यर्थियों की दस्तावेज जांच की जाएगी और अंत में कौशल परीक्षण (स्किल टेस्ट) के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण के 6 महीने के दौरान उम्मीदवारों को 22,000 रुपये का समेकित वजीफा, साझा आधार पर मुफ्त हॉस्टल और आरसीएफ अस्पताल में चिकित्सा सुविधा दी जाएगी।

यूपीएससी : असिस्टेंट कीपर, स्टोर ऑफिसर और पशुधन अधिकारी के पदों पर भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कुल 16 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आयोग द्वारा जारी विज्ञापन संख्या 02/2026 के तहत यह भर्ती अभियान संचालित किया जा रहा है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 11 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 (शाम 6:00 बजे तक) के बीच ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इन पदों पर होगी भर्ती

इस भर्ती अभियान में संस्कृति मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के विभागों में कुल 16 रिक्तियां भरी जाएंगी। पदवार रिक्तियों का विवरण इस प्रकार हैः

एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया में असिस्टेंट कीपर का 1 पद,,रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में सीनियर स्टोर ऑफिसर ग्रेड-II के 7 पद

पशुपालन और डेयरी विभाग में पशुधन अधिकारी के 8 पद

असिस्टेंट कीपर पद का विवरण

असिस्टेंट कीपर का एकमात्र पद अनारक्षित श्रेणी के लिए है, जिसे दिव्यांग (PwBD) उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

सीनियर स्टोर ऑफिसर ग्रेड-II के लिए अवसर

डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली में सीनियर स्टोर ऑफिसर ग्रेड-II के कुल 7 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें 5 पद सामान्य, 1 ओबीसी और 1 एससी वर्ग के लिए आरक्षित है।

पशुधन अधिकारी पद की जानकारी

पशुपालन और डेयरी विभाग में पशुधन अधिकारी के 8 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें 4 पद ईडब्ल्यूएस, 1 ओबीसी, 2 एससी और 1 एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

आईआईटी तिरुपति में संकाय पदों पर भर्ती, पीएचडी वाले करें आवेदन; नौ मई अंतिम तिथि

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति ने फैकल्टी पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। यह भर्ती प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रेड I और II) के स्तर पर की जा रही है। आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है और इसकी अंतिम तिथि 9 मई 2026 निर्धारित की गई है। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन शुरू होने की तिथिः 10 अप्रैल 2026

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथिः 9 मई 2026

योग्यता मानदंड

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास संबंधित विषय में पीएचडी (PhD) की डिग्री होना अनिवार्य है। साथ ही, पिछली डिग्री में प्रथम श्रेणी या समकक्ष ग्रेड होना चाहिए और शैक्षणिक रिकॉर्ड लगातार अच्छा होना चाहिए। यदि किसी उम्मीदवार की पीएचडी किसी अन्य क्षेत्र में है, लेकिन उसका हालिया शोध कार्य विज्ञापित क्षेत्र से संबंधित है, तो वह भी आवेदन के लिए पात्र होगा।

असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड-IIः अधिमानतः 35 वर्ष से कम

असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड-Iः अधिमानतः 38 वर्ष से कम

एसोसिएट प्रोफेसरः अधिमानतः 45 वर्ष से कम

आरक्षित वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/पूर्व सैनिक) के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

राष्ट्रीयताः आवेदक का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है या जैसा कि आधिकारिक अधिसूचना में उल्लेखित हो।

चयन प्रक्रियाः इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन केवल इंटरव्यू (साक्षात्कार) के आधार पर किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया

आईआईटी तिरुपति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

Faculty Recruitment 2026 लिंक खोजें।

आधिकारिक नोटिफिकेशन को ध्यान से पढ़ें।

Apply Online पर क्लिक करें।

ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करें।

आवेदन फॉर्म में सही जानकारी भरें।

आवश्यक दस्तावेज (फोटो, हस्ताक्षर, प्रमाण पत्र) अपलोड करें।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा करें।

फॉर्म सबमिट करके उसका प्रिंटआउट भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

बारहवीं कक्षा के बाद सही कैरियर पाठ्यक्रम का चयन : सफलता का मार्ग

डॉ विजय गर्ग

बारहवीं कक्षा का पूरा होना एक छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह वह चरण है जहां किसी को अपने भविष्य के करियर की दिशा तय करनी होगी। आज उपलब्ध विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, सही पाठ्यक्रम चुनना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, उचित मार्गदर्शन, आत्म-जागरूकता और अवसरों की समझ के साथ, छात्र सूचित निर्णय ले सकते हैं जो पूर्ण करियर की ओर ले जाते हैं।

अपनी रुचियों और ताकत को समझना पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम आत्म-मूल्यांकन है। छात्रों को पाठ्यक्रम चुनने से पहले अपनी रुचियों, कौशल और योग्यता की पहचान करनी चाहिए। साथियों के दबाव या सामाजिक अपेक्षाओं की बजाय जुनून पर आधारित करियर चुनने से अक्सर दीर्घकालिक संतुष्टि और सफलता मिलती है।

विज्ञान छात्रों के लिए कैरियर विकल्प विज्ञान क्षेत्र के छात्रों के पास विविध अवसर हैं। पारंपरिक पथों में इंजीनियरिंग (बी.टेक), मेडिसिन (एमबीबीएस) और फार्मेसी (बी.फार्म) शामिल हैं। इनके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्र भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रम भी आशाजनक विकल्प हैं।

वाणिज्य छात्रों के लिए कैरियर विकल्प वाणिज्य के छात्र बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम), चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) जैसे पाठ्यक्रमों का पता लगा सकते हैं। वित्त, बैंकिंग, प्रबंधन और उद्यमिता में करियर उत्कृष्ट विकास की संभावनाएं प्रदान करता है। डिजिटल बाजारों के उदय के साथ, ई-कॉमर्स और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) जैसे क्षेत्र भी विस्तार कर रहे हैं।

कला/मानवता विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर विकल्प कला के छात्रों के पास कैरियर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला होती है, जिसमें स्नातक कला (बीए), पत्रकारिता, कानून (एलएलबी), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान शामिल हैं। जनसंचार, फैशन डिजाइनिंग और ललित कला जैसे रचनात्मक क्षेत्र भी रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं। सिविल सेवा कई मानविकी छात्रों के लिए एक लोकप्रिय लक्ष्य बनी हुई है।

व्यावसायिक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में, कौशल-आधारित शिक्षा तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन, होटल प्रबंधन और पर्यटन के पाठ्यक्रम व्यावहारिक ज्ञान और तेजी से रोजगार प्रदान करते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को उद्योग से संबंधित कौशल प्राप्त करने में भी मदद करते हैं।

कैरियर परामर्श का महत्व कैरियर परामर्शदाताओं, शिक्षकों और पेशेवरों से मार्गदर्शन प्राप्त करने से छात्रों को विभिन्न करियर पथों को समझने में मदद मिल सकती है। परामर्श सत्र, योग्यता परीक्षण और कैरियर सेमिनार निर्णय लेने में स्पष्टता और आत्मविश्वास प्रदान कर सकते हैं।

प्रौद्योगिकी और उभरते करियर की भूमिका प्रौद्योगिकी कार्य के भविष्य को आकार दे रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग में करियर की अत्यधिक मांग है। छात्रों को उद्योग के रुझानों से अवगत रहना चाहिए तथा ऐसे पाठ्यक्रम चुनना चाहिए जो भविष्य के नौकरी बाजार के अनुरूप हों।

निष्कर्ष बारहवीं कक्षा के बाद कैरियर पाठ्यक्रम चुनना सिर्फ डिग्री का चयन करना नहीं है। यह किसी के भविष्य को आकार देने के बारे में है। कोई भी विकल्प नहीं है; सही चुनाव व्यक्तिगत रुचियों, क्षमताओं और लक्ष्यों पर निर्भर करता है। सावधानीपूर्वक योजना बनाने, निरंतर सीखने और समर्पण के साथ, छात्र अपने चुने हुए किसी भी क्षेत्र में सफल और सार्थक करियर बना सकते हैं।

स्लिंग बैग के नए और लेटेस्ट डिजाइंस

स्लिंग बैग को आप केवल एक्सेसरीज के तौर पर भी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इसके आपको अलग-अलग साइज और डिजाइन भी काफी देखने को मिल जाएंगे। साथ ही लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के हिसाब से ही स्लिंग बैग खरीदें।

किसी भी लुक को कम्प्लीट करने के लिए हम कई तरह की एक्सेसरीज को स्टाइल करना काफी पसंद करते हैं। वहीं आजकल हम स्लिंग बैग को भी एक्सेसरीज में ही गिनते हैं। वहीं कई इसे जरूरत अनुसार ही कैरी करना पसंद करते हैं।

हालांकि आजकल कई थर के स्लिंग बैग आपको ऑनलाइन स्टोर से लेकर ऑफलाइन मार्केट में नजर आ जाएंगे, लेकिन उन्हें स्टाइल करते समय कई बार हम कंफ्यूज हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं स्लिंग बैग के कुछ लेटेस्ट और स्टाइलिश डिजाइंस। सगठ ही बताएंगे इन्गें स्टाइल करने के कुछ खास टिप्स ताकि आपका लुक कम्प्लीट और क्लासी नजर आए।

लेदर स्लिंग बैग

लेदर डिजाइन तो हमेशा ही ट्रेंड में रहता है। वहीं इस तरह का मिलता-जुलता लेदर बैग आपको मार्केट में लगभग 200 रुपये से लेकर 1200 रुपये में मिल जाएगा। बता दें कि इसमें आपको लेदर क्वालिटी के हिसाब से अलग-अलग वैरायटी और डिजाइन देखने को मिलेंगे।

स्टोन वर्क स्लिंग बैग

इस तरह का फैंसी डिजाइन वाला स्लिंग बैग आप साड़ी से लेकर किसी भी तरह की पार्टी वियर आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। बता दें कि इस तरह का मिलता-जुलता स्टोन वर्क वाला स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 400 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में

आसानी से मिल जाएगा।

कूल लुक स्लिंग बैग

वहीं वेस्टर्न लुक पाने के लिए आप इस तरह के कूल प्रिंटेड डिजाइन वाला स्लिंग बैग कैरी कर सकती हैं। बता दें कि इसमें आपको कई तरह के स्ट्रैप वाले और काफी तरह के प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। वहीं इस तरह का मिलता-जुलता स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 300 रुपये से लेकर 600 रुपये में मिल जाएगा।

पर्ल डिजाइन स्लिंग बैग

अगर आप हैण्डमेड वर्क की शौकीन हैं तो इस तरह का पर्ल डिजाइन वाला स्लिंग बैग आपके लिए बेस्ट रहेगा। बता दें कि इसे आप किसी भी तरह के वेस्टर्न वियर से लेकर इंडियन वियर तक के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का मिलता-जुलता पर्ल डिजाइन स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 350 रुपये से लेकर 800 रुपये में मिल जाएगा।

अगर आपको स्लिंग बैग के लेटेस्ट डिजाइंस और इनसे जुड़े कुछ खास स्टाइलिंग टिप्स पसंद आए हों तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

आशा का 78 साल का सफर, 20 भाषाओं में गाए लगभग 12 हजार गाने

10 साल की उम्र में शुरू किया करियर गानों और रेस्टोरेंट से कमाए करोड़ों; आशा भोसले की संपत्ति 100 करोड ?

भारत की सबसे मशहूर गायिकाओं में से एक आशा भोसले का आज निधन हो गया है। उन्होंने 10 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी। मनोरंजन जगत को कई सदाबहार हिट गाने देने वाली भोसले को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है। इनमें पद्म विभूषण और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार शामिल हैं। आइए जानते हैं आशा भोसले के पास कितनी संपत्ति थी?

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है नाम

आशा भोसले का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा गानों (सोलो, डुएट और कोरस) की रिकॉर्डिंग करने वाली गायिका हैं।

आशा भोसले की संपत्ति

इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, इस महान कलाकार की अनुमानित कुल संपत्ति 100 करोड़ रुपये है। आशा भोसले के पोर्टफोलियो में मुंबई और पुणे में आलीशान रिहायशी संपत्तियां शामिल हैं। उनकी कमाई उनके शानदार करियर और दशकों से दिए जा रहे लोकप्रिय हिट गानों के एल्बम से होती है।

गायिका ने खोले रेस्टोरेंट

अपने गायन करियर के अलावा, आशा भोसले ने दुनिया भर में रेस्टोरेंट चेन खोलकर अपने खान-पान के शौक को भी जारी रखा है। इनमें खाड़ी क्षेत्र के देश जैसे यूएई, कुवैत और बहरीन, साथ ही यूके के शहर बर्मिंघम और मैनचेस्टर शामिल हैं। इस चेन का नाम उनके नाम पर है। यह 2002 में दुबई में शुरू किया गया एक अंतरराष्ट्रीय डाइनिंग ब्रांड है।

कॉन्सर्ट से बनाई पहचान

अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर इस महान और प्रभावशाली गायिका ने अपने शानदार और दिल को छू लेने वाले कॉन्सर्ट्स के जरिए एक बहुत बड़ा प्रशंसक वर्ग बनाया है। दुबई, त्रिनिदाद, अमेरिका, कनाडा और कई अन्य देशों में उन्होंने कॉन्सर्ट किए हैं।

हर भारतीय संगीत प्रेमी आज ये ही कह रहा है, लेकिन अफसोस कि आज उसकी ये मुराद पूरी नहीं हो सकती है। क्योंकि इस गाने को अपनी आवाज से यादगार बनाने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले इस दुनिया को छोड़कर जा चुकी हैं। 92 साल की उम्र में आशा भोसले ने अंतिम सांस ली। भले ही अब आशा भोसले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपने सदाबहार गीतों के जरिए आशा भोसले हमसे कभी जुदा नहीं होंगी, ये वादा रहा। डालते हैं एक नजर आशा भोसले के प्रारंभिक जीवन से लेकर उनके करियर, अवॉर्ड्स और यादगार गीतों पर।

संगीत से जुड़े परिवार में हुआ जन्म

8 सितंबर 1933 को आशा भोसले का जन्म एक संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक एक्टर और क्लासिकल गायक थे। आशा भोसले स्वर कोकिला लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। आशा भोसले जब नौ साल की थीं तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी फैमिली पुणे से कोल्हापुर और बाद में मुंबई आ गई। बड़ी बहन लता मंगेशकर के पद्चिन्हों पर चलते हुए वह भी संगीत की दुनिया में आईं। दोनों बहनों ने परिवार चलाने के लिए फिल्मों में गाना शुरू किया। आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में 'चला चला नाव वाला' गाया था। जबकि बॉलीवुड में उनका पहला गाना 'चुनरिया (1948)' फिल्म में 'सावन आया' था। यहां से शुरू हुआ संगीत और गीतों का सफर पांच दशक से ज्यादा समय तक चला और आशा भोसले देखते-देखते भारतीय संगीत की दिग्गजों में शामिल हो गईं।

लीजेंड्री सिंगर्स के बीच बनाई पहचान, एक्टिंग में भी आजमाया हाथ

1940 के दशक के अंत से 1950 के दशक की शुरुआत तक गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी प्रमुख गायिकाओं के बीच आशा भोसले ने भी अपनी जगह बनानी शुरू की। 1950 के दशक में आशा भोसले ने हिंदी फिल्मों में अधिकांश प्लेबैक सिंगर्स की तुलना में अधिक गीत गाए। इनमें से अधिकतर कम बजट वाली फिल्मों में थे। उनके शुरुआती गीतों की कंपोजिशन ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य संगीतकारों ने की थी। सज्जाद हुसैन के संगीत में बनी फिल्म 'संगदिल' (1952) के गानों को आवाज देने से आशा भोसले को पहचान मिली। उसी साल ओपी नैयर द्वारा निर्देशित फिल्म 'छम छमा छम' में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और फिल्म के 11 में से 10 गाने भी गाए। इसके बाद बिमल रॉय ने उन्हें परिणीता (1953) में गाने का मौका दिया। राज कपूर ने उन्हें फिल्म बूट पॉलिश (1954) के सभी गाने गाने के लिए साइन किया, जिससे उन्हें लोकप्रियता मिली।

16 साल की उम्र में बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी से की शादी

आशा भोसले का करियर अभी ढंग से शुरू ही हुआ था कि सिर्फ 16 साल की उम्र में ही उन्होंने बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से शादी कर ली। गणपत राव आशा से लगभग 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया। इस वजह से आशा और लता मंगेशकर के रिश्ते में दूरी भी आई, जो एक लंबे वक्त तक बनी रही। लेकिन आशा भोसले ने अपनी बहन और परिवार के खिलाफ जाकर अपने प्यार को चुना। एक पुराने इंटरव्यू में आशा भोसले ने अपनी शादी के बारे में कहा था, 'पति का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका। जब मैं अपने छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो परिवार ने मायके वापस लौट जाने को कहा।' हालांकि, आशा भोसले और गणपत राव की शादी ज्यादा वक्त तक नहीं टिक सकी। 11 साल बाद दोनों अलग हो गए। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए।

छह साल छोटे आरडी बर्मन से की दूसरी शादी

गणपत राव से अलग होने और पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। इस बार उन्हें दिग्गज संगीतकार आरडी बर्मन (पंचम दा) में अपना प्यार मिला। हालांकि, आशा की ये प्रेम कहानी भी आसान नहीं थी, क्योंकि आरडी बर्मन उनसे लगभग छह साल छोटे थे। इसीलिए जब 47 साल की आशा भोसले ने आरडी बर्मन से शादी करने की बात रखी, तो पंचम दा की मां इस बात के लिए नहीं मानीं। जब पंचम दा ने अपनी मां को आशा से शादी के बारे में बताया, तो उन्होंने साफ कह दिया कि 'यह शादी मेरी लाश पर होगी।' विरोध की वजह थी आशा भोसले आरडी बर्मन से 6 साल बड़ी थीं और तीन बच्चों की मां थीं। हालांकि, बाद में 1980 में दोनों की शादी हुई और इस जोड़ी ने संगीत की दुनिया को कई यादगार नगमे तोहफे में दिए। दोनों की शादी 1994 में आरडी बर्मन के दुनिया से अलविदा कहने तक चली।

20 भाषाओं में गाए 12 हजार गाने, नामी संगीतकारों संग किया काम

आशा भोसले का करियर लगभग पांच दशक लंबा रहा। इस दौरान उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक यादगार गाने दिए। सबसे खास बात कि अपने इतने लंबे करियर के दौरान आशा भोसल ने अलग-अलग दौर के कई दिग्गज संगीतकारों के साथ काम किया और कईयों के साथ उनकी जोड़ी काफी हिट रही। इस लिस्ट में शंकर-जयकिशन, खैय्याम, रवि, सचिन देव बर्मन, आरडी बर्मन, ओपी नैय्यर, इलैयाराजा, बप्पी लहरी और ए.आर रहमान जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। उन्होंने फिल्मों के अलावा म्यूजिक एल्बम में और कई सिंगल सॉन्ग भी गाए।

आशा भोसले की महानता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने हिंदी के अलावा कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। साल 2006 में खुद आशा भोसले ने बताया था कि उन्होंने 12 हजार गाने गाए हैं। यही नहीं आशा भोसले ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामित होने वाली पहली भारतीय गायिका भी हैं।

किस्सों में सिमटी आशा ताई की जीवन कहानी

अपनी बड़ी दीदी लता मंगेशकर के पद्चिन्हों पर चलते हुए आशा भोसले ने भी संगीत की दुनिया में कदम रखा। पिता के गुजरे जाने के बाद दोनों बहनों ने परिवार को चलाने के लिए काम करना शुरू किया, फिल्मों में गीत गाने शुरू किए। आशा भोसले ने अपना पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में गाया था। फिर बॉलीवुड फिल्म 'चुनरिया (1948)' में 'सावन आया' नाम का गीत उन्होंने गाया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह बॉलीवुड की सबसे मशहूर गायिका बन गईं। कई भाषाओं में गीत गए, देश और दुनिया में प्रसिद्धि हासिल की। यह तो उनके करियर की बात थी लेकिन आशा भोसले की जिंदगी भी हमेशा खबरों का हिस्सा रही थीं। जानिए, आशा भोसले के जीवन से जुड़े कुछ खास किस्से।

दीदी लता मंगेशकर संग रिश्ता

लता मंगेशकर और आशा भोसले की गायिकी का अंदाज अलग था। दोनों ने हिंदी सिनेमा और संगीत जगत में बड़ा योगदान दिया है। लेकिन अक्सर ही दोनों के बीच राइवरली की बात भी सामने आती थी। दोनों ने कभी इस बात को स्वीकार नहीं किया। आशा भोसले तो लता दीदी को अपना आइडल मानती थीं। लेकिन कम उम्र में ही आशा भोसले के कारण लता मंगेशकर का दिल दुखा था। दरअसल, आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से प्रेम विवाह कर लिया। गणपत राव आशा से 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया।

लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर बनी फिल्म

बॉलीवुड में एक फिल्म 'साज' भी बनी थी, इसे साई परांजपे ने बनाई थी। कहा जाता है कि यह फिल्म लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर थी। फिल्म में लीड रोल में शबाना आजमी और अरुणा ईरानी थीं, इन्होंने फिल्म में दो बहनों का रोल किया था।

एक इंटरव्यू में इस फिल्म के बारे में आशा भोसले ने कहा था, 'यह बिल्कुल भी सच नहीं है। दो महिलाओं को फिल्म में लेना, कुछ घटनाओं को चुनना और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर 3 घंटे की फिल्म बना देना, यह तो समय की पूरी बर्बादी है।'

जबकि डायरेक्टर ने कहा था कि इसका आइडिया उन्हें एक्ट्रेस शबाना आजमी से मिला था। एक्ट्रेस ने उनसे एक प्लेबैक सिंगर पर फिल्म बनाने को कहा था। डायरेक्टर ने यह भी कहा कि फिल्म में दो बहनों की जो कहानी दिखाई गई है, वह एक राइटर के तौर पर उनके खुद के अनुभवों और भावनाओं पर आधारित है।

पहले पति ने प्रेग्नेंसी की हालत में घर से बाहर निकाला

आशा भोसले और गणपत राव की शादी ज्यादा चली भी नहीं। 11 साल बाद आशा भोसले पति से अलग हो गई। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए। पहले पति गणपत राव ने आशा भोसले को 2 बच्चों और प्रेग्नेंसी के हालत में घर से निकाल दिया। आशा भोसले ने एक इंटरव्यू में अपनी पहली शादी के बारे में कहा था, 'पति का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका। जब मैं अपने छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो परिवार ने मायके वापस लौट जाने को कहा।'

छह साल छोटे आर डी बर्मन से प्यार और दूसरी शादी

पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन और आशा भोसले की मुलाकात हुई। आरडी बर्मन ने ही आशा भोसले के सामने अपने प्यार का इजहार पहले किया था। वह आशा भोसले से 6 साल छोटे थे।

म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन से आशा भोसले ने 1980 में शादी की। लेकिन इनकी शादी की राह आसान नहीं थी। आशा भोसले के तीन बच्चे पहली शादी से थे, ऐसे में आरडी बर्मन के परिवार वाले इस शादी के राजी नहीं थे।

लेकिन आरडी बर्मन नहीं माने, उन्होंने आशा से शादी की। आगे चलकर दोनों ने बेहतरीन गीतों पर काम किया। साल 1994 में आरडी बर्मन का निधन हुआ, इसके बाद आशा भोसले अकेली पड़ गईं।

बेटी और बेटे के गुजर जाने से टूटा दुखों का पहाड़

पति आरडी बर्मन को आशा भोसले पहले ही खो चुकी थीं। फिर उनकी जिंदगी से जुड़े दो खास लोग भी दुनिया को अलविदा कह गए। आशा भोसले की बेटी वर्षा ने साल 2012 में आत्महत्या कर ली। वहीं चार साल बाद यानी 2015 में बेटे हेमंत का कैंसर के कारण निधन हो गया। दो बच्चों की मौत ने आशा भोसले को भीतर से तोड़ दिया।

सिंगर ना होती तो कुक बनतीं आशा भोसले

आशा भोसले को आज दुनिया एक मशहूर गायिका के रूप में जानती है। अगर वह कभी सिंगर ना बन पातीं तो कुक के प्रोफेशन को चुनतीं। आशा भोसले ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अगर वह सिंगर नहीं बनती तो वह एक कुक होतीं। बता दें कि दुबई, कुवैत में उनके नाम से रेस्टोरेंट भी है। यहां पर भारतीय खाना मिलता है। एक खबर के अनुसार इंटरनेशनल कुक रसेल स्कॉट ने आशा ब्रांड के राइट्स खरीदे थे। वह ब्रिटेन में लगभग 40 रेस्टोरेंट खोलने की योजना बना रहे थे।

बड़े पर्दे पर दिखाया एक्टिंग का हुनर

आशा भोसले ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गीत गाए। हिंदी के अलावा वह कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गा चुकी हैं। सिंगिंग के अलावा आशा भोसले ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया था। साल 2013 में आशा भोसले ने एक मराठी फिल्म 'माई' में अभिनय किया। इसमें उनके अभिनय को खूब सराह गया था।

'जन नायकन' लीक पर सीबीएफसी ने दी प्रतिक्रिया आरोपों को बताया बेबुनियाद और झूठा

थलापति विजय अभिनीत तमिल फिल्म 'जन नायकन' के कथित तौर पर लीक होने के बाद हंगामा जारी है। फिल्म के लीक होने के बाद केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की तरफ उंगलियां उठने लगीं। दबी आवाज में सीबीएफसी पर फिल्म लीक करने के आरोप लगे। बोर्ड ने अब एक बयान जारी कर ऐसे सभी दावों का खंडन किया है। बोर्ड ने यह साफ कर दिया है कि कथित तौर पर फिल्म की लीक को बोर्ड से जोड़ने वाली रिपोर्ट बेबुनियाद और झूठी हैं।

बोर्ड का बयान

एक बयान में बोर्ड ने कहा, 'ये रिपोर्टें कि तमिल फिल्म 'जन नायकन' सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) से लीक हो गई है, बेबुनियाद और झूठी हैं। कंटेंट तक पहुंच पासवर्ड से सुरक्षित है, और केडीएम पूरी तरह से निर्माता/फिल्म निर्माता के पास रहता है। एक वैध केडीएम के बिना, फिल्म तक पहुंचा या उसे देखा नहीं जा सकता। 'जन नायकन' का डिजिटल सिनेमा पैकेज 17 मार्च को मुंबई में आवेदक को सौंप दिया गया था। तब से यह उन्हीं के पास है।'

फिल्मी हस्तियों ने दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'जन नायकन' सुर्खियों में तब आ गई, जब कथित तौर पर फिल्म के कुछ दृश्य ऑनलाइन लीक हो गए हैं। इस मामले पर चिरंजीवी, रजनीकांत और कमल हासन सहित कई फिल्मी हस्तियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी और पाइरेसी के खिलाफ आवाज उठाई।

मेकर्स का बयान

मेकर्स ने एक ऑफिशियल बयान जारी करके लोगों से अपील की थी कि वे लीक हुई कोई भी सामग्री न देखें और न ही उसे शेयर करें। प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि फिल्म के कुछ हिस्से और कुछ मामलों में तो लगभग पूरी फिल्म ही गैर-कानूनी तरीके से ऑनलाइन सर्कुलेट कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कब रिलीज होनी थी फिल्म?

'जन नायकन' को सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतों की वजह से पहले ही देरी का सामना करना पड़ा है। इस फिल्म के मूल रूप से पोंगल के मौके पर 9 जनवरी को रिलीज होने की उम्मीद थी। अब फैंस इसकी रिलीज को लेकर नए अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

दावा- सलमान की 'मातृभूमि' में चीन का नाम नहीं होगा रक्षा मंत्रालय की आपत्ति के बाद कंटेंट में बदलाव

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म मातृभूमि को लेकर नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में कई बदलाव किए गए हैं ताकि भारत-चीन के बेहतर होते कूटनीतिक संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।गौरतलब है कि फिल्म का नाम पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था, जिसे इस साल बदलकर मातृभूमि कर दिया गया। यह फिल्म 2020 में भारत और चीन के बीच हुए संघर्ष पर आधारित थी।

हाल ही में दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हुए हैं, इसलिए रक्षा मंत्रालय को फिल्म के कंटेंट को लेकर कुछ आपत्ति थी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में बताया गया है कि मंत्रालय के निर्देश के अनुसार फिल्म में चीन का नाम नहीं लिया जाएगा।

करीब 40% फिल्म दोबारा शूट की गई

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, "पहले यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय के कहने पर सलमान खान और डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने फिल्म को दोबारा शूट किया और कहानी में थोड़ा फिक्शन एंगल जोड़ दिया। लगभग 40% फिल्म दोबारा शूट की गई, जिसमें रोमांटिक सीन और बैकस्टोरी भी जोड़ी गई। मेकर्स ने नई फिल्म मंत्रालय को भेजी ताकि उन्हें NOC मिल सके, लेकिन मंत्रालय को अभी भी कुछ चिंताएं हैं।"सूत्र ने आगे बताया, "सलमान खान से यह भी कहा गया कि फिल्म में चीन का नाम बिल्कुल नहीं होना चाहिए। यह बात पहले ही मेकर्स को बता दी गई थी। इस महीने जो नया वर्जन जमा किया गया है, उसमें चीन का कहीं जिक्र नहीं है।"

फिल्म 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन शूटिंग और कंटेंट में बदलाव के कारण इसे टाल दिया गया। वहीं दूसरी तरफ, सलमान खान जल्द ही दिल राजू के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी और इसका डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली करेंगे।

मधुबाला की बायोपिक में सारा अर्जुन नजर आ सकती हैं, आधिकारिक घोषणा बाकी

हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अदाकाराओं में गिनी जाने वाली मधुबाला की बायोपिक को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर नए नाम सामने आ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, लीड रोल के लिए सारा अर्जुन का नाम सबसे आगे है। फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस करेंगे, जबकि निर्देशन जसमीत के रीन करेंगी।

सारा अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। इसी के बाद उनके करियर को नया मोड़ मिला और अब उन्हें मधुबाला जैसी आइकॉनिक शख्सियत का किरदार निभाने का मौका मिल सकता है।

फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। 2026 के आखिर तक इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है। फिल्म 50-60 के दशक के गोल्डन एरा को बड़े स्तर पर दिखाएगी। इसमें मधुबाला की फिल्मों के साथ उनकी निजी जिंदगी, खासकर रिश्ते, संघर्ष और कम उम्र में हुई मौत को विस्तार से दिखाया जाएगा। इस किरदार के लिए सारा अर्जुन को खास तैयारी करनी होगी। वह लुक टेस्ट, डायलॉग डिलीवरी और बॉडी लैंग्वेज पर काम करेंगी, ताकि मधुबाला की ग्रेस और स्क्रीन प्रेजेंस को सही तरीके से पर्दे पर उतार सकें।

मधुबाला की बायोपिक के लिए पिछले कुछ समय में कई बड़ी एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कियारा आडवाणी का नाम जोड़ा गया था। हाल ही में अनीत पड्डा को लेकर भी खबरें आई थीं कि वह इस रोल के लिए चुनी जा सकती हैं। अब ताजा रिपोर्ट्स में सारा अर्जुन का नाम सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आया है। अगर कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह उनके करियर का बड़ा ब्रेक साबित हो सकता है। दर्शकों को हिंदी सिनेमा के ग्लैमरस और रहस्यमयी दौर को करीब से देखने का मौका मिलेगा। हालांकि, आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

कौन हैं आशा भोसले की पोती जनाई भोसले? दादी के नक्शे-कदम पर चल बिखेर रहीं सुरीली आवाज का जादू

प्रख्यात गायिका आशा भोसले नहीं रहीं। कल शनिवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गायिका की पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की थी कि उनकी दादी को थकान और सीने में संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया। जनाई के इस पोस्ट के बाद एक बार फिर लोगों के बीच यह चर्चा है कि आशा भोसले की पोती जनाई आखिर कौन हैं?

दादी के नक्शे कदम पर हैं जनाई भोसले

जनाई भोसले, आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले की बेटी हैं। जनाई का जन्म ऐसे परिवार में हुआ, जहां गीत-संगीत रगों में दौड़ता है, लिहाजा जनाई के पास भी यह हुनर है। दादी के नक्शे कदम पर चलते हुए उन्होंने भी संगीत की दुनिया में आगे बढ़ने का फैसला लिया है। बीते साल उनका गाना 'केहंदी है' काफी हिट रहा था। खुद दादी आशा भोसले ने पोती की तारीफ कर हौसला बढ़ाया था। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान ने भी जनाई की तारीफ की थी।

एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू को तैयार

जनाई ने अपनी सिंगिंग करियर की शुरुआत तो कर ही दी है। अब वे एक्टिंग की दुनिया में भी कदम रखने वाली हैं। वे 'द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज' से फिल्म डेब्यू करेंगी। इस फिल्म के निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं।

जनाई की सोशल मीडिया पर भी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर साढ़े तीन लाख से अधिक लोग फॉलो करते हैं।

बीते साल दादी आशा भोसले के जन्मदिन पर जनाई ने स्पेशल पोस्ट साझा कर शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने अपनी दादी के साथ तस्वीरें शेयर कर लिखा था, 'मेरी छोटी सी आशा को जन्मदिन मुबारक'। उनके इस मैसेस से साफ है कि जनाई के लिए दादी उम्मीद और आशा की किरण थीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सुकमा में 308 करोड़ रुपये के कई विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 अप्रैल को सुकमा जिले के दौरे पर पहुंचेंगे। यह दौरा कई मायनों में खास माना जा रहा है, क्योंकि बस्तर संभाग में नक्सल उन्मूलन को लेकर तय समयसीमा के बाद मुख्यमंत्री का यह पहला दौरा है। ऐसे में प्रशासनिक सक्रियता के साथ-साथ विकास कार्यों को गति देने का संकेत भी इससे मिल रहा है।

मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान जिले को बड़ी सौगात देने वाले हैं। लगभग 308 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और नई योजनाओं का भूमिपूजन किया जाएगा। इन योजनाओं में सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पेयजल और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य शामिल हैं, जिनका सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा।

इस दौरान सुकमा से ही एक नई स्वास्थ्य पहल की शुरुआत भी होगी। "मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान" के जरिए दूर-दराज और नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सके।

स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री 'अटल आरोग्य लैब' का उद्घाटन भी करेंगे। इस लैब के शुरू होने से जिले में आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी, जिससे मरीजों को बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और इलाज की प्रक्रिया तेज होगी।

सुकमा लंबे समय से नक्सल गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्र रहा है, इसलिए इस दौरे को विकास के साथ-साथ विश्वास बहाली के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। सरकार का मानना है कि बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार से क्षेत्र में स्थिरता और शांति को बढ़ावा मिलेगा।

बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी को मिला बड़ा सपोर्ट!

सीएम हेमंत-कल्पना सोरेन संग टीएमसी के लिए मांगेंगे वोट

राँची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। असम चुनाव के बाद अब पश्चिम बंगाल की सियासत गर्म होती नजर आ रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो विधायक कल्पना सोरेन जल्द ही पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में उतरने वाले हैं। दोनों नेता वहां तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं संबोधित करेंगे।

यह दौरा पूरी तरह से चुनावी रणनीति के तहत तय किया गया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होना है, जिसके तहत 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच हेमंत सोरेन का बंगाल दौरा राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि वे कई इलाकों में रोड शो और जनसभाओं के जरिए ममता बनर्जी के समर्थन में माहौल बनाने की कोशिश करेंगे।

इस पूरे घटनाक्रम की सबसे दिलचस्प बात यह है कि झारखंड में एक साथ सरकार चला रहे दल कांग्रेस और झामुमो पश्चिम बंगाल में एक-दूसरे के आमने-सामने नजर आएंगे। जहां एक ओर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के साथ मैदान में है, वहीं कांग्रेस भी अलग से चुनाव लड़ रही है। ऐसे में झारखंड में सहयोगी रहे दलों का बंगाल में अलग-अलग राजनीतिक रास्ता अपनाना चुनाव को और रोचक बना रहा है।

टीएमसी को लेकर झामुमो का भरोसा

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि दौरे की पूरी रूपरेखा लगभग तैयार है और जल्द ही हेमंत सोरेन बंगाल के लिए रवाना होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में फिर से सरकार बनेगी और जनता का समर्थन उन्हें लगातार मिल रहा है। उनके अनुसार, भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

'नहीं पड़ेगा चुनावी नतीजों पर कोई असर'

वहीं दूसरी ओर भाजपा ने इस दौरे को ज्यादा प्रभावी मानने से इनकार किया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र प्रसाद का कहना है कि हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के प्रचार से पश्चिम बंगाल में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता इस बार बदलाव के मूड में है और भाजपा के पक्ष में मतदान करने का मन बना चुकी है।

बंगाल चुनाव पर राष्ट्रीय राजनीति की नजर

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह चुनाव न केवल पश्चिम बंगाल के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके दूरगामी असर देखने को मिल सकते हैं। झारखंड के नेताओं की सक्रिय भागीदारी इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय दल अब अपने प्रभाव को दूसरे राज्यों तक विस्तार देने की कोशिश कर रहे हैं।

और दिलचस्प मुकाबला हुआ

कुल मिलाकर, असम के बाद अब पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और हेमंत सोरेन व कल्पना सोरेन का प्रस्तावित दौरा इस राजनीतिक मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है।

'सेटिंग' गिरोह का हुआ भंडाफोड़? तमाड़ में 150 से अधिक अभ्यर्थी हिरासत में, पुलिस कर रही जांच

रांची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड उत्पाद सिपाही परीक्षा के दौरान रांची के तमाड़ में सनसनी फैल गई. नेशनल हाईवे से दूर एक सुनसान निर्माणाधीन भवन में छिपे 160 युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है. उनके पास से अभ्यर्थियों की लिस्ट, मोबाइल नंबर और पहचान पत्रों की प्रतियां मिली हैं. पढ़ें, रांची पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट

झारखंड के विभिन्न जिलों में रविवार को आयोजित उत्पाद सिपाही की परीक्षा के बीच रांची के तमाड़ से एक संदिग्ध और बड़ी घटना सामने आई है. तमाड़ पुलिस ने रड़गांव स्थित एक निर्माणाधीन भवन में छापेमारी कर करीब 150-160 युवकों को हिरासत में लिया है. यह स्थान नेशनल हाईवे से करीब एक किलोमीटर दूर गांव के बाहरी सुनसान इलाके में स्थित है, जहां इतनी बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से पुलिस को संगठित गड़बड़ी का संदेह हुआ.

थाना परिसर सील, वरीय अधिकारी कर रहे पूछताछ

हिरासत में लिए गए सभी युवकों को तमाड़ थाना लाया गया है. मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एहतियातन थाना परिसर के मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया है और वरीय पुलिस अधिकारी खुद पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं. पुलिस की टेक्निकल टीम हिरासत में लिए गए युवकों के मोबाइल फोन और उनके पास से मिले दस्तावेजों की जांच कर रही है.

दस्तावेज और वाहन जब्त

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कई अहम साक्ष्य बरामद किए हैं. इनमें अभ्यर्थियों के नामों की लंबी सूची, उनके मोबाइल नंबर और पहचान पत्रों (जैसे आधार कार्ड) की छायाप्रतियां शामिल हैं. इसके अलावा, वहां आने-जाने के लिए इस्तेमाल किए गए कई वाहनों को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है.

नकल गिरोह या अवैध सेटिंग की आशंका

प्रारंभिक जांच के अनुसार, हिरासत में लिए गए अधिकांश युवक उत्पाद सिपाही की परीक्षा देने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों से रांची पहुंचे थे. पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है कि क्या इन युवकों को परीक्षा में नकल कराने या किसी विशेष 'सेटिंग' के उद्देश्य से यहां जुटाया गया था. पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इसके पीछे किसी संगठित नकल गिरोह का हाथ है या मामला कुछ और है.

नाबालिग हत्याकांड ने खोली पोल

28 पुलिसकर्मी सस्पेंड, पैसे लेकर दबाया गया था केस

रांची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो जिले में एक बड़ी कार्रवाई के तहत पिंडराजोड़ा थाना में तैनात 28 पुलिसकर्मियों को एक साथ निलंबित कर दिया गया है। इन पर अभियुक्तों के साथ साठगांठ कर मामले की जांच को कमजोर करने का गंभीर आरोप है। निलंबित कर्मियों में 10 सब-इंस्पेक्टर, 5 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर, 2 हवलदार और 11 सिपाही शामिल हैं।

जांच को प्रभावित कर रहे थे पुलिसकर्मी

बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 24 जुलाई 2025 को खुंटाडीह गांव निवासी रेखा देवी ने अपनी 18 वर्षीय पुत्री पुष्पा महतो के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह मामला पिंडराजोड़ा थाना कांड संख्या 147/25 के रूप में दर्ज किया गया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि थाने में तैनात कुछ पुलिसकर्मी जानबूझकर जांच को प्रभावित कर रहे थे। आरोप है कि उन्होंने अभियुक्तों के साथ मिलकर पार्टी की, पैसे लेकर केस को दबाने की कोशिश की और थाने की गोपनीयता का भी उल्लंघन किया।

शादी से इंकार पर हुई थी युवती की हत्या

मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। नई टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी दिनेश महतो को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर मृतका के कंकाल के अवशेष, कपड़े, बाल, रबर बैंड और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी युवती पर शादी का दबाव बना रहा था। विरोध करने पर उसने चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी।

हाईकोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली पर उठाए थे सवाल

गौरतलब है कि पुष्पा 21 जुलाई 2025 से लापता थी और उसकी तलाश के लिए 25,000 रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। परिजनों ने युवती के नहीं मिलने पर हाईकोर्ट का रुख किया, जहां पुलिस की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई गई। अदालत ने डीजीपी से लेकर एसपी तक को तलब किया था और डीआईजी स्तर की एक सदस्यीय कमेटी से जांच के निर्देश दिए थे। हाल ही में डीआईजी संध्या रानी मेहता ने बोकारो पहुंचकर मामले की जांच की है। इस केस की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को निर्धारित है।

पुलिस क्वार्टर में महिला आरक्षक की संदिग्ध मौत

फंदे पर मिली लाश

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में स्थित पुलिस क्वार्टर में एक महिला आरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान पूजा कुशवाहा के रूप में हुई है, जिनका शव कमरे के भीतर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस को सूचना मिली कि क्वार्टर के अंदर एक महिला फंदे पर लटकी हुई है। सूचना मिलते ही आजाद चौक थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश करने पर महिला आरक्षक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, जिसे नीचे उतारकर जांच प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस ने मौके का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस इसे हर एंगल से जांच रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि महिला आरक्षक किसी मानसिक तनाव या व्यक्तिगत कारणों से जूझ रही थी या नहीं। साथ ही उनके सहकर्मियों और परिजनों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सेल्स टैक्स दफ्तर में आग, पूरी बिल्डिंग चपेट में

रिकॉर्ड और फर्नीचर जलकर खाक; तीन दमकल गाड़ियों ने बुझाई आग

खंडवा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। खंडवा शहर के जिला जेल के सामने स्थित सेल्स टैक्स (राज्य कर) कार्यालय में रविवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दफ्तर के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और फर्नीचर पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं। रविवार का अवकाश होने के कारण एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया।

दोपहर 2 बजे जब बिल्डिंग से काला धुआं और लपटें उठती दिखीं, तो स्थानीय रहवासियों ने तत्काल 'डायल 112' को सूचना दी। मौके पर सबसे पहले कोतवाली पुलिस पहुंची। गनीमत रही कि रविवार होने की वजह से दफ्तर बंद था, अन्यथा अंदर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों की जान पर बन सकती थी। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह लापरवाही सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि परिसर में सूखी झाड़ियों को साफ करने के लिए उनमें आग लगाई गई थी, जिसने तेज हवा के कारण विकराल रूप धारण कर लिया और सीधे बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलते ही आधे घंटे के भीतर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की।

आगजनी मामले में खास बात यह है कि, आग की चपेट में सिर्फ रिकॉर्ड रूम आया हैं। वहीं कंप्यूटर रूम पूरी तरह सुरक्षित हैं। अधिकारी और कर्मचारियों की बैठक व्यवस्था भी कंप्यूटर रूम में ही थी। यह दो मंजिला इमारत जून 2023 में बनकर तैयार हुई थी। उद्घाटन तत्कालीन वित्तमंत्री राघवजी ने किया था।

'गांव चलो अभियान' के तहत तुरूप पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू

तुरूप, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के 'गांव चलो अभियान' के तहत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड के तुरूप गांव का दौरा किया. यहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि भाजपा केवल कार्यकर्ताओं की पार्टी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों से गरीब कल्याण की विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक धरातल पर उतारी जा रही हैं.

विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष साहू ने कहा कि यदि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं बनते, तो कांग्रेस आज देश को पाकिस्तान के हाथों बंधक बना देती. इसके साथ ही उन्होंने राज्य की झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर भी जोरदार हमला बोला. साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि झामुमो-कांग्रेस की सरकार में राज्य की महिलाओं, युवतियों के साथ-साथ आम लोगों में भारी असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है. राज्य में महिलाओं से जुड़ी घटनाएं आम हो गई हैं. कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी बदतर है कि घर से निकली कोई मां या बहन शाम को सुरक्षित घर लौटेगी या नहीं, इसे लेकर भी लोग हमेशा डरे रहते हैं.

हर चेहरे पर मुस्कान लाना कार्यकर्ताओं का लक्ष्यः साहू

उन्होंने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 'गांव चलो अभियान' को सफल बनाते हुए हर घर तक पहुंचें. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ग्रामीणों को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दें, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ मिल सके और उनके चेहरों पर मुस्कान लाई जा सके. इस मौके पर क्षेत्र के समुचित विकास और पार्टी की आगामी सांगठनिक कार्ययोजनाओं पर भी गहन मंथन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने की, जबकि मंच का संचालन मंडल अध्यक्ष सुनील महतो ने किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, अजय महतो, रामनाथ महतो, रामेश्वर महतो, ज्योतिष महतो, गोवर्धन महतो, ब्रजेश कुमार, रामसाय मुंडा, संतोष महतो, मनीराम महतो, गोपाल महतो, सुप्रेश महतो, घनेनाथ महतो, रामेश्वर महतो, ज्योतिष महतो, दूर्गा महतो, बालकराम महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे.

लव लाइफ मैरिज ब्यूरो का संचालन

फर्जी आईडी बनाने वाले तीन और आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर थाना पुलिस ने बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लव लाइफ रिश्ते मैरिज ब्यूरो का संचालन कर युवतियों के फर्जी फोटो डाउनलोड कर फर्जी आईडी बनाकर युवकों को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज कर धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं,जिसमें एक युवती भी शामिल हैं,इस पूरे मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी पूर्व में ही की जा चुकी हैं,आरोपियों द्वारा फर्जी आईडी बनाकर धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया जाता था।

राजनंदगांव शहर के बसंतपुर थाना क्षेत्र के सृष्टि कॉलोनी में लव लाइव रिश्ते मैरिज ब्यूरो के नाम से कार्यालय संचालित कर युवाओं से ठगी की जा रही थी,पुलिस ने विवेचना के दौरान कंपनी की संचालक और डायरेक्टर दोनों को बीते दिनों गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था,वहीं इस मामले में अन्य आरोपियों की पताशा जी की जा रही थी,पुलिस ने इस पूरे मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं,जिसमें दो आरोपी कबीरधाम जिला के रहने वाले हैं और एक युवती राजनांदगांव जिला की रहने वाली आरोपी हैं।

इस तरीके से अब इस पूरे मामले में कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी हैं,आरोपियों द्वारा लव लाइफ रिश्ते मैरिज ब्यूरो का संचालन कर युवतियों के फर्जी फोटो डाउनलोड कर फर्जी आईडी बनाई जाती थी और युवाओं को व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जाती थी,इसके बाद रजिस्ट्रेशन पैकेज और फैमिली मीटिंग के नाम पर राशि लेकर धोखाधड़ी की जाती थी,जिसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह पूरी कार्रवाई की है और प्रकरण के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं,इसके साथ ही इस पूरे मामले में पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है अन्य और फरार आरोपियों की तलाश पुलिस के द्वारा की जा रही हैं।

पटना-पुणे एक्सप्रेस से मुस्लिम बच्चों की तस्करी, 165 रेस्क्यू

बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर ले जा रहे थे, 8 तस्कर गिरफ्तार

कटनी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात पटना-पुणे एक्सप्रेस से 165 मुस्लिम बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इन्हें संदिग्ध हालात में बिहार से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने सद्दाम हुसैन और अमानुल्लाह समेत 8 लोगों के खिलाफ बच्चों की तस्करी के तहत केस दर्ज किया है। रेस्क्यू किए गए 165 में से 84 बच्चों को रात में ही दो बसों से जबलपुर के बाल गृह भेज दिया गया, जबकि 81 बच्चों को कटनी बाल गृह में रखा गया है। जिला प्रशासन सभी बच्चों के खाने-पीने और स्वास्थ्य की व्यवस्था कर रहा है। सभी का मेडिकल कराया गया है।

जीआरपी को सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12150 (पटना-पुणे एक्सप्रेस) के स्लीपर कोच S1, S2, S3, S4 और S7 में बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चों को ले जाया जा रहा है। जैसे ही ट्रेन रात में कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर पहुंची, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की टीम ने बोगियों को घेर लिया और सभी 165 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा।

मदरसे का दावा या मजदूरी का जाल?

पूछताछ के दौरान बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने दावा किया कि वह लातूर (महाराष्ट्र) के एक मदरसे में शिक्षक है और इन बच्चों को बिहार के अररिया से वहां पढ़ने के लिए ले जा रहा था। सद्दाम ने यह भी कहा कि वह पिछले 10 साल से इसी तरह बच्चों को ले जा रहा है।

हालांकि, बाल सुरक्षा अधिकारी मनीष तिवारी के अनुसार, विभाग को इन बच्चों से महाराष्ट्र में मजदूरी या अन्य गैर-कानूनी काम कराए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। बच्चों के पास यात्रा से संबंधित वैध दस्तावेज और पुख्ता टिकट नहीं मिले, जिससे मामला संदिग्ध हो गया।

विधायक आरिफ मसूद ने अफसरों से की चर्चा

भोपाल के विधायक आरिफ मसूद ने इस मामले को लेकर रात में ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से फोन पर बात की। विधायक ने बच्चों के स्थानांतरण और कार्रवाई की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

बंगाल में सियासी उलटफेर

नेताजी के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस टीएमसी में शामिल, भाजपा को बताया ऐतिहासिक गलती

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। उन्होंने भाजपा की नीतियों को विभाजनकारी बताते हुए चुनाव आयोग पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया है। बंगाल चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले यह बदलाव राज्य की राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मी अपने चरम पर है। इसी बीच राज्य की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस आधिकारिक तौर पर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी तपिश, 14 अप्रैल के बाद हीटवेव का अलर्ट; कई जिलों में पारा 42 डिग्री तक पहुंचने के आसार

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़कर 42 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है।

छत्तीसगढ़ में अब गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़कर 42 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 अप्रैल के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में ग्रीष्म लहर यानी हीटवेव चलने के हालात बन सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभागों में देखने को मिल सकता है, जहां दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों के लिए परेशानी का कारण बनेंगी। मौसम साफ होने के चलते सूरज की तपिश अब ज्यादा महसूस की जा रही है, भले ही तापमान अभी सामान्य से थोड़ा कम हो, लेकिन लगातार बढ़त चिंता का संकेत दे रही है।

मौसम की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर विदर्भ, मराठवाड़ा, आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु तक एक उत्तर-दक्षिण दिशा में फैला चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। यह प्रणाली सीधे तौर पर बारिश नहीं ला रही, लेकिन तापमान में उतार-चढ़ाव और गर्मी बढ़ाने में इसकी भूमिका मानी जा रही है। राजधानी रायपुर में आज आसमान साफ रहने की संभावना है, जिससे दिन में तेज धूप पड़ेगी। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान करीब 25 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। सुबह और शाम के समय हल्की गर्मी रहेगी, लेकिन दोपहर में तापमान काफी ज्यादा महसूस होगा।

पश्चिम एशिया संकट का असरः क्या भारत का घाटा 2% तक पहुंच जाएगा?

क्रिसिल की बड़ी चेतावनी ; समझिए पूरी तस्वीर

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। क्रिसिल की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर यह संकट लंबा खिंचता है, तो भारत का चालू खाता घाटा यानी सीएडी बढ़कर 2 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसका सीधा असर देश की आर्थिक स्थिति, महंगाई और विकास दर पर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बढ़ती तेल और गैस की कीमतें हैं। कच्चे तेल की कीमतों में 23 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से आयात बिल तेजी से बढ़ सकता है। साथ ही गैस और उर्वरक की लागत भी बढ़ रही है, जिससे व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। ऐसे में भारत को ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा।

क्या बढ़ती तेल कीमतें सबसे बड़ा खतरा हैं?

रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम आयात पहले से ही भारत के कुल आयात का बड़ा हिस्सा है। अगर कीमतें और बढ़ती हैं, तो आयात बिल और भारी हो जाएगा। इससे चालू खाता घाटा बढ़ेगा और रुपये पर भी दबाव पड़ेगा। साथ ही महंगाई बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाएगा।

क्या निर्यात और विदेशी आय पर भी असर पड़ेगा?

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भारत के निर्यात पर भी असर पड़ सकता है। शिपिंग और बीमा लागत बढ़ने से सामान भेजना महंगा हो जाएगा। इसके अलावा वहां काम कर रहे भारतीयों की कमाई पर असर पड़ने से रेमिटेंस यानी विदेश से आने वाला पैसा भी कम हो सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा।

क्या सेवाओं का सेक्टर राहत देगा?

हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का मजबूत सर्विस सेक्टर कुछ राहत दे सकता है। आईटी और अन्य सेवाओं से मिलने वाला पैसा घाटे को थोड़ा कम कर सकता है। लेकिन अगर संकट लंबा चला, तो यह राहत भी सीमित रह सकती है।

क्या भारत की विकास दर पर भी असर पड़ेगा?

रिपोर्ट के अनुसार, अगर हालात खराब होते हैं तो भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.1 प्रतिशत से घटकर 6.8 प्रतिशत तक आ सकती है। ज्यादा महंगे कच्चे माल और ऊर्जा की कमी से मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन और सर्विस सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। इससे देश की आर्थिक

ईरानी तेल पर खतरे के बादल

बातचीत फेल होने के बाद अमेरिका का नया प्लान, भारत के लिए चुनौती

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरानी तेल के नल धड़ल्ले से चलने लगे। युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान ने तेल की बिक्री से बंपर कमाई की है। होर्मुज पर कंट्रोल के कारण वह अपने तेल को एक्सपोर्ट कर पा रहा था। वहीं, खाड़ी के कई दूसरे देश सिर्फ उसे ऐसा करते देख रहे थे। लेकिन, दोबारा सीन चेंज हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित नौसैनिक नाकेबंदी का संकेत दिया है। यह हिंट इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म होने के बाद आया है। भारत के लिए भी इस घटनाक्रम के काफी मायने हैं। 21 घंटे से ज्यादा चली बातचीत के नाकाम होने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने एक न्यूज आर्टिकल शेयर किया। इसका टाइटल था, 'ट्रंप का वो 'ट्रंप कार्ड' जो राष्ट्रपति के पास है, अगर ईरान झुकता नहीं हैः एक नौसैनिक नाकेबंदी।' इसमें वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका की पिछली रणनीति का जिक्र है, जहां तेल से होने वाली कमाई को रोककर अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाने के लिए नौसैनिक नाकेबंदी का इस्तेमाल किया गया था।

ईरान को करोड़ों डॉलर की अतिरिक्त कमाई

ब्लूमबर्ग ने पहले एक रिपोर्ट में कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान ने तेल की बिक्री से करोड़ों डॉलर की अतिरिक्त कमाई की है। यह फायदा इसलिए हुआ क्योंकि ईरान उन कुछ बड़े निर्यातकों में से एक बना हुआ है जो होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल जारी रख पा रहे हैं। वहीं, खाड़ी के दूसरे उत्पादकों से होने वाली खेप में काफी रुकावट आई है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अब ईरान पर भी ऐसा ही तरीका आजमाया जा सकता है। कारण है कि अमेरिका के नौसैनिक जहाज पहले से ही इस इलाके में तैनात हैं। इनमें यूएसएस जेराल्ड फोर्ड और यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर ग्रुप शामिल हैं। ये निगरानी और कार्रवाई में मदद कर सकते हैं।

अमेरिका का प्लान

रिपोर्ट में जिन विशेषज्ञों का जिक्र है, उनका कहना है कि अमेरिकी नेवी होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले समुद्री ट्रैफिक पर कंट्रोल कर सकती है। यह दुनिया के लिए तेल का बहुत जरूरी रास्ता है। राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ रेबेका ग्रांट ने 'जस्ट द न्यूज' से कहा, 'अमेरिकी नेवी के लिए अब इस स्ट्रेट से क्या गुजरता है और क्या नहीं, इस पर पूरी तरह से कंट्रोल करना बहुत आसान होगा।' उन्होंने आगे कहा कि इस इलाके में नौसैनिक हलचल बढ़ने से यह संकेत मिलता है कि अमेरिका इस संकरे समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रख सकता है और शायद उन्हें रोक भी सकता है। इस आर्टिकल में और भी सख्त विकल्पों का जिक्र है। मसलन, ईरानी तेल के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना या खर्ग द्वीप जैसे तेल निर्यात के अहम ठिकानों पर सीधे तौर पर कब्जा करना। खर्ग द्वीप को ईरान से तेल भेजने का एक जरूरी केंद्र माना जाता है।

भारत के सामने चुनौती

भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह अपनी ऊर्जा सप्लाई को स्थिर रखने के लिए ईरान के साथ अपने कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों को कैसे संतुलित करता है। खासकर तब जब अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का साया अभी भी मौजूद है।इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच सीधी बातचीत से कोई नतीजा नहीं निकला। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बातचीत काफी अहम थी। लेकिन, बिना किसी समझौते के खत्म हो गई।वेंस ने कहा, 'हम पिछले 21 घंटों से इस पर काम कर रहे हैं। हमने ईरानियों के साथ कई अहम बातचीत की है, यह अच्छी खबर है।'

बढ़ती लागत व बदलते विकल्पों के बीच उपभोक्ता बाजार में मिला-जुला रुझान

नई दिल्ली , 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रोकरेज फर्म सिस्टेमैटिक्स की एक हालिया रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, आने वाली तिमाहियों में कंज्यूमर डिस्क्रीशनरी (उपभोक्ताओं पर आधारित) सेक्टर को विकास और चुनौतियां दोनों का सामना करना पड़ सकता है। उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं, कच्चे माल (इनपुट) की बढ़ती लागत और विनियामक दबावों के कारण इस सेक्टर की विकास दर और मुनाफे पर सीधा असर पड़ने की संभावना है।

आभूषण और परिधान क्षेत्र में मजबूत बढ़त

वित्तीय वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में इस सेक्टर में कुल मिलाकर अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। यह मुख्य रूप से वैल्यू अपैरल (किफायती परिधान) रिटेल, प्रीमियम फैशन और आभूषणों के मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित था। आभूषणः सोने की कीमतों में महंगाई, शादियों की मांग और त्योहारी खरीदारी के दम पर इस क्षेत्र ने असाधारण वृद्धि देखी है। हालांकि, उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण मार्जिन में थोड़ी नरमी आ सकती है। सिस्टेमैटिक्स ने कहा, वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में आभूषण उद्योग ने उल्लेखनीय लचीलापन और मजबूत विकास गति का प्रदर्शन किया है, जिसमें सोने की कीमतों में भारी अस्थिरता के बावजूद उपभोक्ता मांग मजबूत रही है। परिधानः वैल्यू अपैरल खुदरा विक्रेताओं ने नए स्टोर के विस्तार और समान-स्टोर बिक्री में सुधार के माध्यम से मजबूत वृद्धि हासिल की। इसके साथ ही प्रीमियम ब्रांडों ने भी अपनी निरंतर गति बनाए रखी है। क्विक सर्विस रेस्तरांः इस सेक्टर ने रिकवरी के शुरुआती संकेत दिए हैं, लेकिन मांग में अस्थिरता और एलपीजी (एलपीजी) आपूर्ति से संबंधित व्यवधानों के कारण मार्जिन लगातार दबाव में है। हालांकि कच्चे माल की स्थिर कीमतों के कारण ग्रॉस मार्जिन स्वस्थ रहा, लेकिन भारी छूट (डिस्काउंटिंग) और नकारात्मक परिचालन लीवरेज के कारण रेस्तरां का मुनाफा प्रभावित हुआ है।अल्कोहलिक-बेवरेजः इस सेगमेंट में मिला-जुला प्रदर्शन रहा। नए उत्पादों के लॉन्च से 'प्रेस्टीज एंड अबव' सेगमेंट में दहाई अंकों की मजबूत वॉल्यूम वृद्धि देखी गई और इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) कंपनियों ने ग्रोथ का नेतृत्व किया। इसके विपरीत, बीयर सेगमेंट का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा।

1.2 लाख छापे, 990 एफआईआर... एलपीजी की आपूर्ति में गड़बड़ी रोकने के लिए इंडियन ऑयल की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली,12 अप्रैल(एजेंसियां)। देशभर में एलपीजी की निष्पक्ष आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की। कंपनी ने जानकारी दी कि अब तक 10,600 से अधिक निरीक्षण किए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों व एजेंसियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। इनमें कारण बताओ नोटिस जारी करना और सस्पेंशन जैसी कार्रवाई शामिल है।

कंपनी ने यह भी बताया कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर देशभर में 1.2 लाख से अधिक छापेमारी की गई है और 990 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं, ताकि एलपीजी की निष्पक्ष वितरण व्यवस्था बनी रहे। इंडियनऑयल ने कहा कि इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे सेवा मानकों को बनाए रखते हुए हर सही उपभोक्ता तक गैस पहुंच सके।

घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता

इंडियन ऑयल ने स्पष्ट किया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

कंपनी का फोकस पारदर्शिता, दक्षता और बिना रुकावट वितरण सुनिश्चित करने पर है। डायवर्जन, कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए गए हैं।

कितने सिलेंडरों की डिलीवरी और बिक्री?

सरकार के अनुसार 10 अप्रैल को देशभर में 51.5 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। इसी दिन लगभग 1 लाख 5 किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर भी बेचे गए, जबकि फरवरी 2026 में इनकी औसत दैनिक बिक्री करीब 77,000 थी। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले 8 दिनों में करीब 2,900 जागरूकता शिविर लगाए, जिनमें 29,000 से अधिक 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 23 मार्च 2026 से अब तक 12 लाख से ज्यादा 5-किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर छात्रों और प्रवासी मजदूरों जैसे कमजोर वर्गों को उपलब्ध कराए गए हैं। इन सिलेंडरों को राज्य सरकारों के पास रखा जाएगा ताकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की मदद से इन्हें खास तौर पर प्रवासी मजदूरों तक पहुंचाया जा सके।

मंत्रालय ने की लोगों से अपील

मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक सोर्स पर भरोसा करें।

उपभोक्ताओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से गैस बुक करने और डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही पीएनजी, बिजली या इंडक्शन जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग और ऊर्जा बचत पर भी जोर दिया गया है।

दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक दौड़ेगी नमो भारत

3 घंटे में पूरा होगा सफर, क्या है प्लान?

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली से मेरठ तक चलने वाली नमो भारत ट्रेन जल्दी ही हरिद्वार-ऋषिकेश तक दौड़ती नजर आएगी। उत्तराखंड सरकार ने नमो भारत नेटवर्क को मेरठ से आगे हरिद्वार और ऋषिकेश तक बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिस पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। वर्तमान में नमो भारत ट्रेन दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्ताव है कि मेरठ के मोदीपुरम से इस रैपिड रेल को राष्ट्रीय राजमार्ग-58 के साथ आगे बढ़ाया जाए, जो हरिद्वार और ऋषिकेश तक पहुंचे। अगर इस ट्रेन का विस्तार होता है तो दिल्ली-एनसीआर से ऋषिकेश तक का सफर ढाई से 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। अभी ऋषिकेश पहुंचने में करीब 6 से 7 घंटे का समय लगता है।

किन-किन शहरों से गुजरेगी ट्रेन?

इस विस्तार में कई प्रमुख स्टेशनों पर विचार किया जा रहा है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रस्तावित रूट पर ये नए स्टेशन शामिल होंगेः पश्चिमी उत्तर प्रदेशः दौराला, सकौती, खतौली और पुरकाजी। उत्तराखंडः रुड़की, हरिद्वार (ज्वालापुर) और ऋषिकेश।

इस प्रस्ताव को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच उच्च स्तरीय बैठक हो चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि इससे पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह कॉरिडोर हाईवे पर लगने वाले लंबे जाम का एक विश्वसनीय विकल्प बनेगा। खासकर पीक टूरिस्ट सीजन और कुंभ जैसे धार्मिक आयोजनों के दौरान।बेहतर कनेक्टिविटी से पश्चिमी यूपी और उत्तराखंड में पर्यटन, रियल एस्टेट और स्थानीय व्यवसायों को जबरदस्त गति मिलेगी। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए वीकेंड ट्रिप और तीर्थयात्रा पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक हो जाएगी।नमो भारत ट्रेन अभी दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक चलती है। बीच में न्यू अशोक नगर, आनंद विहार, गाजियाबाद, मुराद नगर, मेरठ साउथ, बेगमपुल आदि प्रमुख स्टेशन आते हैं। सराय काले खां से मोदीपुरम तक की दूरी करीब 82 किमी है। इसे पूरा करने में नमो भारत ट्रेन को करीब 60 मिनट लगते हैं।

ईरान-अमेरिका शांति वार्ता विफल

आज शेयर बाजार में आ सकता है भूचाल

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप शेयर बाजार के निवेशक हैं, तो सोमवार की सुबह आपके लिए उथल-पुथल भरी हो सकती है। पश्चिम एशिया से आ रही खबरों ने भारतीय बाजार में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई है। अब विशेषज्ञों का कहना है कि इसका सीधा असर सोमवार को बाजार खुलते ही देखने को मिल सकता है।

क्यों टूटी शांति की उम्मीद?

रविवार को ईरान की ओर से आए बयान ने साफ कर दिया कि कूटनीति की राह इतनी आसान नहीं है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकई ने बताया कि अमेरिकी पक्ष की अत्यधिक मांगों के कारण बातचीत किसी समझौते तक नहीं पहुंच सकी। वहीं, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का रुख कड़ा रहा। उन्होंने कहा कि शांति समझौते में सबसे बड़ी बाधा ईरान का अपना परमाणु कार्यक्रम न छोड़ना है। अमेरिका ने इसे अपना अंतिम और सबसे अच्छा प्रस्ताव बताया था, जिसे ईरान ने स्वीकार नहीं किया।

बाजार पर 'गैप डाउन' ओपनिंग का खतरा

पिछले हफ्ते भारतीय बाजार में जबरदस्त रौनक देखी गई थी। सेंसेक्स 4,230 अंक और निफ्टी करीब 1,337 अंक चढ़कर बंद हुए थे।

यह तेजी इस उम्मीद में थी कि युद्ध टल जाएगा और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के नीचे बनी रहेंगी। लेकिन वार्ता विफल होने से अब यह पूरी बढ़त दांव पर है। शेयर बाजार विशेषज्ञ हरिप्रसाद के अनुसार, निफ्टी इस समय एक बेहद संवेदनशील मोड़ पर है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सोमवार को बाजार एक बड़ी गिरावट के साथ खुल सकता है। जो निवेशक पिछले हफ्ते की तेजी का फायदा उठा रहे थे, उन्हें अब भारी उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इस हफ्ते केवल युद्ध का तनाव ही नहीं, बल्कि कई अन्य मोर्चे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है।

कोल इंडिया ने उठाया बढ़ती लागत का बोझ

ग्राहकों को कीमतों में उछाल से बचाने की कोशिश

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने फैसला किया है कि वह बढ़ती लागत का बोझ खुद उठाएगी और कोयले की कीमतें नहीं बढ़ाएगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विस्फोटकों और औद्योगिक डीजल के दाम काफी बढ़ गए हैं। विस्फोटकों में इस्तेमाल होने वाले अमोनियम नाइट्रेट की कीमत 44 प्रतिशत बढ़कर 72,750 रुपये प्रति टन हो गई है। इससे विस्फोटकों की औसत लागत में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, डीजल की कीमत भी करीब 54 प्रतिशत बढ़कर 142 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है।

कोल इंडिया का कहना है कि अगर वह इन बढ़ी हुई कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डालती है, तो इससे बिजली और अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ सकती है। कंपनी अपनी खदानों में काम करने वाले ठेकेदारों को भी डीजल की बढ़ी हुई कीमतों का मुआवजा दे रही है। लागत के दबाव के बावजूद, कोल इंडिया ने कोयले की आपूर्ति को सस्ता रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। कंपनी ने ई-नीलामी में कोयले की आरक्षित कीमतों को कम किया है और नीलामी की संख्या बढ़ा दी है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को किफायती दरों पर ईंधन उपलब्ध कराना और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करना है।

पश्चिम एशिया युद्ध ऊर्जा सुधारों का बड़ा अवसर

एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की सलाहकार परिषद के सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने कहा है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत के लिए ऊर्जा क्षेत्र में सुधार करने का एक अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि भारत में घरों और किसानों के लिए बिजली दुनिया में सबसे सस्ती है, लेकिन उद्योगों और व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए यह सबसे महंगी है। मिश्रा के अनुसार, भविष्य के विकास के लिए ऊर्जा का सही दाम तय करना और उसका सावधानी से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि उद्योगों को सस्ती बिजली मिलनी चाहिए। इससे देश में रोजगार पैदा होंगे और लोग खुद अपना बिजली बिल भरने में सक्षम बनेंगे, जिससे हर जगह मुफ्त बिजली देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने 1970 के दशक के तेल संकट के बाद जापान के सुधारों का उदाहरण दिया। जापान ने अपनी ऊर्जा दक्षता को इतना बेहतर किया कि वह अब प्रति यूनिट ऊर्जा से भारत के मुकाबले चार गुना अधिक जीडीपी पैदा करता है। मिश्रा ने चेतावनी भी दी कि अगर कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती हैं और लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 100 के स्तर तक गिर सकता है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अगर घर खरीदार किसी रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करते हैं, तो यह केवल उसी खास प्रोजेक्ट तक सीमित रहेगी जिसमें चूक हुई है। इसे कंपनी के अन्य प्रोजेक्ट्स पर लागू नहीं किया जा सकता। नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनवाई करते हुए बेंच ने कहा कि उन प्रोजेक्ट्स को खतरे में डालना ठीक नहीं है जिनका इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। यह फैसला अन्य खरीदारों और हितधारकों के हित में है। यह मामला रहेजा डेवलपर्स के 'कृष्णा हाउसिंग स्कीम' से जुड़ा है। न्यायाधिकरण ने निर्देश दिया कि इस प्रोजेक्ट से जुड़े लेनदारों और हितधारकों के दावे भी इसी प्रोजेक्ट तक सीमित रहेंगे। रहेजा ने दलील दी थी कि कोविड-19 महामारी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ और लागत 183 करोड़ से बढ़कर 204 करोड़ रुपये हो गई, जिससे समय पर पजेशन देने में देरी हुई।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	मीन	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
मीन....	04-33	बजे
मेष.....	06-09	बजे
वृष....	07-53	बजे
मिथुन..	09-54	बजे
कर्क...	12-06	बजे
सिंह---	14-18	बजे
कन्या--	16-25	बजे
तुला----	18-30	बजे
वृश्चिक..	20-40	बजे
धनु.....	22-54	बजे
मकर...	01-01	बजे
कुंभ....	02-55	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष सोमवार **13 April 2026**
तिथि - एकादशी **01-08** रात्रि तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - धनिष्ठा **16-02** तक उप शतभिषा
योग - शुभ **17-15** तक उप शुक्ल
करण - बव **13-18** तक उप बालव

विशेषः वरुथिनी एकादशी व्रत स्मार्थ वैष्णव
श्री वल्लभाचार्य ज. पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-36 से 09-10 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
अमृत	06-08 - 07-36	शुभ
काल	07-36 - 09-10	अशुभ
शुभ	09-10 - 10-43	शुभ
रोग	10-43 - 12-17	अशुभ
उत्पात	12-17 - 13-50	अशुभ
चंचल	13-50 - 15-24	शुभ
लाभ	15-24 - 16-57	शुभ
अमृत	16-57 - 18-27	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-27 - 19-57	शुभ
रोग	19-57 - 21-24	अशुभ
काल	21-24 - 22-50	अशुभ
लाभ	22-50 - 00-16	शुभ
उत्पात	00-16 - 01-43	अशुभ
शुभ	01-43 - 03-09	शुभ
अमृत	03-09 - 04-36	शुभ
चंचल	04-36 - 06-08	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपकी भावनात्मक प्रकृति आपको अपने पेशेवर रिश्तों को पोषित करने के लिए प्रेरित कर सकती है। आपको विकास के अवसर मिलेंगे, आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप विभिन्न स्थितियों में प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम होंगे। हालाँकि, अप्रत्याशित चुनौतियों और क्रूर ईमानदार प्रतिक्रिया की अपेक्षा करें, लेकिन इससे मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी मिल सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

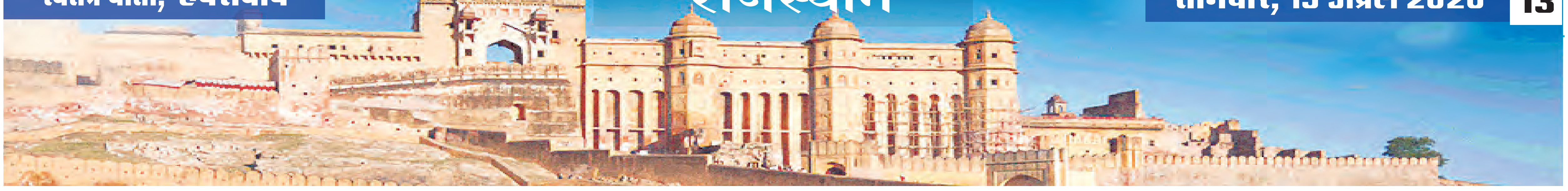

'विपक्ष को कुछ नहीं समझते मोदी और यहां के नेता'

अशोक गहलोत ने क्यों किया इतना तीखा वार?

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में 'इंतजारशास्त्र' के जरिए सरकार की घेराबंदी कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को एक बार फिर हमलावर नजर आए। जयपुर स्थित अपने आवास 49 सिविल लाइंस पर मीडिया से वार्ता करते हुए गहलोत ने प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार पर 'संवेदनहीन' होने का ठप्पा लगा दिया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से न मोदी जी विपक्ष को कुछ समझते हैं और न यहां के लोग।

गहलोत ने दो टूक कहा कि जो राजस्थान कभी स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरे देश का मॉडल था, आज वहां बुजुर्ग और दिव्यांग पेंशन के लिए तरस रहे हैं और कर्मचारी दवाओं के लिए भटक रहे हैं।

अशोक गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया सीरीज 'इंतजारशास्त्र' का बचाव करते हुए कहा कि यह सरकार तक जनता की आवाज पहुँचाने का एक सकारात्मक जरिया है। उन्होंने कहा, ₹एक पूर्व मुख्यमंत्री अगर सरकार को बता रहा है कि आपके क्षेत्र में बिल्डिंग्स बनकर खड़ी हैं पर कॉलेज शुरू नहीं हो रहे, तो इसे फीडबैक के तौर पर लेना चाहिए। विपक्ष की बातों में सच्चाई है तो सुधार करें, वरना छोड़ दें। लेकिन दुर्भाग्य से न मोदी जी विपक्ष को कुछ समझते हैं और न यहां के लोग।

भजनलाल सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए गहलोत ने कहा कि सरकार इस वक्त भारी घाटे में है, फिर भी फिजूलखर्ची का इतिहास बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कलेक्टरों के जरिए भीड़ जुटवाकर सरकारी खर्चे पर बड़े-बड़े प्रोग्राम और तमाशे किए जा रहे हैं। गहलोत ने चेतावनी दी कि जमीनी हकीकत कुछ और है और ये लोग हवा में उड़ रहे हैं, जो इनके लिए घाटे का सौदा साबित होगा।

गहलोत ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दवाओं की दुकानों का लगभग 1000 करोड़ रुपये बकाया है, जिसके कारण उन्होंने दवाएं देना बंद कर दिया है। प्राइवेट अस्पतालों ने भुगतान न होने के कारण इलाज से हाथ खींच लिए हैं।

कर्मचारियों का दर्दः रिटायर्ड और सेवारत कर्मचारी, जो इस योजना पर निर्भर थे, अब अपनी जेब से पैसा खर्च करने को मजबूर हैं।

संवेदनहीनताः गहलोत ने कहा कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं की पेंशन तीन-चार महीने से अटकी हुई है, सरकार को उन पर दया तक नहीं आ रही।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का हेल्थ मॉडल पूरे देश के लिए गौरव की बात थी। चाहे भाजपा शासित राज्य हों या अन्य, सभी इस मॉडल की तारीफ करते थे। भजनलाल जी चाहते तो इस मॉडल को और मजबूत कर सकते थे, जिससे उनकी ही वाहवाही होती। लेकिन उन्होंने इसे इतना कमजोर कर दिया कि अब आम आदमी को इलाज के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि विधायकों को तो फ्री इलाज मिल जाता है, लेकिन आम कर्मचारी और पत्रकार परेशान हैं।

सियासत में मचा घमासनः वसुंधरा राजे पर मदन राठौड़ का तंज, बोले- हर बार कुर्सी नहीं मिलती

बीकानेर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर दिया गया बयान राजस्थान की राजनीति में चर्चा का केंद्र बन गया है। बीकानेर दौरे के दौरान जब उनसे वसुंधरा राजे की सक्रियता और संगठन में भूमिका को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने पहले कहा कि कामकाज को लेकर कोई कमी नहीं है और हाल ही में उनकी वसुंधरा राजे से बातचीत भी हुई है।

संगठन में वसुंधरा की अहम भूमिका

इसके बाद उन्होंने कहा कि पद और जिम्मेदारियां समय के साथ बदलती रहती हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वसुंधरा राजे भले ही मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन वे आज भी पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और संगठन में उनकी अहम भूमिका बनी हुई है। साथ ही उन्होंने यह टिप्पणी की कि हर बार एक ही व्यक्ति को

कुर्सी नहीं मिलती, जिससे राजनीतिक हलकों में तरह-तरह के मायने निकाले जा रहे हैं।

पद स्थायी नहीं होते- मदन राठौड़

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपनी बात को समझाने के लिए एक राजस्थानी कहावत का भी जिक्र किया और संकेत दिया कि पार्टी में पद स्थायी नहीं होते, बल्कि समय और परिस्थितियों के अनुसार जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं। राजनीतिक विश्लेषक इस बयान को भाजपा के अंदरूनी समीकरणों और नेतृत्व संतुलन से जोड़कर देख रहे हैं।

जल्द होंगी राजनीतिक नियुक्तियां

उन्होंने यह भी बताया कि संगठन में विभिन्न राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही चरणबद्ध तरीके से नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। राष्ट्रीय राजनीति पर बोलते हुए राठौड़ ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका जनाधार लगातार कमजोर हो रहा है और तृणमूल कांग्रेस की सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी।

भाजपा दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी

इसके अलावा उन्होंने आगामी चुनावों को लेकर विश्वास जताया कि असम में भाजपा दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी, जबकि तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ मिलकर चुनाव जीतने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। हालांकि बीकानेर दौरे के दौरान सबसे अधिक सुर्खियां उनकी उसी टिप्पणी ने बटोरी, जिसमें उन्होंने कहा कि हर बार कुर्सी नहीं मिलती और इसी बयान ने प्रदेश की सियासत में नई बहस को जन्म दे दिया है।

डकैत देवी सिंह कंजर गिरफ्तार

22 साल से था फरार, साधु के वेश में पहुंची पुलिस ने घेरकर दबोचा

उदयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने 22 साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी डकैत को गिरफ्तार किया है। आरोपी मध्यप्रदेश के देवास जिले के टोंक खुर्द इलाके में छिपा हुआ था। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए साधु वेश धारण किया था। पुलिस टीम ने इस बार शातिर बदमाश देवी सिंह कंजर को पकड़ने के लिए अलग रणनीति अपनाई। एएसआई मनोहर सिंह, हेड कांस्टेबल नरेश कुमार, कांस्टेबल जसवंत सिंह और दिनेश कुमार की टीम देवास के चिड़ावद पहुंची। वहां पुलिसकर्मियों ने साधु वेश धारण किया और गांव के बाजार में रेकी की। टीम ने स्थानीय पुजारियों से भी गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाई थी।

घटना के समय से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी बार-बार चकमा देकर भाग जाता और कभी पुलिस के हाथ नहीं आया। एसपी अमृता दुहन की ओर से चलाए गए अभियान में पुराने केस की फाइल खोलकर, सालों से फरार आरोपी की धरपकड़ की जा रही है।

प्रशिक्षु आरपीएस रामकुमार भादू ने बताया कि 29 जुलाई 2004 को कंटेनर ड्राइवर रविंद्र कुमार यादव कपड़ों की गांठें लेकर सूरत से जयपुर जा रहा था। रात 10 बजे वह पडुणा पहुंचा तो बदमाश देवी सिंह कंजर ने गैंग बनाकर लूट की वारदात कर दी। आरोपी देवी सिंह कंजर ने कंटेनर लूटा था। चालक और खलासी को बंधक बना लिया और आंखों पर पट्टी बांधकर खेत में डाल दिया। इसके बाद बदमाश कपड़ों से भरा कंटेनर लूटकर ले गए थे। मामले में पहले 5 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, वहीं एक आरोपी की मौत हो चुकी है।

एएसआई मनोहर सिंह ने बताया कि गोवर्धन विलास थाना पुलिस कई सालों से देवी सिंह की तलाश में मध्यप्रदेश के देवास में दबिश दे रही थी, लेकिन हर बार वह बच निकलता। पहले आरोपी पर 2 हजार का इनाम था, जिसे 2023 में बढ़ाकर 10 हजार किया गया। इस बार प्रशिक्षु आरपीएस रामकुमार भादू के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई।

ओरण संरक्षण के लिए रविंद्र सिंह भाटी ने फिर भरी हुंकार

बोले- मांग पूरी नहीं तो होगा बड़ा जन आंदोलन

जैसलमेर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने एक बार फिर सरकार की नींद उड़ा दी है। पोकरण पहुंचने पर भाटी ने ओरण के संरक्षण को लेकर हुंकार भरते हुए स्पष्ट कर दिया कि यदि सरकार ने समय रहते ओरण को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया, तो एक बड़ा जन-आंदोलन छेड़ा जाएगा।

रविंद्र सिंह भाटी पोकरण पहुंचे, तो जोधपुर रोड पर युवाओं और समर्थकों का सैलाब उमड़ पड़ा। साफा पहनाकर और मालाओं से लादकर उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान पत्रकारों से मुखातिब होते हुए भाटी ने बेहद सख्त लहजे में कहा, ओरण और गोचर हमारी केवल जमीन नहीं, हमारी पहचान और धरोहर हैं। इसे राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करना ही होगा। अगर सरकार ने पश्चिमी राजस्थान और मारवाड़ की इस जायज मांग को अनसुना किया, तो हम सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे।

क्या है 'ओरण' और क्यों है यह इतना महत्वपूर्ण?

ओरण दरअसल राजस्थान, विशेषकर थार रेगिस्तान के गांवों में छोड़ी गई वह सामूहिक भूमि है, जिसे स्थानीय लोग 'देवताओं का उपवन' मानते हैं। हर ओरण किसी न किसी स्थानीय लोक देवता (जैसे तेजाजी, पाबूजी, या देगराय माता) को समर्पित होती है। यहां के पेड़ों (खेजड़ी, रोहिड़ा, केर) को काटना वर्जित होता है। यह वन्यजीवों (जैसे गोडावण और हिरण) का सुरक्षित प्राकृतिक आवास है। मारवाड़ और पश्चिमी राजस्थान की अर्थव्यवस्था पशुपालन पर टिकी है। ओरण ही वह स्थान है, जहां हजारों पशुओं के लिए चारागाह उपलब्ध होता है।

आखिर क्यों हो रहा है विवाद?

सबसे बड़ी समस्या यह है कि सरकारी दस्तावेजों में सदियों पुरानी इन ओरण जमीनों को 'बंजर' या 'राजस्व भूमि' के रूप में दर्ज किया गया है, न कि 'ओरण' के रूप में। इसके चलते सरकारें इन जमीनों को विकास परियोजनाओं के लिए आवंटित कर देती हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी (सौर और पवन ऊर्जा) का दखल

जैसलमेर और बाड़मेर में सौर और पवन ऊर्जा के बड़े-बड़े प्लांट लग रहे हैं। कंपनियों को जमीन आवंटित करते समय सरकार अक्सर इन 'ओरण' भूमियों को आवंटित कर देती है। जब कंपनियां वहां फेंसिंग करती हैं या पेड़ काटती हैं, तो स्थानीय ग्रामीणों और पशुपालकों का रास्ता बंद हो जाता है, जिससे संघर्ष की स्थिति पैदा होती है।

भाटी की मांग और 'विश्वास' ट्रेंड का असर

विधायक भाटी ने साफ किया कि इस लड़ाई की पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि यह केवल कुछ बीघा जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि लाखों लोगों की आस्था और रोजी-रोटी का सवाल है।

सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में चल रहे 'विश्वास' ट्रेंड पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, ये सब मेरे अपने लोग हैं। उनका प्यार और आशीर्वाद ही मेरी असली ताकत है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाटी इस मुद्दे के जरिए पश्चिमी राजस्थान के मूल निवासियों और पशुपालक समुदायों को एकजुट कर रहे हैं, जो आगामी चुनावों या राजनीतिक समीकरणों में बड़ा उलटफेर कर सकते हैं।

रविंद्र सिंह भाटी का यह स्टैंड राजस्थान सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। एक तरफ राज्य में औद्योगिक विकास की जरूरत है, तो दूसरी तरफ सदियों पुरानी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत को बचाने की जंग।

हुक्का पीते वक्त फोन पर हुई कहासुनी पर भड़का विवाद, कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर चाचा की हत्या

झुंझुनू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सुलताना अहिरान गांव में मामूली कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया और एक व्यक्ति की जान चली गई। पारिवारिक विवाद में चचेरे भाइयों के बीच शुरू हुआ झगड़ा हिंसक हो गया, जिसमें कुल्हाड़ी से हमला कर छोटू राम मेघवाल की हत्या कर दी गई।

पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम छोटू राम के पुत्र राहुल, उसके चचेरे भाई जोनी पुत्र रामस्वरूप व अन्य परिजन घर पर बैठकर हुक्का पी रहे थे। इसी दौरान फोन पर हुई बातचीत को लेकर कहासुनी और गाली-गलौच शुरू हो गई। राहुल ने अपने पिता छोटू राम को मौके पर बुला लिया। विवाद बढ़ने पर अन्य परिजन और ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। हालांकि समझाइश के बाद मामला शांत हो गया लेकिन आपसी रंजिश बनी रही। इसके चलते शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे विवाद फिर भड़क उठा। इस दौरान जोनी, मनीष, दीपक व अभिषेक सहित अन्य ने छोटू राम और उसके पुत्र राहुल के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि छोटू राम पर कुल्हाड़ी, लाठी और डंडों से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले बुहाना के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया। हालत नाजुक होने पर उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया, जहां शुक्रवार देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

भरी सभा में सीएम भजनलाल को साष्टांग प्रणाम

बोले- 'मुख्यमंत्री मेरे लिए भगवान', चर्चा में विधायक भागचंद का अजब-गजब अंदाज़

दौसा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसकी चर्चा अब पूरे प्रदेश में हो रही है। बांदीकुई में आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती और करोड़ों के विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह के दौरान भक्ति और राजनीति का अनूठा संगम दिखा। मंच पर संबोधन के दौरान जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्षेत्र के लिए घोषणाओं का पिटारा खोला, तो स्थानीय विधायक भागचंद टांकड़ा इतने भावुक हो गए कि उन्होंने भरी सभा में मुख्यमंत्री को साष्टांग प्रणाम कर डाला। जैसे ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांदीकुई के लिए एक के बाद एक कई बड़ी घोषणाएं कीं, विधायक

भागचंद टांकड़ा अपनी सीट से उठे और सीधे मुख्यमंत्री के चरणों में लेटकर साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। विधायक का यह अंदाज देखकर मंच पर मौजूद अन्य कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ नेता एक पल के लिए हक्के-बक्के रह गए। राजनीति के गलियारों में इस वाकये को मुख्यमंत्री के प्रति विधायक की 'परम श्रद्धा' के रूप में देखा जा रहा है। विधायक टांकड़ा यहीं नहीं रुके। अपने संबोधन में उन्होंने मुख्यमंत्री की तुलना भगवान से कर डाली। उन्होंने भावुक होकर कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मेरे लिए साक्षात भगवान हैं। उन्होंने तर्क दिया कि जिन मांगों के लिए क्षेत्र की जनता सालों से तरस रही थी, मुख्यमंत्री ने उन्हें एक झटके में पूरा कर दिया।

विधायक भागचंद टांकड़ा ने मंच से मुख्यमंत्री के सामने बांदीकुई के विकास का लंबा रोडमैप रखा था। रेहड़िया बांध को ईआरसीपी से जोड़ने का आश्वासन। शिक्षा का विस्तारः गुढ़ा में सरकारी कॉलेज और बांदीकुई में सावित्री बाई फुले के नाम से विश्वविद्यालय की घोषणा।

रहस्यमयी बीमारी से बच्चों की मौत पर सियासत गरमाई

पूर्व सांसद ने सरकार को घेरा

उदयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर संभाग के सलूंबर इलाके में बच्चों की रहस्यमयी बीमारी से हुई मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। अब यह मामला राजनीतिक रूप भी लेने लगा है। उदयपुर के पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सरकार से मुआवजे की मांग की है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताई है। उदयपुर संभाग में बच्चों की रहस्यमयी मौत का मामला अब तेजी से राजनीतिक तूल पकड़ रहा है। पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रशासन की लापरवाही साफ नजर आ रही है।

असिस्टेंट इंजीनियर की काली कमाई के बॉक्स खुले

एसीबी का अंता नगरपालिका में बडा एक्शन

बारां, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बारां जिले में जांच के दौरान एक असिस्टेंट इंजीनियर से 3.70 लाख रुपए की संदिग्ध नकद रकम बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि यह रकम अंता नगर पालिका में तैनात महेंद्र सिंह से एसीबी की करौली यूनिट की ओर से मिली खास खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान जब्त की गई। यह ऑपरेशन एसीबी की करौली यूनिट ने ब्यूरो मुख्यालय से मिली खास खुफिया जानकारी के बाद चलाया था। एसीबी के डायरेक्टर जनरल गोविंद गुप्ता के मुताबिक, ब्यूरो को सूत्रों से पक्की जानकारी मिली थी कि महेंद्र सिंह ने बड़ी मात्रा में गैर-कानूनी नकद रकम जमा कर रखी है और वह शुक्रवार शाम या करौली जिले में अपने गृह नगर हिंडौन सिटी जाने वाला है। इस जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, करौली एसीबी टीम ने उसे पकड़ने के लिए निगरानी की योजना बनाई। पुलिस उप महानिरीक्षक (एसीबी) डॉ. रामेश्वर सिंह की देखरेख में, पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश भारद्वाज के नेतृत्व में एक टीम ने हिंडौन सिटी में बयाना रोड पर अचानक जांच की।

गोरखपुर पुलिस ने फर्जी शादी कराने वाले गैंग के 7 लोगों को गिरफ्तार किया, राजस्थान के पीड़ितों से ठगे थे 3.30 लाख

गोरखपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरखपुर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक बेहद हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां राजस्थान के युवक को गोरखपुर बुलाकर शादी कराकर ठगने वाले गैंग ने अपनी ठगी का शिकार बनाते हुए 3.30 लाख रुपये लूट लिए और दुल्हन के साथ फरार हो गए। पुलिस में शिकायत के बाद आरोपियों की तलाश शुरू हो गई थी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस द्वारा गैंग में शामिल प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। इसके पूर्व भैया गैंग कई लोगों को अपनी ठगी का शिकार बन चुका था।

गोरखपुर में चिलुताल पुलिस ने शनिवार को एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जो फर्जी शादी कराकर लोगों को शिकार बनाते थे और पैसे लेकर भाग जाते थे। पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसपी नाथ ज्ञानेंद्र कुमार ने खुलासा करते हुए बताया कि इस गैंग में कुल 9 सदस्य शामिल हैं। दुल्हन सहित उसकी मुंह बोली बहन अभी भी फरार है। उसकी भी तलाश जारी है। दरअसल, राजस्थान के कोटा निवासी मुकेश मीणा को अपने भाई ब्रह्म मोहन मीणा की शादी के लिए एक लड़की की तलाश थी। इसी बीच उनकी मुलाकात हरियाणा निवासी राजू शर्मा से हुई, जिसने उन्हें एक लड़की की फोटो दिखाते हुए बताया कि इससे मैं आपके भाई की शादी करवा दूंगा। फोटो द्वारा लड़की पसंद आई और बात बन गई तो दलाल उन्हें 12 मार्च 2026 को गोरखपुर लेकर पहुंचा। जहां पूर्व प्लान के अनुसार अंकुर सिंह जो चिलुआताल थाने का हिष्ट्रीशीटर भी है के घर पर शैला देवी नामक एक महिला दो युवतियों के साथ पहुंची हुई थी। इनमें से एक दुल्हन और दूसरी उसकी मुंह बोली बहन बताई गई थी। उधर, कोटा से मुकेश, उसका भाई बृजमोहन और ब्रह्म मोहन भी पहुंचे थे। शादी की रस्में पूरी की गईं।

ट्रेलर की टक्कर से 2 लोगों की मौत

टोंक, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। गुड़गांव के पास हुए भीषण सड़क हादसे में राजस्थान के दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक टोंक जिले के रहने वाले थे। पिकअप चालक और उसके साथ मौजूद किसान आजादपुर मंडी में सब्जी बेचकर वापस लौट रहे थे। तभी भीषण सड़क हादसा हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों व्यक्तियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नटवाड़ा निवासी सोराज (45) पुत्र रामजी लाल पिछले 15 दिनों से लगातार देई-नैनवा क्षेत्र के बांध से टिंडे की सब्जी लेकर दिल्ली की आजादपुर मंडी जा रहा था। शुक्रवार शाम वह पिकअप में टिंडे भरकर रवाना हुआ। उसके साथ छावनी टॉक निवासी किसान हेमराज (40) पुत्र फूलचंद कीर भी मौजूद था।

दोनों देर रात मंडी में खेप उतारने के बाद टोंक लौट रहे थे। इसी दौरान गुड़गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से उनकी पिकअप की सीधी भिड़ंत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

आईपीएल सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

बालोतरा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोतरा जिले में पुलिस ने एक बड़ी और सुनियोजित कार्रवाई करते हुए आईपीएल सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई स्थानीय ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैले एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करती है, जो लंबे समय से ऑनलाइन माध्यम से सट्टा चला रहा था। मौके से करोड़ों रुपये के लेन-देन से जुड़ी डायरियां और कई हाईटेक उपकरण बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, डीएसपी शीशपाल सिंह के निर्देशन में काम कर रही डीएसटी टीम को देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि सिटी पार्क के पास एक किराए के मकान में आईपीएल मैचों पर बड़े स्तर पर सट्टा लगाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाई और टीम गठित कर मौके पर दबिश दी।

दबिश के दौरान पुलिस को मकान के अंदर पूरी तरह से सेट किया हुआ सट्टा संचालन केंद्र मिला। यहां आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को सट्टे से जोड़ा जा रहा था। यह देखकर पुलिस भी हैरान रह गई कि इतनी संगठित तरीके से यह रैकेट चलाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से जावेद खान, मनीष खंडेलवाल, अशरफ खान और महेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। ये सभी इस सट्टा नेटवर्क के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं।

तलाशी के दौरान पुलिस ने 3 लैपटॉप, 33 मोबाइल फोन, एक पियानो अटैची, वाई-फाई राउटर, चार्जिंग उपकरण और करोड़ों रुपये के हिसाब-किताब से भरी डायरियां बरामद की हैं। इन बरामद सामानों से साफ है कि सट्टा रैकेट बड़े स्तर पर संचालित हो रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप्स के जरिए सट्टा चला रहे थे। वे लाइव मैच की स्ट्रीमिंग दिखाकर लोगों को जोड़ते थे और उसी दौरान उनसे दांव लगवाते थे।

स्वच्छ ऊर्जा में राष्ट्रीय मॉडल बनने की ओर तेलंगाना

मंत्री श्रीधर बाबू ने बायो-गैस परियोजना का किया शिलान्यास

हैदराबाद/सिद्दीपेट, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का मॉडल बनने की दिशा में काम कर रही है। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने रविवार को सिद्दीपेट जिले के नरमेटा में 700 करोड़ रुपये की संपीड़ित बायो-गैस परियोजना के शिलान्यास समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को जोड़ते हुए एक संतुलित व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। यह परियोजना जूनो जूल बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही है, जिससे लगभग 1400 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जिनमें करीब 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। मंत्री ने बताया कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत और रसोई गैस का करीब 60 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में बाहरी ऊर्जा पर निर्भरता कम करना जरूरी है, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा की बड़ी भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को ऊर्जा उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दे रही है, ताकि हैदराबाद के बाहर भी औद्योगिक विकास हो और गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। मंत्री ने इसे बड़ा बदलाव बताते हुए कहा कि अब किसान केवल खाद्य उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन सकते हैं। इस परियोजना में धान के भूसे, गोबर और पोल्ट्री अपशिष्ट का उपयोग कर बायो-गैस तैयार की जाएगी, जिससे कचरे को उपयोगी संसाधन में बदला जाएगा। यह परियोजना तीन चरणों में लागू होगी, जिसमें 10 संयंत्र स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक की क्षमता 100 टन प्रतिदिन होगी। मंत्री ने निवेशकों को तेलंगाना में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने का आह्वान करते हुए सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

गणपति के आत्मसमर्पण की जानकारी नहीं : बी. शिवधर रेड्डी

पेद्दापल्ली, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा है कि माओवादी नेता मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति के आत्मसमर्पण को लेकर उन्हें कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। डीजीपी ने कहा कि गणपति को खुद यह स्पष्ट करना होगा कि वह कब हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होंगे। उन्होंने यह बात गोदावरीखानी में सशस्त्र रिजर्व पुलिस क्वार्टर के उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत में कही। शहरी नक्सलियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना में इस तरह की कोई मौजूदगी नहीं है। डीजीपी ने बताया कि राज्य में सड़क हादसों को कम करने के लिए 'अराइव-अलाइव' नाम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना है। कार्यक्रम में पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

जीवन गति से अधिक महत्वपूर्ण है : डीजीपी

सड़क हादसों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने कहा है कि जीवन की सुरक्षा, गति से अधिक महत्वपूर्ण है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से राज्य सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए शुरू किए गए 'अराइव, अलाइव' अभियान को एक जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। डीजीपी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं आज एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी हैं और इनसे जुड़ी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले 'अराइव... अलाइव' कार्यक्रम में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों की संख्या को काफी हद तक कम करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को सख्त उपाय अपनाने तथा यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि 'जीवन गति से अधिक महत्वपूर्ण है' इस संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाना आवश्यक है और इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने ये निर्देश रविवार को रामगुंडम पुलिस आयुक्तालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान दिए। इस अवसर पर उन्होंने सशस्त्र पुलिस कर्मियों के लिए नवनिर्मित आवासीय परिसर का उद्घाटन भी किया।

महत्वपूर्ण खनिजों पर रोड शो का आयोजन आज

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा सोमवार को हैदराबाद के गच्चीबौली स्थित हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी के सातवें चरण तथा अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉकों के दूसरे चरण पर एक रोडशो आयोजित किया जा रहा है। इस रोड शो में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के हितधारक तथा संभावित बोलीदाता भी भाग लेंगे। सातवें चरण में कुल 19 महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों को शामिल किया गया है, जिनमें टंगस्टन, लिथियम, टिन तथा रॉक फॉस्फेट जैसे खनिज शामिल हैं। ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकी तथा उर्वरक क्षेत्रों के लिए अत्यंत आवश्यक माने जाते हैं। अब तक छह चरणों में 46 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है, जो देश में खनिज सुरक्षा को मजबूत करने तथा आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में सरकार के सतत प्रयासों को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉकों के दूसरे चरण को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से गहराई में स्थित और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना है। यह व्यवस्था सर्वेक्षण और अन्वेषण के लिए एक सुदृढ़ ढांचा प्रदान करती है, जिससे देश में खनिज अन्वेषण तंत्र को मजबूती मिलती है। रोडशो के दौरान खनिज संभावनाओं, नीलामी प्रक्रिया और नीतिगत सुधारों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, हितधारकों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें उनके प्रश्नों का समाधान किया जाएगा और व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप एक सशक्त और आत्मनिर्भर खनिज क्षेत्र के निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा देश के समग्र विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

केटीआर का आरोप-राज्य में बढ़ा भ्रष्टाचार

सिंगारेनी में सीबीआई जांच की मांग

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनकी सरकार पर राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) समेत कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। केटीआर ने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में हेराफेरी की जा रही है और कांग्रेस से जुड़े लोगों को ठेके दिए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बताते हुए कहा

कि हर क्षेत्र में अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर भी सांठगांठ का आरोप लगाया और कहा कि दोनों पार्टियां एक-दूसरे को बचा रही हैं। केटीआर ने कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक कोई जांच शुरू नहीं हुई है और सिंगारेनी मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के शासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय श्रमिकों को ज्यादा अधिकार और रोजगार के अवसर मिले थे, जबकि अब उनकी अनदेखी हो रही है। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बीआरएस बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेगी और सिंगारेनी मुख्यालय का घेराव भी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और मजदूरों में नाराजगी बढ़ रही है। साथ ही जनता से आगामी चुनावों में बीआरएस का समर्थन करने की अपील की।

भट्टी विक्रमार्का ने देशव्यापी व्यापक जातिगत जनगणना की मांग की

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा है कि वास्तविक सामाजिक न्याय केवल तभी संभव है जब देश स्तर पर व्यापक जातिगत जनगणना कराई जाए। उन्होंने यह बात रविवार को हैदराबाद स्थित प्रजा भवन में 'जाति जनगणना: सामाजिक न्याय का सुदृढ़ीकरण' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए कही। इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना के साथ-साथ सभी समुदायों की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति से संबंधित विस्तृत आंकड़े एकत्र किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा किया गया व्यापक जातिगत सर्वेक्षण देश के लिए एक उदाहरण है और यह राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना लागू करने के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल बन सकता है। कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक जी. किरण कुमार, अखिल भारतीय ओबीसी छात्र संघ (एआईओबीसीएसए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी डॉ. वाहिनी बिल्लु उपस्थित रहे। लेखकों ने कहा कि यह पुस्तक लोकतांत्रिक शासन को मजबूत करने तथा सामाजिक न्याय को गहरा करने में जाति गणना के महत्व को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है। पुस्तक विमोचन के बाद उपमुख्यमंत्री ने बीसी शिक्षक, पेशेवर, बुद्धिजीवी एवं छात्र संयुक्त कार्रवाई समिति तथा अखिल भारतीय ओबीसी छात्र संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की।

कांग्रेस शासनकाल में ही राज्य में बड़े विकास कार्य हुए : चामला

बेबुनियाद बयान दे रहे हैं केटीआर

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने प्रेस वार्ता में बीआरएस नेता केटीआर पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि केटीआर बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी सभी चुनावों में हार चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उसके नेता अभी भी सत्ता में बने रहने का भ्रम पाल रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान राज्य पर भारी कर्ज बढ़ा और शासन व्यवस्था ठीक ढंग से नहीं चली। किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में ही राज्य में बड़े विकास कार्य हुए, जिनमें हवाई अड्डा, मेट्रो रेल और अन्य बुनियादी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने जनता के हितों की अनदेखी की और केवल अपने फायदे पर ध्यान दिया। उन्होंने कलेश्वरम परियोजना को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि इसमें खामियां सामने आई हैं। साथ ही यह भी कहा कि वर्तमान सरकार राज्य के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है और केंद्र सरकार से सहयोग लेने में भी पीछे नहीं हटेगी। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जनता के हित में काम कर रहे हैं और राज्य के विकास के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होकर उभरेगी। प्रेस वार्ता में उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के आरोपों पर जनता ध्यान नहीं दे रही है और प्रदेश में विकास कार्यों के आधार पर ही राजनीति होगी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बेटी ने किसानों के परिवारों को दी पहली सैलरी

सिद्दिपेट, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक युवा सॉफ्टवेयर पेशेवर पुली मानस्वी ने अपने पहले महीने का वेतन किसानों के परिवारों की मदद के लिए दान कर मिसाल पेश की है। उन्होंने आत्महत्या करने वाले किसानों की विधवाओं की सहायता के लिए यह कदम उठाया। मानस्वी सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक पुली राजू की बेटी हैं, जो पिछले 25 वर्षों से किसानों की समस्याओं पर काम कर रहे हैं। पिता से प्रेरित होकर मानस्वी ने एक्सेंचर में नौकरी शुरू करने के बाद अपनी पहली सैलरी दान करने का फैसला किया।

गजवेल प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पांच किसान विधवाओं को साड़ियां और प्रत्येक को 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी। इस मदद से लाभार्थी महिलाएं भावुक हो गईं और उन्होंने आभार जताया। मानस्वी के पिता पुली राजू ने बताया कि वह खुद किसान परिवार से आते हैं और वर्षों से किसानों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश के अन्य युवा भी मानस्वी से प्रेरणा लेकर समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे।

वीकेंड पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई

240 लोग पकड़े गए, सभी को कोर्ट में किया जाएगा पेश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने वीकेंड के दौरान विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस अभियान में कुल 240 लोगों को पकड़ा गया। वाहनों के आधार पर मामलों का विवरण इस प्रकार है-दोपहिया वाहन 193, तिपहिया वाहन 9, चारपहिया वाहन 38, जबकि भारी वाहनों का कोई मामला सामने नहीं आया। जांच के दौरान शराब की मात्रा के आधार पर भी लोगों को वर्गीकृत किया गया। 199 लोगों में शराब की मात्रा 36 से 200 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर पाई गई, 32 लोगों में यह मात्रा 201 से 300 मिलीग्राम रही, जबकि 9 लोगों में 301 से 550 मिलीग्राम तक पाई गई।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शराब के नशे में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए किसी की मौत का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। वहीं, पिछले सप्ताह 6 अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच कुल 86 मामलों का निस्तारण न्यायालय में किया गया। इनमें 2 लोगों को जुर्माने के साथ जेल की सजा, 1 व्यक्ति को जुर्माने के साथ सामाजिक सेवा, जबकि 83 लोगों को केवल जुर्माना लगाया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिलेगा सम्मान, मंत्री का ऐलान

संगारेड्डी, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेगी और उन्हें उचित पद दिए जाएंगे। पाटनचेरु में कृषि बाजार समिति (एएमसी) के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना चाहिए। इस दौरान एपुरी शिवानंदम ने एएमसी अध्यक्ष और राजशेखर ने उपाध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। मंत्री ने बताया कि कांग्रेस सरकार ने संगारेड्डी जिले में बीएचईएल, बीडीएल, आईआईटी-हैदराबाद जैसे कई बड़े संस्थान स्थापित किए हैं, जिससे क्षेत्र का विकास हुआ है। वहीं श्रम मंत्री जी विवेकानंद ने कहा कि पाटनचेरु क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए पर्याप्त फंड दिया जाएगा। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि और कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

ऑरेंज अलर्ट: 16 अप्रैल तक तेलंगाना में भीषण लू का प्रकोप

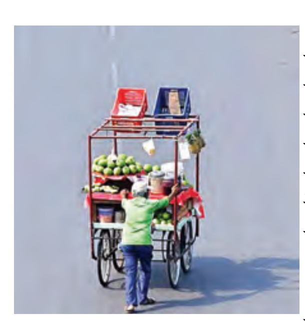

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 16 अप्रैल तक गंभीर गर्मी की स्थिति को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, 16 अप्रैल को हैदराबाद शहर में अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। यह अलर्ट 12 से 16 अप्रैल के बीच राज्य के कई जिलों पर लागू रहेगा। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी (टीएसडीपीएस) और आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी तीन दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। शनिवार और रविवार के बीच राज्य में सबसे अधिक तापमान जोगुलाम्बा गडवाल जिले के चिन्ना थांद्रापाडु में 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम औद्योगिक क्षेत्र में 41.2 डिग्री, मेदक जिले के मेडचल औद्योगिक क्षेत्र में 40.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। हैदराबाद महानगर क्षेत्र में नेहरू नगर स्थित वार्ड कार्यालय में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य क्षेत्रों में भी तापमान में वृद्धि देखी गई, जिसमें खम्मम जिले के गुब्बागुर्थी और नलगोंडा के घनपुर में 41.7 डिग्री सेल्सियस तथा आदिलाबाद के तलामड्डुगु में 41.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, अत्यधिक गर्मी से बचने तथा आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

गजनीपुरा स्थित शुक्रवार 17 अप्रैल श्री राम गौशाला नवयुवक मंडल एवं गौभक्तोफ्र के सानिध्य में आयोजित एक शाम गौमाता के नाम भव्य जागरण में बत्तौर मुख्यअतिथि गौ-पालन कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी को निमंत्रण देते हुए अध्यक्ष ताराराम (मोहन) चौधरी, सचिव अशोक नायक, कोषाध्यक्ष ढलाराम चौधरी, सलाहकार सोहनलाल देवड़ा, सहसचिव घीसाराम चौधरी, मोटाराम, पोकरराम बर्फा, कानाराम नायक, अमृतदास वैष्णव, भंवरलाल लौहार, मुकेश, मांगीलाल, शांतिलाल, व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

नहीं रहीं सुरों...

प्रधानमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार, प्रशंसकों तथा संगीत प्रेमियों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आशा भोसले की आवाज ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और उनके गीत हमेशा लोगों के दिलों में गूंजते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह दिन हर संगीत प्रेमी और हर भारतीय के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। अमित शाह ने कहा कि आशा भोसले ने अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से संगीत जगत में एक अलग पहचान बनाई।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसे देश के संगीत क्षेत्र के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति बताया। नितिन गडकरी ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से संगीत की दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनके साथ उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंध भी रहे, जिससे यह क्षति उनके लिए और अधिक भावुक कर देने वाली है।

कांग्रेस के 20...

सिद्धारमैया और शिवकुमार में टकराव

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने खुलासा किया है कि प्रस्तावित मंत्रिमंडल फेरबदल सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच एक और टकराव का कारण बन सकता है, क्योंकि दोनों ने कथित तौर पर अपने समर्थकों को शामिल करते हुए अपनी-अपनी सूचियां तैयार कर ली हैं। इसके अलावा, पार्टी सूत्रों ने बताया कि हाई कमांड ने भी एक अलग सूची तैयार की है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सात बार के विधायक और दिल्ली में कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र ने शनिवार को बेंगलुरु में कहा कि दिल्ली आने की योजना बना रहे विधायक वरिष्ठ और अनुभवी हैं जिन्होंने पार्टी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जयचंद्र ने साफ किया कि तीन, चार और पांच बार निर्वाचित हुए विधायक एक साथ आए, बैठक की, और दिल्ली जाने का फैसला किया। कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में इस मंत्रिमंडल ने तीन साल पूरे कर लिए हैं और इसका दो साल का कार्यकाल शेष है। सत्ता परिवर्तन की स्थिति में, हम अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। हम किसी मध्यस्थ के माध्यम से उच्च कमान से संपर्क नहीं कर रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुजरात ने लगातार दूसरा आईपीएल मैच जीता

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-19 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने रविवार के पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में गुजरात ने 165 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन बनाए।

गुजरात से गिल-बटलर ने फिफ्टी लगाई

165 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात ने मिलीजुली शुरुआत की टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 52 रन ही बनाए थे।

45 रन के स्कोर साई सुदर्शन का विकेट गंवाने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ मिलकर रन चेज को आसान बनाया। दोनों 58 बॉल पर 84 रन की साझेदारी की। दोनों अर्धशतक भी लगाए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट झटके

लखनऊ की ओर से ऐडन मार्करम ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। गुजरात से प्रसिद्ध कृष्णा ने ऐडन मार्करम, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन और मुकुल चौधरी को पवेलियन भेजा। अशोक शर्मा को 2 विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा के खाते में एक-एक विकेट आया।

इतिहास रचने से चूके आयुष शेट्टी
मगर 61 साल बाद दिलाया मेडल

निंगबो12 अप्रैल (एजेंसियां)। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में खिताब जीतने का भारत का इंतजार जारी है. ठीक 61 साल बाद भारत इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी खिताब जीतने से चूक गए. चीन में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में 20 साल के आयुष शेट्टी को चीन के ही शी यूकी के हाथों 8-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही 1965 के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी का सिंगल्स में बैडमिंटन एशिया चैंपियन बनने का सपना टूट गया. हालांकि आयुष को सिल्वर मेडल मिला, जो इस टूर्नामेंट में भारत का दूसरा ही मेडल है.

चीन के निंगबो में खेली गई इस चैंपियनशिप में भारत की आखिरी उम्मीद रहे आयुष शेट्टी ने लगातार

अच्छा प्रदर्शन किया था. फाइनल में पहुंचने से पहले उन्होंने टॉप-10 रैंक में शामिल 3 खिलाड़ियों को शिकस्त दी थी. इसमें पिछले साल के विजेता और वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न भी शामिल थे, जिन्हें हराकर आयुष ने फाइनल में जगह बनाई थी.

इसके बाद फाइनल में उनका सामना दूसरी रैंक यूकी से था लेकिन ये बाधा वो पार नहीं कर सके.

मौजूदा वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियन शी यूकी ने इस पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और आयुष को एक बार भी जीत के करीब नहीं आने दिया. खास तौर पर तो पहले गेम में चीनी शटलर ने बिना किसी परेशानी के 21-8 से जीत दर्ज की. दूसरे गेम की शुरुआत में आयुष अच्छी स्थिति में दिख रहे थे और एक वक्त पर 5-2 से आगे चल रहे थे लेकिन एक बार यूकी ने वापसी की तो उन्हें रोकना मुश्किल हो गया. लंबे कद के भारतीय खिलाड़ी के पास 30 साल के यूकी के अनुभव का कोई जवाब नहीं था और 21-10 से दूसरा गेम जीतकर चीनी खिलाड़ी ने खिताब जीत लिया.

आईपीएल में कैसा खेल रहे टी-20 वर्ल्ड चैंपियंस
चक्रवर्ती-बुमराह को विकेट नहीं मिल रहे; रिंकू, हार्दिक और अर्शदीप फ्लॉप

खेल डेस्क, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में 19वें सीजन के 18 मैच खत्म हो चुके हैं। भारत को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले 15 प्लेयर्स अलग-अलग टीमों में खेल रहे हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने शतक लगा दिया। उनके साथी अभिषेक शर्मा ने भी 74 रन की पारी खेली। हालांकि, वर्ल्ड कप के 2 टॉप विकेट टेकर वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह IPL में विकेट के लिए तरस जा रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी बहुत फीका चल रहा है। वर्ल्ड कप में खराब स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

ओपनर्स चमके

आईपीएल के 18 मैचों में 10 टीमों से 22 प्लेयर्स ने ओपनिंग की। वर्ल्ड कप खेलने वाले अभिषेक शर्मा सनराइजर्स हैदराबाद और संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स से खेल रहे हैं। टूर्नामेंट में अभिषेक 5वें और सैमसन तीसरे बेस्ट स्कोरर हैं। राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल टॉप-2 पोजिशन पर हैं।

अभिषेक शुरुआती 3 मैचों में 55 रन ही बना सके। हालांकि, पंजाब के खिलाफ उन्होंने 28 गेंद पर ही 74 रन बना दिए। उन्होंने 8 छक्के और 5 चौके लगाए। वे 129 रन बनाकर टूर्नामेंट के पांचवें बेस्ट ओपनर हैं।

संजू भी शुरुआती 3 मैचों में फ्लॉप रहे, उनके बैट से तो 22 रन ही निकले। दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 56 गेंद पर 115 रन की नॉटआउट पारी खेल दी। उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के लगाए। वे 137 रन बनाकर टूर्नामेंट के तीसरे बेस्ट ओपनर हैं।

मिडिल ऑर्डर में एक ही फिफ्टी लगी

आईपीएल में 3 से 5 नंबर तक 39 प्लेयर्स बैटिंग कर चुके हैं। इनमें 11 ने 100 से ज्यादा रन बनाए, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन टीम का एक ही भारतीय इसमें शामिल हैं। नंबर-3 पर बैटिंग करने वाले ईशान ने एक फिफ्टी लगाकर 120 से ज्यादा रन बनाए हैं। वर्ल्ड कप में उनका साथ देने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा कुछ खास नहीं कर सके।

ईशान फिलहाल एसआरएच की कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया था। इसके बाद 3 मैचों में वे 42 रन ही बना सके। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।

सूर्यकुमार टूर्नामेंट एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके हैं, उनके नाम 73 रन ही हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट जरूर 155 प्लस है, जो उनके वर्ल्ड कप स्ट्राइक रेट से 19 ज्यादा है। वे रन बनाने के मामले में 15वें नंबर पर हैं।

तिलक का प्रदर्शन मिडिल ऑर्डर बैटर्स में सबसे खराब है। वे 130.76 के स्ट्राइक रेट से 34 रन ही बना सके। वे एक बार खाता नहीं खोल सके और 6 ही चौके लगा पाए हैं। उनके बैट से एक भी छक्का नहीं आया। वे टॉप-20 प्लेयर्स से भी बाहर हैं। एसआरएच के हेनरिक क्लासन पहले और आरआर के ध्रुव जुरेल दूसरे नंबर पर हैं।

ऑलराउंडर्स कमाल नहीं दिखा सके

दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल और मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या भी आईपीएल में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। वहीं वर्ल्ड कप में 2 ही मैच खेलने वाले वॉशिंगटन सुंदर बैट से रन बना रहे हैं। अक्षर 4 मैचों में 2 ही रन बना सके। उन्होंने बॉलिंग में जरूर 8 से कम की इकोनॉमी रखी और 3 विकेट भी झटक लिए। विकेट लेने वाले स्पिनर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।

हार्दिक तो बैट और बॉल दोनों डिपार्टमेंट में फ्लॉप रहे। उनका स्ट्राइक रेट जरूर 160 के करीब है, लेकिन रन 30 भी नहीं बना सके। गेंदबाजी में 1 ही विकेट ले सके, जिसके लिए उन्होंने 11 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन खर्च कर दिए। दोनों डिपार्टमेंट में वे टॉप-30 प्लेयर्स से भी नीचे हैं।

सुंदर के नाम बॉलिंग में एक ही विकेट हैं, लेकिन गुजरात के लिए बैटिंग में वे मिडिल ऑर्डर बैटर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस पोजिशन पर एक फिफ्टी के सहारे वे 77 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 154 का है। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 14वें नंबर पर हैं।

एक ही फिनिशर रन बना पा रहा

शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने वर्ल्ड कप में फिनिशर की भूमिका निभाई थी। आईपीएल में 49 प्लेयर्स ने 6 से 8 नंबर पर बैटिंग की है। इनमें 12 प्लेयर्स ने 30 प्लस रन बनाए। इनमें 250 प्लस का स्ट्राइक रेट अकेले सरफराज खान का रहा। उनके बाद एसआरएच के अनिकेत वर्मा ने 195 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

दुबे ने 164.81 के स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाए। स्ट्राइक रेट के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 4 छक्के और 9 चौके लगाए। सिक्स लगाने में दुबे चौथे और चौके लगाने में पहले नंबर पर हैं। रिंकू ने 4 मैचों में 72 रन जरूर बनाए, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 135 का ही रहा। ज्यादातर मौकों पर उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की, इसके बावजूद वे कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। वे एक ही सिक्स लगा सके। स्ट्राइक रेट के मामले में रिंकू 12 प्लेयर्स में 8वें नंबर पर हैं।

विकेट को तरस गए स्पिनर वरुण

टी-20 वर्ल्ड कप में 14 विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती विकेट को तरस गए हैं। टूर्नामेंट के 30 स्पिनर्स में वे आखिरी नंबर पर हैं। दूसरी ओर एक ही वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले कुलदीप विकेट लेने वाले स्पिनर्स में 8वें नंबर पर चल रहे हैं। आईपीएल में राजस्थान के रवि बिश्नोई नंबर-1 और एसआरएच के हर्ष दुबे दूसरे नंबर पर हैं।

वरुण ने 4 में से 2 मैच खेले और 6 ओवर में 13 प्लस की इकोनॉमी से 79 रन खर्च कर दिए। वे अपने कोटे के 8 ओवर भी नहीं फेंक सके। दूसरे मुकाबले के बाद वे इंजर्ड हो गए और बाकी 2 मैच नहीं खेल सके।

कुलदीप ने भी 4 मैच खेले, लेकिन 3 विकेट ही ले सके। उनकी इकोनॉमी भी 10 के करीब पहुंच गई। कुलदीप ने 3 में से 2 विकेट एक ही मैच में लिए, यानी 2 मुकाबलों में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

बुमराह को भी विकेट नहीं मिल रहे

वर्ल्ड कप में वरुण के बराबर 14 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह भी आईपीएल में विकेट को तरस गए हैं। उनके बाद दूसरे टॉप विकेट टेकर रहे अर्शदीप सिंह को 4 में से 3 मुकाबलों में विकेट नहीं मिला। मोहम्मद सिराज भी कुछ खास नहीं कर पाए। आईपीएल में 50 पेसर्स ने बॉलिंग की, चेन्नई के अंशुल कम्बोज 8 और गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 6 विकेट के साथ टॉप-2 पर हैं।

बुमराह ने 3 मैच खेले, लेकिन एक भी विकेट नहीं लिया। हालांकि, उनकी इकोनॉमी जरूर 8 की रही। जो 4 से ज्यादा ओवर फेंकने वाले पेसर्स में तीसरी बेस्ट है। हालांकि, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने जरूर उनके खिलाफ 2 सिक्स लगा दिए थे। अर्शदीप 4 मैचों में 2 विकेट ही ले सके, उनके दोनों विकेट एक ही मुकाबले में आए। यानी बाकी 3 मैचों में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी इकोनॉमी भी 10.50 से ज्यादा रही। विकेट टेकर्स में वे टॉप-25 से भी बाहर हैं। सिराज ने वर्ल्ड कप में एक ही मैच खेला, लेकिन 3 विकेट झटक लिए थे। IPL में उन्होंने 3 मुकाबले खेल लिए, लेकिन 2 ही विकेट मिले। उनकी इकोनॉमी 11.5 रही। विकेट लेने वाले पेसर्स में वे टॉप-30 से बाहर हैं।

रोहित-कोहली के क्लब में संजू शामिल
400 सिक्स वाले चौथे भारतीय
इस सीजन का पहला शतक लगाया

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेपॉक स्टेडियम में संजू सैमसन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में एंट्री ली। वे टी-20 में 400 सिक्स पूरे करने वाले चौथे भारतीय बने। उन्होंने इस सीजन का पहला शतक जड़ा। फील्डिंग में सरफराज खान ने डाइविंग कैच लेकर अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा।

संजू ने आईपीएल करियर का चौथा शतक लगाया

18वें ओवर की पांचवीं गेंद पर संजू सैमसन ने चौका लगाकर शतक पूरा किया। यह इस सीजन का पहला और IPL में उनका चौथा शतक रहा। दिल्ली के खिलाफ चेन्नई में किसी सीएसके बल्लेबाज का यह दूसरा शतक है। इससे पहले मुरली विजय ने 2012 के क्वालिफायर में इसी मैदान पर 113 रन बनाए थे।

संजू के नाम 401 सिक्स

संजू सैमसन ने टी-20 में 400 सिक्स पूरे किए। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बने। उनसे पहले रोहित शर्मा (554), विराट कोहली (441) और सूर्यकुमार यादव (442) इस मुकाम तक पहुंच चुके हैं। आयुष आईपीएल में रिटायर आउट होने वाले छठे खिलाड़ी बने। उनसे पहले रविचंद्रन अश्विन (2022), अथर्व तायडे (2023), साई सुदर्शन (2023), तिलक वर्मा (2025) और डेवोन कॉनवे (2025) भी इस तरह आउट हो चुके हैं।

17वें ओवर की तीसरी गेंद पर आयुष म्हात्रे 59 रन बनाकर रिटायर आउट हुए। उनकी जगह शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए आए।

आयुष 19 साल की उम्र से पहले आईपील में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे प्लेयर बने। उन्होंने 15वें ओवर की पहली गेंद पर सिक्स लगाकर तीसरी IPL फिफ्टी पूरी की। इस मामले में वैभव सूर्यवंशी 4 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं।

10वें ओवर की तीसरी गेंद पर संजू सैमसन को जीवनदान मिला। अक्षर पटेल की गेंद पर उन्होंने लंबा शॉट खेला। लॉन्ग-ऑफ पर खड़े पाथुम निसांका कैच लेने दौड़े, लेकिन गेंद हाथ से छूट गई और चौका गया। 12वें ओवर में कुलदीप यादव की तीसरी गेंद पर आयुष म्हात्रे को जीवनदान मिला। उन्होंने गेंद सीधा गेंदबाज की ओर खेली, लेकिन कुलदीप फॉलोथ्रू में कैच नहीं पकड़ सके।

16वें ओवर की पांचवीं गेंद पर एक और मौका छूटा। मुकेश कुमार की गेंद पर म्हात्रे आगे बढ़े, लेकिन गेंद सही से कनेक्ट नहीं हुई और हवा में गई। लॉन्ग-ऑन से दौड़ते हुए डेविड मिलर ने डाइव लगाई, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। इस तरह आयुष को दूसरी बार जीवनदान मिला।

17वें ओवर की तीसरी गेंद पर आयुष म्हात्रे 59 रन बनाकर रिटायर आउट हुए। यह टैक्टिकल फैसला था, जिसमें टीम ने तेज रन के लिए नया बल्लेबाज भेजा। इसके बाद शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए आए। 7वें ओवर की पहली गेंद पर दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवाया। अक्षर पटेल एक रन बनाकर आउट हुए। गुरजपनीत सिंह की शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर अक्षर ने कट शॉट खेला, लेकिन गेंद नीचे नहीं रख सके। पॉइंट पर सरफराज खान ने दाईं ओर डाइव लगाकर कैच लपका। दिल्ली की पारी के आखिर में विवाद हुआ। ट्रिस्टन स्टब्स ग्लव्स बदलना चाहते थे, लेकिन चौथे अंपायर ने अनुमति नहीं दी। इससे दिल्ली कैंप नाराज दिखा। इसके बाद 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर जेमी ओवर्टन ने स्टब्स को आउट किया।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट : वैशाली ने रूसी खिलाड़ी को हराया
टॉप पर बरकरार, प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला; टूर्नामेंट के 3 राउंड बाकी

साइप्रस, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने साइप्रस में चल रहे फैड चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी में एक और बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को हराकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बरकरार हैं। इस जीत के साथ वैशाली के 11 राउंड के बाद 7 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद खिलाड़ियों से एक अंक आगे हैं। टूर्नामेंट में अब तीन राउंड बाकी हैं।

प्रज्ञानानंदा 7वें पर कायम

ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा इस

ड्रॉ के बाद 7वें नंबर पर ही हैं।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

हाई-वोल्टेज ड्रामा, बीच मैच अंपायर से भिड़े नीतीश राणा
डीसी के साथ हुई 'नाइंसाफी' पर उठाया सवाल !

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच हुआ. इस मुकाबले में सीएसके ने जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला. चेपॉक में हुए इस मुकाबले में सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212 रन बोर्ड पर लगाए. जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 189 रन बनाकर आउट हो गई. सीएसके को 23 रन से जीत मिली. हर कोई चेन्नई सुपर किंग्स के कमबैक की बात कर रहा है लेकिन इसी बीच डीसी के खिलाड़ी नीतीश राणा की अंपायर से बहस भी फैंस की नजरों में है. सीएसके बनाम डीसी मैच के दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ. दिल्ली कैपिटल्स बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही थी. इसी बीच एक मौके पर ट्रिस्टन स्टब्स ने ग्लव्ज में बदलाव की मांग की. ग्लव्ज पसीने की वजह से गीले हो गए थे और ट्रिस्टन सही तरह से बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे थे. बीच ओवर में स्टब्स की इस मांग को

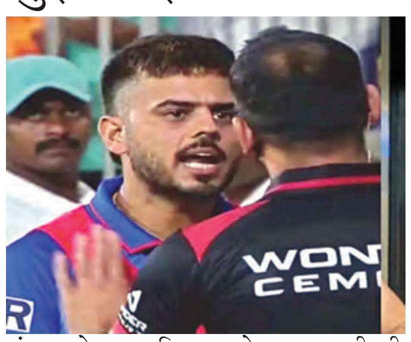

अंपायर ने ठुकरा दिया. इसके बाद अगली की गेंद पर स्टब्स आउट हो गए. नीतीश राणा बाउंड्री पर खड़े अंपायर से पूछने लगे कि आखिर क्यों ग्लव्ज बदलने नहीं दिए गए. नीतीश का मानना था कि इस तरह के ग्लव्ज से खिलाड़ी के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है.

सोशल मीडिया पर बताया जा रहा है कि नीतीश ने अंपायर से यह सवाल भी किया कि जब सीएसके की टीम बल्लेबाजी कर रही थी, तब उन्हें ओवर के बीच ग्लव्ज बदलने की अनुमति दी गई थी. नीतीश राणा के सवाल उठाने के बावजूद अंपायर ने अपना फैसला नहीं बदला. ट्रिस्टन अपने पुराने ग्लव्ज में सही तरह से नहीं खेल पा रहे थे और अंपायर के मना करने के बाद अगली गेंद पर स्टब्स आउट हो गए. इससे दिल्ली कैपिटल्स का कैंप नाराज हो गया.

टी20 क्रिकेट के नियमों के अनुसार बल्लेबाज ब्रेक्स के दौरान ही ग्लव्ज, पैड्स और हेलमेट बदल सकते हैं. यह केवल ओवरों के बीच या आधिकारिक टाइम-आउट के दौरान ही किया जा सकता है. अगर ओवर के बीच सामग्री टूट जाती है या किसी तरह से डैमेज हो जाती है, तब बदलाव कर सकते हैं. ग्लव्ज बिना किसी कारण के ओवर के दौरान बदलना नियमों के अनुसार गलत है. खैर, स्टब्स के आउट होने के बाद दिल्ली कैपिटल्स का कमबैक नहीं हो पाया और वो मैच हार गए.

एफ-1 टीम मर्सिडीज के बॉस का फलसफा : प्यार करने के लिए कोई अपना हो, कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए सपना हो

बर्लिन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। फॉर्मूला-1 की दुनिया में मर्सिडीज टीम के बॉस और सीईओ टोटो वोल्फ की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। 2014 से 2020 तक लगातार सात ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाली उनकी टीम 2026 में फिर टॉप पर है। सफलता के शिखर पर बैठे वोल्फ मानते हैं कि एक खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए तीन चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं- प्यार करने के लिए कोई अपना हो, करने के लिए कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए कोई सपना हो।

खाली बैठना इंसान को नकारात्मकता की ओर ले जाता है और बिना सपनों के इंसान कितनी भी बड़ी कामयाबी हासिल कर ले, वह डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। छह बिलियन डॉलर (लगभग 55 हजार करोड़ रुपए) का साम्राज्य चलाने वाले वोल्फ का मानना है कि फॉर्मूला वन सिर्फ मशीनों और डेटा का खेल नहीं है, बल्कि यह इंसानी जज्बातों से

गहराई से जुड़ा है।

उनका तर्क है कि फैसले डेटा नहीं, बल्कि इंसान लेते हैं। उनकी इस गहरी मानवीय सोच और मजबूत लीडरशिप के पीछे बचपन का कड़ा संघर्ष है। पिता की गंभीर बीमारी के बाद 8-9 साल की उम्र में ही उन पर छोटी बहन की जिम्मेदारी आ गई। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने उन्हें एक प्राइवेट स्कूल में भेजा था, लेकिन फीस न भर पाने के कारण अक्सर उन्हें और बहन को क्लास से बाहर कर दिया जाता था।

उस दर्दनाक अपमान ने उनके अंदर खुद को साबित करने की एक जिद पैदा की। इसी संघर्ष ने उन्हें सिखाया कि अपने कर्मचारियों व परिवार को एक सुरक्षित माहौल कैसे देना है।

वोल्फ खुद को माइक्रोमैनेजर कहते हैं, लेकिन उनका तरीका कर्मचारियों पर दबाव बनाने का नहीं है। माइक्रोमैनेजमेंट का मतलब हर काम खुद करना नहीं, बल्कि यह जानना है कि कंपनी के हर हिस्से में क्या चल रहा है। वे टीम को फैसले लेने की पूरी आजादी और गलतियों से सीखने का मौका देते हैं।

इंटरनेशनल प्लेयर स्वीटी बूरा ने दीपक हुड्डा से लिया तलाक
अब बिना कंपनसेशन अलग हुई; बॉक्सर बोलीं-साथ रहना संभव नहीं

हिसार, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार की रहने वाली वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति व इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा के बीच तलाक हो गया है। हिसार कोर्ट में दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया। तलाक का केस लड़ रहे स्वीटी के वकील सुनील तिवारी ने इसकी पुष्टि की। बताया कि तलाक पर फैसले के समय दोनों कोर्ट में ही मौजूद थे। स्वीटी ने कोर्ट में कहा कि अब उनका दीपक हुड्डा के साथ रहना संभव नहीं है। वहीं, दीपक ने मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, तलाक से पहले स्वीटी ने भरण-पोषण के लिए 50 लाख रुपए गुजारा भत्ता और 1.50 लाख रुपए मासिक खर्च की मांग भी रखी थी। मगर, दोनों के बीच बिना किसी कंपनसेशन के आपसी सहमति से यह तलाक हुआ। बता दें कि दोनों की शादी वर्ष 2022 में हुई थी, लेकिन फरवरी 2025 में रिश्तों में खटास आ गई। दोनों के बीच गंभीर आरोप-प्रत्यारोप लगे थे। स्वीटी बूरा ने दीपक हुड्डा पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, पासपोर्ट छीनने और मानसिक उत्पीड़न जैसे आरोप लगाए थे। उन्होंने जान से मारने की कोशिश तक का आरोप लगाया था। विवाद इतना बढ़ गया था कि दोनों के बीच महिला थाने में हाथापाई भी हो गई थी।

मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों को दोबारा चालू करने की प्राथमिकता

मंत्री ने की अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ समीक्षा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत आने वाले तीनों प्रमुख बैराज–मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला–की मरम्मत कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि इन बैराजों को जल्द से जल्द दोबारा चालू करना सरकार की प्राथमिकता है। रविवार को सचिवालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक में मंत्री ने अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और अन्य जांच एजेंसियों ने इन बैराजों की नींव, बनावट और निर्माण में गंभीर खामियां पाई हैं, जिन्हें जल्द दूर करना जरूरी है। मंत्री ने निर्देश दिया कि वर्ष 2027 और 2028 को मरम्मत कार्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराज तय समय में पूरी तरह चालू हो जाएंगे, जबकि मेडिगड्डा को आंशिक रूप से शुरू किया जा सकेगा।

सरकार ने नए डिजाइन तैयार करने के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। मंत्री ने उन्हें दिन–रात काम कर जल्द से जल्द डिजाइन तैयार करने को कहा, ताकि उसे केंद्रीय जल आयोग से तुरंत मंजूरी मिल सके। इसके लिए जरूरी सभी तकनीकी परीक्षण प्राथमिकता के आधार पर पूरे किए जाएंगे। पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं ऊर्जा अनुसंधान केंद्र को भी सभी परीक्षण और अध्ययन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 45 दिन की परीक्षण अवधि के दौरान विशेषज्ञों को स्थल पर लगातार मौजूद रहने को कहा गया है। परियोजना की निगरानी के लिए एक उच्चस्तरीय संचालन समिति बनाई गई है, जो सप्ताह में दो बार बैठक कर प्रगति की समीक्षा करेगी। साथ ही, एक अधिकारी रोजाना कार्यों की निगरानी करेगा। मंत्री ने निर्माण कार्य कर रही एजेंसियों को अपने शिविर और सुविधाएं तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इंजीनियरों और कर्मचारियों को कोई परेशानी न हो। साथ ही, सभी परीक्षण कार्य संबंधित विशेषज्ञों और अधिकारियों की मौजूदगी में कराए जाएंगे और उनका पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। बैठक में सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

सिंचाई पानी में देरी से किसान परेशान

बीआरएस विधायक ने सरकार से लगाई गुहार

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने राज्य सरकार से सिंगूर परियोजना से पानी छोड़ने में हो रही देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस वजह से नरसपुर और मेडक क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की। उनका कहना है कि सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के मौखिक आदेश के बावजूद खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे किसानों को दिक्कत हो रही है। बीआरएस नेता ने बताया कि अधिकारियों के बीच तालमेल की कमी के कारण यह समस्या पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि करीब 30 प्रतिशत फसलें पहले ही सूख चुकी हैं और घनपुर एनीकट के तहत लगभग 60 हजार एकड़ में लगी धान की फसल खतरे में है। उन्होंने सरकार से मांग की कि तुरंत कम से कम 0.3 टीएमसीएफटी पानी छोड़ा जाए और इस बारे में साफ लिखित आदेश दिए जाएं, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

अमरावती प्रोजेक्ट में पैसा बरसा

विश्व बैंक ने जारी किए 340 मिलियन डॉलर अप्रैल में और निवेश से बढ़ेगी रफ्तार

अमरावती, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के विकास कार्यों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बड़ी आर्थिक सहायता मिल रही है। विश्व बैंक ने अब तक अमरावती कैपिटल फेज–1 के लिए 340 मिलियन अमेरिकी डॉलर जारी कर दिए हैं। वहीं, अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 130 से 150 मिलियन डॉलर मिलने की संभावना जताई जा रही है। .

राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह फंडिंग विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की संयुक्त योजना का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 1,600 मिलियन डॉलर (800–800 मिलियन डॉलर प्रत्येक संस्था से) का निवेश किया जाना है।

ब्याज दर और फंडिंग मॉडल

अधिकारियों ने बताया कि इस ऋण पर लगभग 8 से 8.5 प्रतिशत ब्याज दर लागू होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों के अनुसार बदलती रहेगी। विश्व बैंक के अनुसार, यह परियोजना 'परफॉर्मेंस बेस्ड फंडिंग मॉडल' पर आधारित है, जिसमें धनराशि तय मील के पत्थरों को हासिल करने के बाद जारी की जाती है, न कि तय समय सारणी के आधार पर।

अमरावती को आधुनिक शहर बनाने की योजना

इस योजना का उद्देश्य अमरावती को एक आधुनिक, निवेश–आकर्षक और रोजगार सृजन करने वाला शहर बनाना है। इसके लिए शासन व्यवस्था को मजबूत करने और शहरी ढांचे के विकास पर काम किया जा रहा है। इसके तहत सड़क नेटवर्क, आवास परियोजनाएं, जल आपूर्ति, सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम जैसे बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से किया जा रहा है। परियोजना के तहत युवाओं और महिलाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाए जा रहे हैं, ताकि वे नए शहर में पैदा होने वाले रोजगार अवसरों का लाभ उठा सकें।

फ्लड मैनेजमेंट पर प्रगति

विश्व बैंक के अनुसार, बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों में भी प्रगति हो रही है और छह स्थानों पर लगभग 35% काम पूरा हो चुका है। विश्व बैंक और एडीबी दोनों मिलकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता के साथ अमरावती को एक आधुनिक, जलवायु–लचीला और आर्थिक रूप से मजबूत शहर बनाने में सहयोग जारी रखेंगे।

आशा भोसले के निधन पर राज्यपाल ने जताया शोक

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने महान गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने उन्हें देश की सांस्कृतिक पहचान बताया और कहा कि उनकी मधुर आवाज ने पीढ़ियों तक भारतीय संगीत को नई पहचान दी। उन्होंने कहा कि उनके गीत देश की आत्मा में बसते हैं और उनकी विरासत हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगी। राज्यपाल ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ा रही सरकार : लक्ष्मण कुमार

भव्य रूप से मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर तेलंगाना सरकार इस बार कार्यक्रम को अभूतपूर्व और भव्य तरीके से आयोजित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर सभी विभाग मिलकर इस आयोजन को सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक बनाने में जुटे हैं। रविवार को कल्याण विभाग के मंत्री अड्लुरी लक्ष्मण कुमार ने टैंक बंड स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार इंदिरम्मा राज के तहत सामाजिक न्याय, समानता और कल्याण के सिद्धांतों पर काम कर रही है और अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ा रही है।

मंत्री ने बताया कि 14 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से बड़ी संख्या में लोग, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी और युवा शामिल होंगे। इसे देखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर साफ–सफाई, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग और महिलाओं, बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पूरे क्षेत्र में निगरानी के लिए कैमरे भी लगाए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि अंबेडकर के जीवन और विचारों को लोगों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रचार कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा। राज्य के सभी जिलों में भी जयंती समारोह भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं, ताकि कार्यक्रम सफल हो सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में पहुंचकर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दें और सामाजिक न्याय के इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाएं।

नरमेटा में स्थापित होंगे 10 संयंत्र

1400 लोगों को मिलेगा रोजगार

सिद्दीपेट, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के नंगुनूर मंडल के नरमेटा में संपीड़ित बायो–गैस संयंत्र की स्थापना के लिए रविवार को शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह परियोजना जूनो जूल बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही है। कार्यक्रम में आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस परियोजना से लगभग 1400 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिनमें करीब 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। यह पहल समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। परियोजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में 3 संयंत्र, दूसरे चरण में 3 और तीसरे चरण में 4 संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। कुल मिलाकर 10 संयंत्र लगाए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 100 टन प्रतिदिन होगी। इन संयंत्रों में धान के भूसे, गोबर और पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे संसाधनों का उपयोग कर बायो–गैस तैयार की जाएगी। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और कचरे का उपयोग उपयोगी ऊर्जा में बदलकर पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन विशेष ट्रेनों का संचालन बेंगलुरु, रूपसा, हुब्बल्लि, अलीपुरद्वार, पोदानूर और बरौनी जैसे शहरों के बीच किया जाएगा। एसएमवीटी बेंगलुरु और रूपसा के बीच गाड़ी संख्या 06545/06546 कुल 6 फेरे लगाएगी, जिसमें 3एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07323/07324 एसएसएस हुब्बल्लि और अलीपुरद्वार के बीच संचालित होगी, जिसमें द्वितीय श्रेणी एसी से लेकर सामान्य श्रेणी तक के कोच उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, पोदानूर और बरौनी के बीच गाड़ी संख्या 06021/06022 का संचालन 6 फेरों के लिए किया जाएगा, जिसमें केवल 3एसी और स्लीपर कोच की सुविधा होगी। ये सभी ट्रेनें विजयवाड़ा, राजमंडरी, नेल्लूर और भुवनेश्वर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए अपना सफर तय करेंगी।

इन विशेष सेवाओं की शुरुआत अप्रैल 2026 के मध्य से की जा रही है ताकि यात्रियों को गर्मी के सीजन में आवागमन में कोई असुविधा न हो।

इंटर में फेल होने पर छात्र ने की आत्महत्या, परिवार में मातम

सिद्दिपेट, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट परीक्षा में असफल होने से दुखी 17 वर्षीय छात्र चकाली साईराम ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना वेल्डुर्थी मंडल के मंगलपार्थी गांव में हुई। जानकारी के अनुसार, साईराम हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में सीईसी समूह से इंटर प्रथम वर्ष का छात्र था। रविवार सुबह जब उसने ऑनलाइन अपना रिजल्ट देखा, तो वह दो विषयों में फेल हो गया, जिससे वह काफी निराश हो गया। बताया जा रहा है कि माता–पिता की प्रतिक्रिया के डर से उसने यह कदम उठाया। घटना के समय वह घर पर अकेला था, क्योंकि उसके माता–पिता उसकी बड़ी बहन की शादी की तैयारियों में व्यस्त थे। इस दुखद घटना से परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों ने बहन की होने वाली शादी को भी फिलहाल स्थगित कर दिया है।

सब्जी और ऑयल पाम की खेती से बढ़ेगी आय : पोन्नम

किसानों को सब्जी उत्पादन किट वितरित

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के पोतारम गांव में उद्यान विभाग की ओर से वर्षा आधारित फसल विकास योजना के तहत किसानों को सब्जी उत्पादन किट वितरित की गई। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने किसानों को अधिक आय देने वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि सब्जी, ऑयल पाम, रेशम और मधुमक्खी पालन जैसी कृषि आधारित गतिविधियों से किसानों को अधिक लाभ मिल सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि जो किसान सब्जी की खेती नहीं कर सकते, वे ऑयल पाम की खेती अपनाएं, क्योंकि इससे अच्छी आय प्राप्त होती है।

उन्होंने बताया कि नंगुनूर मंडल के नर्मेटा में हाल ही में ऑयल पाम कारखाने का उद्घाटन किया गया है और अक्कन्नापेट में खरीद केंद्र भी जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने सरपंचों से कहा कि प्रत्येक गांव में 50 से 100 एकड़ तक ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा दिया जाए। मंत्री ने कहा कि ऑयल पाम के साथ अन्य फसलें भी उगाई जा सकती हैं, जिससे किसानों की आय में और वृद्धि होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन किसानों के पास दो एकड़ से अधिक भूमि है, वे एक एकड़ में सब्जी और शेष भूमि में ऑयल पाम की खेती करें। उन्होंने सब्जी की खेती कर रहे किसानों की सराहना करते हुए कहा कि हुस्नाबाद में सब्जियों के लिए कोल्ड स्टोरेज स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए स्थान का चयन किया जा रहा है। साथ ही किसानों से कहा गया कि वे हैदराबाद बाजार को ध्यान में रखकर सब्जियों का उत्पादन करें।

राजधानी एक्सप्रेस में बढ़ा अतिरिक्त कोच

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से हजरत निजामुद्दीन — सिकंदराबाद — हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में स्थाई रूप से एक अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गाड़ी संख्या 12438/12437 में अब एक अतिरिक्त प्रथम श्रेणी कोच स्थाई रूप से उपलब्ध रहेगा। यह सुविधा हजरत निजामुद्दीन से 19 अप्रैल 2026 से और सिकंदराबाद से 22 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी।

रेलवे के इस विस्तार से प्रीमियम श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सीटें और बेहतर उपलब्धता का लाभ मिल सकेगा।

संगारेड्डी बाईपास रोड पर पांच नए चौराहे बनाए जाएंगे : जग्गारेड्डी

पूर्व विधायक ने अधिकारियों को दिए सुंदर और सुव्यवस्थित निर्माण के निर्देश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी शहर में बाईपास सड़क के विस्तार कार्य तेजी से जारी हैं। करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस सड़क पर पांच स्थानों पर नए चौराहे बनाए जाएंगे।

इस संबंध में नेता जग्गारेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आईबी गेस्ट हाउस से लेकर बसवेश्वर चौक तक पांच प्रमुख स्थानों पर चौराहों का निर्माण किया जाएगा।

जग्गारेड्डी ने अधिकारियों के साथ आईबी चौराहा और आरडीओ कैंप कार्यालय चौराहा का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी चौराहों को आकर्षक और सुंदर बनाया जाए, ताकि लोगों को अच्छा अनुभव मिले। साथ ही उन्होंने डिजाइन तैयार करने वाली टीम को निर्देश दिया कि चौराहों का स्वरूप ऐसा हो जो लोगों को आकर्षित करे। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही सड़क विस्तार कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष शफी हफीज, अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

इंटर में फेल होने पर छात्रा ने की आत्महत्या, जांच शुरू

आदिलाबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के उत्नूर मंडल के दंथनपेल्ली गांव में इंटरमीडिएट की एक छात्रा ने परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय जिलपेल्ली सौजन्या महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय महाविद्यालय, उत्नूर में इंटर प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वह दो विषयों में फेल होने के कारण काफी परेशान थी। बताया जा रहा है कि इसी तनाव में उसने घर में छत के पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। मृतका की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश

दो महिला तस्कर गिरफ्तार, करीब 7.8 किलो गांजा बरामद

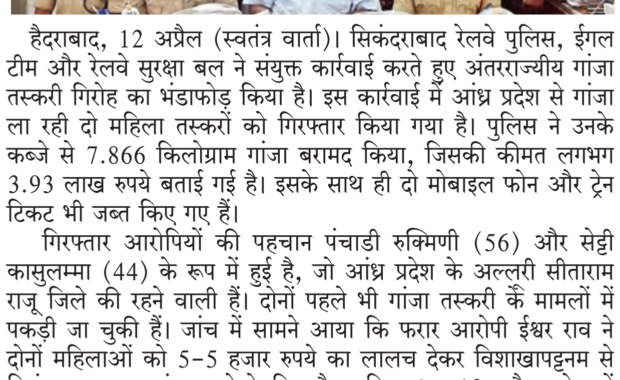

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस, ईगल टीम और रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में आंध्र प्रदेश से गांजा ला रही दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 7.866 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 3.93 लाख रुपये बताई गई है। इसके साथ ही दो मोबाइल फोन और ट्रेन टिकट भी जब्त किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंचाडी रुक्मिणी (56) और सेट्टी कासुलम्मा (44) के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के अल्लरी सीताराम राजू जिले की रहने वाली हैं। दोनों पहले भी गांजा तस्करी के मामलों में पकड़ी जा चुकी हैं। जांच में सामने आया कि फरार आरोपी ईश्वर राव ने दोनों महिलाओं को 5–5 हजार रुपये का लालच देकर विशाखापट्टनम से सिकंदराबाद तक गांजा लाने के लिए तैयार किया था। 10 अप्रैल को उन्हें गांजे के पैकेट देकर ट्रेन से भेजा गया था। 11 अप्रैल की सुबह सिकंदराबाद पहुंचने के बाद दोनों आरोपी रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय में खरीदारों का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने जांच के दौरान उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस सफल कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस टीम की सराहना की है।

बीसी आत्म गौरव भवनों पर काम धीमा, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बीसी समुदाय को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के वादे को पूरा न करने के बाद अब आत्म गौरव भवनों के निर्माण में भी देरी को लेकर कांग्रेस सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पिछली बीआरएस सरकार ने हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल–मलकाजगिरि जिलों में 42 समुदायों के लिए करीब 88 एकड़ जमीन आवंटित की थी। इनमें कोकापेट में 13 भवनों के लिए 49 करोड़ रुपये और अन्य इलाकों में 28 भवनों को मंजूरी दी गई थी।

श्री राम गौशाला
नवयुवक मंडल गजनीपुरा
के तत्वावधान में
एक शाम गौमाता के नाम
भव्य जागरण

शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 रात्रि 8.15 बजे से
भोजन-प्रसादी सायं 7.15 बजे से
: शुभस्थल : श्री राम गौशाला, मैन रोड़ गजनीपुरा (पाली,राजस्थान)
भजन गायकार : डॉ.ओमजी मुंडेल

: निवेदन : समस्त ग्रामवासी, 36 कोम गौभक्तो व समाज बन्धुओं से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधार कर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर भजनों व प्रसादी का लाभ लेवे।
: आयोजक : श्री राम गौशाला सेवा समिति गजनीपुरा के समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : ताराराम (मोहन) चौधरी 9441079213 * सचिव : अशोक कुमार नायक 9772529772
कोषाध्यक्ष : ढलाराम चौधरी 8094086679
कार्यक्रम का विशेष कवरेज : पत्रकार परबत सोलंकी हैदराबाद
: शुभकामनाओं सहित :
गणेश मार्केटिंग प्रबंधक: ताराराम, करन, महेन्द्र गेहलोत - धम्माईगुडा हैदराबाद
कृष्णा मार्केटिंग प्रबंधक: मोटाराम, मगाराम बर्फा - धम्माईगुडा हैदराबाद
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.